केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा-भारत से हर घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा - 12

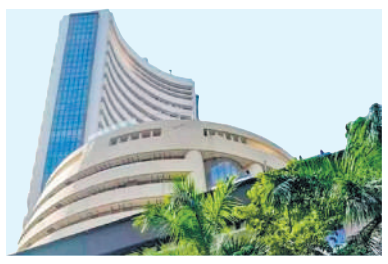

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 400 अंक लुढ़का - 12

जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए बने न्यायसंगत वैश्विक परिवर्ती तंत्र - 13

मंधाना ने संगीतकार पलाश मुच्छल के साथ सगाई की पुष्टि की - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

मुरादाबाद

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वितीया 05:11 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 22 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 235, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

जी-20 सम्मेलन में शामिल होंगे मोदी द. अफ्रीका पहुंचे

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को जोहानिसबर्ग पहुंचे। गौतेंग स्थित वाटरलूफ वायुसैनिक अड्डे (एएफबी) पर उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। इस मौके पर कलाकारों ने सांस्कृतिक गीत और नृत्य पेश किया। जी20 शिखर सम्मेलन में वह 'वसुधैव कुटुंबकम' तथा 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' की भावना के अनुरूप भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे। शिखर सम्मेलन से इतर मोदी के जोहानिसबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है।

एसआईआर को चुनौती वाली याचिकाओं पर आयोग को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- केरल व दूसरे राज्यों की ओर से दाखिल याचिकाओं पर शीर्ष कोर्ट करेगी सुनवाई

शीर्ष कोर्ट ने केरल, यूपी और दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए शुक्रवार को सहमति जताई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न आधार पर एसआईआर की कवायद को चुनौती देने वाली विभिन्न राजनीतिक नेताओं की सभी नई याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया।

केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाले एक याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव भी होने हैं और इसलिए, इस मामले में तत्काल विचार की आवश्यकता है। पीठ ने निर्देश दिया कि केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 26 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए और दूसरे राज्यों में इस कवायद को चुनौती देने वाली बाकी याचिकाओं पर दिसंबर के पहले या दूसरे हफ्ते में सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यह अच्छी बात है कि अब निजी व्यक्तियों के बजाय राजनीतिक दल इस प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए आगे आ रहे हैं। शीर्ष अदालत पहले से ही पूरे भारत में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

एसआईआर ड्यूटी से तंग बीएलओ ने की आत्महत्या

कोडीनार (गुजरात)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में शुक्रवार को मतदाता सूची के एसआईआर के कार्य में लगे एक स्कूल शिक्षक, जो बीएलओ के रूप में तैनात थे, ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का दावा है कि उन्होंने एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें मानसिक तनाव और कार्य के दबाव को आत्महत्या की वजह बताया गया। एक अधिकारी ने बताया कि शिक्षक अरविंद वढेर ने सुबह करीब साढ़े छह बजे कोडीनार तालुका के देवली गांव स्थित अपने घर में फांसी लगा ली। सुसाइड नोट में वढेर ने इस कदम के लिए एसआईआर की ड्यूटी को जिम्मेदार ठहराया। वधेर ने नोट में लिखा, अब मेरे लिए एसआईआर का यह काम करना असंभव है। मैं पिछले कुछ दिनों से थका हुआ और मानसिक रूप से तनावग्रस्त महसूस कर रहा हूं। कृपया हमारे बेटे का ख्याल रखें।

ब्रीफ न्यूज

48 घंटे में 800 साइबर अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने साई-हॉक नामक 48 घंटे के अभियान में 4,400 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की और विभिन्न साइबर अपराध मॉड्यूल से जुड़े 800 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया या उन्हें कानूनी नियंत्रण के तहत रखा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के साथ निकट समन्वय में चलाए गए अभियान के तहत साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क, नकदी-निकासी एजेंटों और राष्ट्रीय राजधानी में संचालित अवैध कॉल सेंटरों को लक्षित किया गया। उन्होंने कहा कि अन्य 509 लोगों को साइबर-धोखाधड़ी नेटवर्क के साथ उनके संदिग्ध संबंधों के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत नोटिस जारी किया गया है।

एलओसी से हथियार गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को एलओसी के पास एक ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद कर एक संभावित आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। बरामद हथियारों में एम-सीरीज की दो असॉल्ट राइफल भी शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा क्षेत्र में एलओसी के पास नीरियान वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया।

भारत की सोच निकाल सकती है वैश्विक चुनौतियों का रास्ता : योगी

सीएम ने विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया बड़ा संदेश

- कहा-दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है, वहां सतत विकास बेमानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सोच वैश्विक चुनौतियों का रास्ता निकाल सकती है। जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य के संकट, वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफॉर्म का बेहतर उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है, वहां सतत विकास की बात करना बेमानी है। योगी ने वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को भारत की हजारों वर्षों की परंपरा करार दिया।

वे शुक्रवार को सिटी मॉन्टेसरी स्कूल द्वारा आयोजित मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमें यूएन के घोषणा को स्मरण करना होगा, जिसमें सतत विकास के लक्ष्यों के बारे में दुनिया के देशों से आह्वान किया गया था। इन 16 लक्ष्यों में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।

मुख्य न्यायाधीशों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी और अन्य गणमान्य।

मुख्यमंत्री ने कहा दुनिया में जहां अशांति व अराजकता है, वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर एजुकेशन, स्वास्थ्य व सतत विकास की बात बेमानी सी दिखती है। सभी को इस बारे में विचार करना चाहिए कि कैसे इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब हम दुनिया के अंदर शिक्षा की बात करते हैं तो 250 करोड़ से अधिक बच्चों के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा पर फोकस करते हैं।

विचार करना होगा कि बस्ते के बोझ से बच्चे डिप्रेस्ड न हों। उन्होंने कहा कि आज की कोई भी समस्या केवल एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया की समस्या होती है और दुनिया को ही मिलकर ही समाधान निकालना पड़ेगा।

वास्तविक समस्या न भूलें

योगी ने कहा कि ये कभी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि विश्व की वास्तविक समस्या क्या है। जब हम तह में जाते हैं तो लगता है कि डायलॉग एक-दूसरे के बीच में नहीं है। स्वयं के वर्चस्व को स्थापित करने के लिए डायलॉग को बाधित किया गया। ये कॉन्फ्रेंस डायलॉग का एक माध्यम है। दुनिया के जाजों के माध्यम से यह मानवता व उन लोगों के लिए भी एक उद्घोषणा है, जिन्होंने वर्चस्व स्थापित करने के लिए अराजकता का वातावरण पैदा करने का प्रयास किया।

वंदे मातरम् की प्रस्तुति

कार्यक्रम की शुरुआत गोमती नगर एक्सटेंशन ब्रांच के स्टूडेंट्स ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की प्रस्तुति से की। छात्र-छात्राओं ने ट्रिनिडाड व टोबैगो, तुवालु, स्वीडन और भारत समेत विभिन्न देशों के प्रतिनिधि के तौर पर अपना पक्ष रखा। क्रोएशिया के पूर्व राष्ट्रपति, लेसोथो के पूर्व प्रधानमंत्री, वर्तमान व पूर्व राष्ट्र प्रमुख, सीएमएस की संस्थापक निदेशक डॉ. भारती गांधी, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के अध्यक्ष डॉ. रोजर किंगडम और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला उपस्थित रहे।

दुबई एयरशो में तेजस क्रैश, पायलट की मौत

- दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन करेगी आईएएफ

नई दिल्ली/दुबई, एजेंसी

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का लड़ाकू विमान तेजस शुक्रवार को दुबई एयरशो के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। वायुसेना ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' का गठन किया जा रहा है।

मार्च 2024 में, वायुसेना का एक तेजस हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) पोखरण रेगिस्तान में सैन्य अभ्यास 'भारत शक्ति' से लौटते समय जैसलमेर में एक आवासीय कॉलोनी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह ऐसी पहली दुर्घटना थी जो स्वदेश निर्मित एकल इंजन वाले विमान के 2001 में उड़ान भरना शुरू करने के बाद हुई थी। उस हादसे में पायलट विमान से सुरक्षित रूप से बाहर निकल गया था।

शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर में, एयरशो में हवाई प्रदर्शन के दौरान उड़ान भरते समय विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर कहा, आईएएफ को इस हादसे में हुए जानमाल के नुकसान पर बहुत दुख है और वह दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सशस्त्र बल इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। आयोजित होने वाला एक द्विवार्षिक आयोजन है। इसकी वेबसाइट के अनुसार, 2025 संस्करण का आयोजन 17 से 21 नवंबर तक किया जा रहा है।

हवाई प्रदर्शन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ तेजस।

1984 में शुरू हुआ था तेजस विमान का निर्माण

तेजस विमान के निर्माण की परियोजना वर्षों के विचार-विमर्श के बाद अंतत: 1984 में शुरू हुई थी और 2011 में विमान को औपचारिक रूप से उड़ान के लिए उपयुक्त घोषित किया गया। तेजस विमान भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार बनने के लिए तैयार है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। नवंबर 2023 में, मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 97 तेजस विमान के अतिरिक्त बैच की खरीद के लिए प्रारंभिक मंजूरी दी थी।

वीडीओ भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी, छह गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से वर्ष 2018 में की गई थी भर्ती
- लखनऊ के विभूतिखंड थाने में दर्ज की गई थी एफआईआर ईओडब्ल्यू की टीम ने की कार्रवाई

अमृत विचार: ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) भर्ती परीक्षा 2018 में धांधली करने वाले छह आरोपियों को ईओडब्ल्यू ने गुरुवार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कुल 173 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें 15 की पहले गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य की तलाश में टीम दबिश दे रही है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में मलिहाबाद मधवापुर कसमंडी का कुलदीप कुमार, बाराबंकी के सफदरगंज स्थित चैला का सूर्य प्रकाश सिंह, वाराणसी के लोहता के भिठारी का रिंकू यादव, जानकीपुरम मौर्या भट्ठा का अजय कुमार यादव, जालौन कालपी स्थित काशीरामपुर का सर्वेश कुमार और बरेली के बरादरी स्थित सुरेश शर्मा नगर पार्ट-3 का निदेश गंगवार शामिल है। वीडीओके 1953 पद की भर्ती का आयोजन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने वर्ष 2018में किया था। परीक्षा कार्यदायी संस्थान टीसीएस लि. द्वारा कराई जा रही थी। परीक्षा में धांधली की शिकायत मिलने शासन ने ईओडब्ल्यू से जांच कराई गई। धांधली की रिपोर्ट आने के बाद विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराया गया। मामले की जांच कर रही ईओडब्ल्यू को दी गई। इसके बाद एसआईटी ने वर्ष 2021 में फिर से अपने थाने में मामला दर्ज किया।

आयोग के अधिकारी व टीसीएस की मिली भगत से हुई धांधली

जांच में सामने आया कि इस मामले में उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के तत्कालीन अधिकारी, कर्मचारी, कार्यदायी संस्था टीसीएस लि. द्वारा अन्य संस्थाओं, दलालों व अभ्यर्थियों से मिलीभगत कर लाखों रुपये वसूले गए। इसके बदले में भर्ती की लिखित परीक्षा से संबंधित ओएमआर शीट्स में व्यापक स्तर पर कूटरचना कर अपात्र अभ्यर्थियों को उच्चतम अंक दिया गया। इसके कारण पात्र अभ्यर्थियों का चयन नहीं हो सका। धांधली की पुष्टि होने पर परीक्षा को निरस्त कर दी गई थी। इस मामे में कुल 173 लोगों के खिलाफ साक्ष्य मिले। जिसके बाद उनको मामले का आरोपी बनाया गया। इस मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने 15 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

रुपया 98 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले शुक्रवार को रुपया धराशायी हो गया जब डॉलर के मुकाबले यह 98 पैसे की जोरदार गिरावट के साथ 89 के स्तर को पार कर सर्वकालिक निचले स्तर 89.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

स्थानीय और वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली के दबाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर की जोरदार मांग के कारण रुपये में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बाजार सूत्रों ने कहा कि एआई, प्रौद्योगिकी शेयरों के आसपास हलचल को लेकर चिंताओं से भी निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। विदेशी निधियों की ताजा धननिकासी से भी निराशा और बढ़ गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.67 पर खुला और दोपहर के भारी उतार-चढ़ाव के भंवर में फंस गया। दिन के कारोबार के दौरान रुपये में 88.59 के उच्चतम और 89.66 के निम्नतम स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में, रुपया तीन साल से ज्यादा समय में सबसे बड़ी गिरावट को दर्शाता डॉलर के मुकाबले 98 पैसे गिरकर आखिरकार 89.66 पर बंद हुआ। इससे पहले सबसे बड़ी गिरावट 24 फरवरी, 2022 को देखने को मिली थी जब डॉलर के मुकाबले रुपये में 99 पैसे की गिरावट दर्ज की गई थी।

- 89.66 प्रति अमेरिकी डॉलर पर बंद हुआ रुपया

दिल्ली पुलिस बोली, सीएए विरोध का उद्देश्य बांग्लादेश-नेपाल जैसा सत्ता परिवर्तन करना था

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली दंगों में उमर खालिद शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका का किया विरोध

दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका का विरोध करते हुए शुक्रवार को शीर्ष कोर्ट से कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन कोई साधारण धरना नहीं था, बल्कि बांग्लादेश, नेपाल की तरह सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से किया गया था।

पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पीठ को बताया कि दिल्ली दंगे ताहिर हुसैन, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, इशरत जहां और खालिद सैफी सहित कई आरोपियों की संलिप्तता वाली साजिश का नतीजा थे। राजू ने कहा कि षड्यंत्रकर्ताओं ने हिंसा की योजना बनाई, हालात बिगाड़ने और असम को भारत से अलग करने के लिए चक्का जाम किया, तथा दंगाइयों को संगठित किया। उनके मन में संविधान के प्रति सम्मान नहीं है। मामले पर 24 नवंबर को सुनवाई करेगी।

तैयारी अयोध्या में सिर्फ आमंत्रित अतिथियों, पास धारकों व आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों को मिलेगा प्रवेश, 24 से सीमाएं होंगी सील

भव्य ध्वजारोहण को लेकर अनुष्ठान शुरू, 23 से हाईवे पर डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार : राम मंदिर परिसर में 25 नवंबर को होने वाले भव्य ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने का मौका आम श्रद्धालुओं को नहीं मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत विशिष्ट अतिथियों के समारोह में शामिल होने के कारण सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने 24 नवंबर की शाम छह बजे से अयोध्या धाम में प्रवेश करने वाली सीमाओं को सील करने का निर्णय लिया है। शहर के अंदर भी किसी प्रकार के वाहनों के चलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अयोध्या से जुड़ने वाले सभी हाईवे पर 23 नवंबर की रात 11 बजे से डायवर्जन लागू हो जाएगा। प्रशासन ने होटल, गेस्ट हाउस में 24 व 25 नवंबर की बुकिंग भी निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, राम जन्मभूमि परिसर में भव्य ध्वजारोहण समारोह को लेकर शुक्रवार से अनुष्ठान आदि प्रारंभ हो गया।

पुलिस अधीक्षक यातायात एपी सिंह ने बताया कि हाईवे पर भारी माल वाहक वाहन जैसे ट्रक, डीसीएम व ट्रैक्टर आदि को अन्य मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा। यह डायवर्जन 26 नवंबर की रात 10 बजे तक लागू रहेगा। बताया कि दोनों प्रतिबंध आमंत्रित अतिथियों, पास धारकों व आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों पर लागू नहीं होंगे। वहीं प्रशासन ने राम मंदिर परिसर के 200 मीटर की परिधि में स्थित सभी होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशाला व होम स्टे में 24 व 25 नवंबर को किसी भी बाहरी व्यक्ति को ठहराने से मना किया है। निर्देश दिए गए हैं कि यदि पूर्व में यदि इन तिथियों पर कोई एडवांस बुकिंग हुई तो उसे निरस्त कर संबंधित को सूचित करें। साकेत महाविद्यालय से हनुमानगढ़ी के बीच में स्थित सभी मकानों, मंदिरों व आश्रमों में भी किसी बाहरी व्यक्ति को भी इन तिथियों में रोकने से मना किया गया है।

सभी को चेतावनी दी गई है कि यदि जांच में ऐसा पाया गया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार यह आदेश उच्च स्तर से मिले निर्देश के बाद जारी किया गया है। स्थानीय पुलिस व खुफिया एजेंसियां इस पर नजर रखे हुए हैं।

- होटल, गेस्ट हाउस में 24 व 25 नवंबर की बुकिंग निरस्त करने के निर्देश

दक्षिण भारत से आए 108 वैदिक आचार्यों ने सरयू जल शुद्धिकरण कर की यज्ञ मंडप की पूजा

राम जन्मभूमि परिसर में भव्य ध्वजारोहण समारोह को लेकर शुक्रवार से अनुष्ठान आदि प्रारंभ हो गया। इसकी शुरुआत यजमानों द्वारा सुबह भगवान श्रीरामलला के दर्शन और स्तुति से हुई। प्रखर विद्वान वैदिक आचार्य गणेश्वर शास्त्री के नेतृत्व में अयोध्या, काशी और दक्षिण भारत से आए 108 वैदिक आचार्यों ने सरयू जल शुद्धिकरण कर यज्ञ मंडप की पूजा की, 27 यजमानों ने मंडप की परिक्रमा की। जिसके बाद यज्ञशाला में प्रवेश कर उत्सव प्रतिमा और रामार्चा पूजन कर देवताओं का आह्वान किया गया। वहीं यज्ञशाला में 51 आचार्य के द्वारा रामचरितमानस पाठ और श्रीराम रक्षा स्त्रोत का पारायण किया गया। पहले दिन के अनुष्ठान के अंत में वैदिक मंत्रों से यज्ञ कुंड में अग्नि प्रकट करते हुए हवन के साथ अनुष्ठान संपन्न हुआ।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार,22 नवंबर 2025

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

13.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.39

सूर्यास्त 05.16

न्यूज ब्रीफ

अपहरण और दुष्कर्म मामले में 10 साल की सजा

रामपुर, अमृत विचार : नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में कोर्ट ने आरोपी सूरज को 10 साल का कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा 55 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। थाना गंज में 4 जुलाई 2024 को सूरज निवासी मोहल्ला सर्राफा मार्केट थाना गुन्नौर जिला संभल के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने 11 दिन में आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित कर दिया था। 21 नवंबर 2025 को न्यायालय एडीजे-08/पॉक्सो एक्ट द्वारा अभियुक्त सूरज को 10 वर्ष का कठोर कारावास और 55 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है।

रामपुर में 23 को आएंगे उपमुख्यमंत्री

रामपुर, अमृत विचार : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 23 नवंबर को भ्रमण पर रहेंगे। हेलीकॉप्टर से पूर्वाह्न 11:50 बजे पुलिस लाइन पहुंचेंगे। इसके बाद लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आंबेडकर पार्क में कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। 1:15 बजे संत शिरोमणि रविदास सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

चकबंदी पैमाइश का विरोध, दंपती पर रिपोर्ट

बहजोई, अमृत विचार : चकबंदी लेखपाल अर्जुन सिंह ने तहरीर में बताया कि गुरुवार सुबह वह और चकबंदी कर्ता उप संचालक चकबंदी के आदेश के तहत गाटा संख्या 112 पर बदले गए प्रस्तावित चक की पैमाइश करने पहुंचे थे। पैमाइश की प्रक्रिया शुरू होते ही सेवाराम और उसकी पत्नी आकर गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने कई बार समझाने का प्रयास किया, लेकिन दंपती किसी भी तरह मानने को तैयार नहीं हुए और लगातार सरकारी कार्य में बाधा डालते रहे। प्रभारी निरीक्षक संत कुमार ने बताया कि लेखपाल की तहरीर पर सेवाराम और उसकी पत्नी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नियातक के घर लूट का पर्दाफाश, मुठभेड़ में तीन पकड़े

मुख्य आरोपी पैर में गोली लगने से घायल, निर्यातक के घर काम करने वाले इलेक्ट्रिशियन ने बनाई थी योजना

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

पुलिस लाइन में आरोपियों के बारे में जानकारी देते एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह।

आरोपियों से बरामद सामान। ● अमृत विचार

● कई दिन से कोठी के आस-पास लगा रहा था चक्कर

यह हुई बरामदगी

4.280 किलो चांदी के वर्तन,मूर्तियां बरामद, 1 तमंचा 315 बोर, कारतूस व खोखा, रॉड, स्विफ्ट डिजायर कार, सीपीप्लस डीवीआर, करीब 4.280 किलो चांदी के वर्तन और मूर्तियां, बरामद सामान में गिलास, जग, थाल, ट्रे, मूर्तियां और पूजा का अन्य सामान।

अमृत विचार : मानसरोवर कॉलोनी स्थित निर्यातक के घर हुई लूट का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। थाना मझोला पुलिस ने शुक्रवार को हर्बल पार्क के पास हुई मुठभेड़ के दौरान मुख्य आरोपी सहित तीन बदमाशों को दबोच लिया। मुख्य आरोपी नरेंद्र सिंह पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार दो दिन पहले मानसरोवर कॉलोनी में हुई लूट के बदमाशों की तलाश में जनपद के सुनसान क्षेत्र व हाईवे पर चेकिंग कर रही थी। इसी क्रम में शुक्रवार को मझोला पुलिस गागन नदी दिल्ली रोड के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी तभी सामने से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन कार सवार तेजी से वाहन मोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा किया और गागन पटरी रोड पर घेराबंदी की। खुद को घिरता देख कार में बैठे बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जिससे मुख्य आरोपी नरेंद्र सिंह पुत्र चिरंजी सिंह निवासी विष्णु नगर ढक्का मझौला के पैर में गोली लग गई। मौके से कार में मौजूद दो अन्य बदमाश मनोज उर्फ संजू रघुवीर सिंह निवासी ट्रिपल स्टोरी सी ब्लॉक कांशीराम नगर थाना मझोला और सोनू पुत्र भोलू निवासी ग्राम भदौड़ा डबल फाटक करबला थाना कटघर कोतवाली भी पकड़े गए है। पूछताछ में तीनों ने कबूल किया कि 19 और 20 नवंबर की बीच रात की रात उन्होंने मानसरोवर कॉलोनी में निर्यातक अरविंद बडेरा के घर चोरी की नीयत से प्रवेश किया। चौकीदार ने रोकने का प्रयास किया तो उसे बेरहमी से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और कमरे में बंद कर दिया। आरोपी घर के मंदिर से चांदी की मूर्तियां और अलमारी तोड़कर चांदी के वर्तन ले गए और डीवीआर भी अपने साथ उठा ले गए।

घर की पूरी जानकारी होने से वारदात को अंजाम देने में सफल रहे आरोपी

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी नरेंद्र सिंह पेशे से इलेक्ट्रिशियन है और कई बार इस कोठी में काम कर चुका है। घर की संरचना और कमरे की जानकारी होने के कारण ही लुटेरे आसानी से वारदात को अंजाम देने में सफल रहे। पुलिस को गुरुवार की शाम तक बदमाशों के बारे में जानकारी मिली कि वह शुक्रवार को लूटे गए माल को बेचने जाएंगे, जिसके लिए पुलिस पहले से सक्रिय थी, जैसे ही सूचना मिली की चोरी का सामान बेचने बदमाश दिल्ली रोड की तरफ जा रहे हैं उसी समय वाहनों की चेकिंग शुरू की गई। इस दौरान पुलिस उन्हें पकड़ने में सफल रही। पुलिस ने लूटा गया माल और कार बरामद की है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच में जुटी हुई है।

ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त स्लीपर कोच

मुरादाबाद, अमृत विचार : रेल मंडल मुरादाबाद प्रशासन ने यात्रियों की सहूलियत के लिए पद्मावत एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों में अस्थायी रूप से अतिरिक्त एक-एक स्लीपर कोच लगाने की घोषणा की है।

वरिष्ठ मंडल रेल प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि मां बेहला देवी धाम प्रतापगढ़-दिल्ली पद्मावत एक्सप्रेस संख्या 14207 में 22 से 28 नवंबर तक और गाड़ी संख्या 14208 दिल्ली-मां बेहला देवी प्रतापगढ़ एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त स्लीपर कोच 25 नवंबर से 1 दिसंबर तक लगाए जाएंगे। इसके साथ ही अयोध्या कैंट-दिल्ली एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 14205 में 24 से 30 नवंबर तक और 14206 दिल्ली-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस में 23 से 29 नवंबर तक एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगेगा। जबकि गाड़ी संख्या 22420 आनंद विहार टर्मिनल-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस में 22 से 27 नवंबर और गाड़ी संख्या 22419 गाजीपुर सिटी-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस में 23 से 28 नवंबर तक एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाए जाएंगे। जिससे इन ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को सहूलियत होगी।

आजम खान के मामलों की सुनवाई से न्यायमूर्ति ने खुद को किया अलग

विधि संवाददाता,प्रयागराज

● शुक्रवार को यतीमखाना मामले की सुनवाई के दौरान की घोषणा

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रहे इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति समीर जैन ने अचानक स्वयं को इन सभी मामलों से अलग कर लिया। शुक्रवार को यतीमख़ाना मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जैन ने अधिवक्ताओं की मौजूदगी में अचानक यह घोषणा की कि वह अब आजम खान से जुड़े किसी भी मामले की सुनवाई नहीं करेंगे। हालांकि उन्होंने इस निर्णय के पीछे कोई कारण नहीं बताया।

न्यायमूर्ति जैन की एकलपीठ के समक्ष आजम खान के कुल चार मामले लंबित थे। उनकी अलगाव घोषणा के साथ ही अब इन मामलों को नई पीठ को सौंपा जाएगा, जिसके निर्धारण की जिम्मेदारी मुख्य न्यायाधीश पर होगी। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति समीर जैन अदालत में कई चर्चित संवेदनशील मामलों की सुनवाई के लिए जाने जाते हैं।

उन्होंने पूर्व में माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को सुनाई गई दो वर्ष की सजा पर रोक लगाने का आदेश दिया था, जिससे उनकी विधायकी बहाल हुई थी। इसके अतिरिक्त कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आज़ाद, सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क और पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के मामलों की सुनवाई भी उनकी पीठ ने की है। आजम खान के मामलों से स्वयं को अलग करने के उनके निर्णय ने न्यायिक और राजनीतिक गलियारों में आश्चर्य उत्पन्न कर दिया है।

क्वालिटी बार में 8 दिसंबर को सुनवाई

रामपुर,अमृत विचार : सिविल लाइंस स्थित क्वालिटी बार में लूटपाट करने के मामले में आजम खां सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया था। जिसकी सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में हो रही है। शुक्रवार को वादी कोर्ट पहुंचे। हालांकि सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले में 8 दिसंबर को सुनवाई होगी।

दंपति पर हमला बच्ची को छीन ले जाने का आरोप

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम फौलादपुर में एक दंपती पर हमला कर आठ माह की बच्ची को छीन ले जाने का मामला सामने आया है।

पीड़िता ने तहरीर दी कि उसका पति तौसीफ बेंगलुरु में मजदूरी करता है। गांव का युवक गलत नजर रखता है। 21 नवंबर की दोपहर वह पति के साथ रिक्शे से बस स्टैंड जा रही थी। चमरपुरा पुल के पास आरोपी नन्हें साथी उमर व अली के साथ आए और हमला कर दिया। आरोपियों ने बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया, कपड़े फाड़ अश्लील हरकतें कीं। पति के साथ मारपीट की। बैग से 20,000 रुपये और चार सोने के आभूषण लूटकर ले गए। 8 माह की बच्ची को भी छीन लिया और धमकी दी कि बच्ची वापस चाहिए तो दो लाख रुपये दो। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दलपतपुर-शेरुआ चौराहा, दलपतपुर और टीएमयू मार्ग पर चलेंगी सिटी बसें

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक मंडल की आठवीं बैठक में कई अहम निर्णय लिए

अमृत विचार : मंडलायुक्त की अध्यक्षता में मुरादाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक मंडल की आठवीं बैठक शुक्रवार को हुई। इसमें शहर की परिवहन सेवाओं को विस्तार व मजबूती देने से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सहमति बनी। ट्रांसपोर्ट से सर्विसेज के मुद्दे को लेकर विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा हुई। जिसमें 25.5 किमी के दो नए मार्गों को मंजूरी के अलावा दलपतपुर-शेरुआ चौराहा,दलपतपुर-टीएमयू पर सिटी बसें चलाने की स्वीकृति दी गई।

मंडलायुक्त ने अपने कार्यालय सभागार में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को गति देने के लिए अपॉर्चुनिटी चार्जर स्थापित करने के लिए भूमि उपलब्ध कराने के संबंध में बैठक की। इसमें भूमि की उपलब्धता को लेकर नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक अनुराग यादव को मुरादाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड का प्रबंध निदेशक नामित किया गया। इसके अलावा नगरीय सीमा से बाहर संचालित भोजपुर और टांडा मार्गों को लखनऊ मुख्यालय के निर्देशों के अनुसार प्रतिबंधित कर दिया गया। निदेशक मंडल ने दो नए मार्गों को मंजूरी दी जिसमें दलपतपुर-शेरुआ चौराहा, दलपतपुर-टीएमयू (लगभग 25.5 किमी) शामिल रहा।

अन्य नए मार्गों की तलाश कर शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश

मंडलायुक्त ने प्रबंध निदेशक अनुराग यादव को शहर की सीमा में अन्य नए परिवहन मार्गों की तलाश कर शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, जिससे यात्रियों को बेहतर और सुगम सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में अपर आयुक्त, उपाध्यक्ष मुरादाबाद विकास प्राधिकरण अनुभव सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त), प्रबंधक संचालन, एसपीवी स्टाफ और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

पीपली वन में अवैध कटान पर होगी सख्ती

भाकियू नेताओं से बात करते वन वन मुख्य संरक्षक व कल्सीवेटर। ● अमृत विचार

संवाददाता, स्वार

● पीपली वन पहुंचकर मुख्य वन संरक्षक और कल्सीवेटर ने दिए निर्देश

अमृत विचार: पीपली वन क्षेत्र में प्रतिबंधित पेड़ों पर हो रही लगातार अवैध कटान की शिकायतों को वन विभाग ने गंभीरता से लिया है। शुक्रवार को बरेली वन प्रभाग के मुख्य वन संरक्षक पीपी सिंह और मुरादाबाद कल्सीवेटर रमेश चंद्र ने सलारपुर चौकी पहुंचकर पूरे क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया।

मौके पर मिले हालात से नाराज मुख्य वन संरक्षक ने डीएओ प्रणव जैन और रेंजर सुरेश चंद्र जोशी को निर्देश दिए कि वन क्षेत्र मे तुरंत अतिरिक्त निगरानी बढ़ा गश्त में तेजी लाई जाए। तस्करों पर तत्काल प्रभाव से नकेल कसी जाए। वन चीफ ने कहा कि प्रतिबंधित पेड़ों का कटान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए वन क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाने, रात में गश्त सख्त करने और तस्करों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। निरीक्षण के दौरान भाकियू भानू गुट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हनीफ वारसी और प्रधान दर्शन लाल कांबोज ने भी वन अधिकारियों से वार्ता कर पीपली वन में लगातार हो रही क्षति पर चिंता जताई। वन विभाग की सक्रियता और उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप से अब स्थानीय ग्रामीणों में उम्मीद जगी है कि पीपली वन में हो रही तस्करी पर लगाम लगेगी और वन क्षेत्र सुरक्षित हो सकेगा। इस दौरान एसडीओ ओमप्रकाश राम, बिलासपुर रेंजर एके सिंह, नईम खां, हंसराज सिंह, कमलजीत सिंह, असद अली, संजोग अली पाशा समेत वन विभाग का स्टाफ मौजूद रहा।

सर्दी बढ़ते ही सीने में जकड़न से लोगों में बढ़ रही बेचैनी

मुरादाबाद, अमृत विचार : सर्दी बढ़ने पर वायुमंडल में धूल के हानिकारक सूक्ष्म कण सांस की नली से होकर फेफड़ों तक पहुंच रहे हैं। जिले में सैकड़ों मरीज फेफड़ों की टीबी से पीड़ित हैं। इनमें 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों की संख्या अधिक है। जिला अस्पताल के डॉ. प्रदीप वार्ष्णेय ने बताया कि ओपीडी में आने वाले बुजुर्ग सांस संबंधी समस्या से परेशान हैं। मौसम में बदलाव के साथ ही टीबी से संक्रमित मरीजों का खांसकर बुरा हाल हो रहा है। इन मरीजों की हिस्ट्री देखने पर ये टीबी से पीड़ित मिल रहे हैं। साथ ही जिन मरीजों का टीबी ठीक हो चुका है। उनके फेफड़ों की एक्सरे फिल्म में अभी भी बड़े धब्बे दिख रहे हैं। ऐसे मरीज भी खासी से परेशान हैं। वहीं, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. वीर सिंह ने बताया कि ओपीडी में आने वाले बच्चों में अधिकांश को कफ कोल्ड की समस्या मिल रही है। वायरल बुखार भी बच्चों को परेशान कर रहा है। निमोनिया का असर भी बच्चों में हैं।

सीडीओ ने ग्राम चौपाल में सुनीं जनसमस्याएं

बच्चों को पुष्टाहार खिलातीं सीडीपीओ साथ में मौजूद सीडीओ मृणाली अविनाश जोशी।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● समस्याओं के तुरंत निस्तारण के दिए निर्देश, लापरवाही पर चेताया

अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी ने शुक्रवार को विकास खंड ठाकुरद्वारा के ग्राम पंचायत कमालपुरी खालसा में आयोजित ग्राम चौपाल में लोगों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को इसका त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया। कहा कि लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई होगी।

चौपाल की शुरुआत में खंड विकास अधिकारी ठाकुरद्वारा ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। चौपाल में तीन शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें पेंशन स्वीकृति, आयुष्मान कार्ड एवं ग्राम में गिराशु दीवार हटाने से संबंधित समस्याएं शामिल थीं। सीडीओ ने इन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिया। उन्होंने ग्राम में साफ-सफाई, टीकाकरण और फॉगिंग अभियान नियमित रूप से चलाने के लिए कहा। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर मजबूत किया जाना आवश्यक है। इस दौरान खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक तथा क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हाईटेक नर्सरी पहुंचीं सीडीओ, सुधार और विस्तार के दिए निर्देश

मुरादाबाद, अमृत विचार : सीडीओ मृणाली अविनाश जोशी ने शुक्रवार को ठाकुरद्वारा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र मल्हपुरा पर उद्यान विभाग द्वारा विकसित हाईटेक नर्सरी का निरीक्षण किया। इस दौरान नर्सरी में पौधों को सींचने वाली प्रक्रिया की जिला उद्यान अधिकारी से जानकारी ली। गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में निरंतर सुधार होने के लिए कहा। सीडीओ ने नर्सरी में चल रही गतिविधियों की जानकारी ली और पौध उत्पादन से संबंधित प्रक्रियाओं की समीक्षा की। उन्होंने नर्सरी तक पहुंचने वाले मार्ग को सुधार कराने का निर्देश दिया। जिससे आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की बोआई सुनिश्चित करने तथा नर्सरी में शीघ्र विद्युत कनेक्शन स्थापित कराने के लिए जिला उद्यान अधिकारी रमेश सिंह राणा को निर्देश दिया। नर्सरी की ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए 10 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट का प्रस्ताव तैयार कर अग्रसारित करने के लिए कहा। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के कार्यों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र, उद्यान निरीक्षक तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

बैठक | डीएम ने बैठक में की सड़क सुरक्षा, गन्ना खरीद और शेष गन्ना भुगतान को लेकर समीक्षा

गन्ना ढुलाई करने वाले वाहनों की न हो अधिक ऊंचाई

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

कलेक्ट्रेट कार्यालय में बैठक करते डीएम अनुज सिंह। ● अमृत विचार

● रोजाना सुबह 8 से शाम 5 तक गन्ना क्रय केंद्र पर खरीद करें मिलें

अमृत विचार : डीएम अनुज सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुरादाबाद और बाह्य जनपदों द्वारा क्षेत्र से गन्ना खरीद करने वाली चीनी मिलों के यूनिट हेड/अध्यासियों, जिला गन्ना अधिकारी, सहायक चीनी आयुक्त के साथ बैठक की। इसमें सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था, निर्बाध गन्ना खरीद व पेराई सत्र 2024-25 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान की समीक्षा की गई।

डीएम ने निर्देश दिया कि मिलों द्वारा रोजाना हर गन्ना क्रय केन्द्र पर सुबह 8:00 से शाम 5:00 बजे तक गन्ना खरीद की जाए। क्रय केंद्रों पर तौल लिपिक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। घटतौली की शिकायत दूर कराने के लिए उन्होंने केंद्रों पर मानक अनुरूप 5 क्विंटल के बाट रखने और प्रतिदिन गन्ना क्रय केंद्र से गन्ना उठान कराने का निर्देश दिया। जिससे गन्ने का प्लांट से उठान न होने पर आगामी दिन तौल कार्य प्रभावित न हो सके। घटतौली की शिकायतें न मिलें इसके लिए गन्ना निरीक्षक व सहायक चीनी आयुक्त मुरादाबाद को लगातार निरीक्षण करने के लिए कहा। कोई शिकायत मिलने पर चीनी मिल प्रबंधन के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया।

उन्होंने गन्ना ढुलाई करने वाले वाहनों की ऊंचाई अत्यधिक न होने, गन्ना कृषकों को भी चीनी मिलों के स्तर से वाहनों की ऊंचाई के अनुसार गन्ना ढुलाई करने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया। कहा कि गन्ना ढुलाई वाहन में रिफ्लेक्टर युक्त लाल रंग का कपड़ा जो चारो कोनों से बंधा हो, वाहन के पिछले हिस्से में निश्चित रूप से लगा होना चाहिए। जिससे कोहरे के दौरान दूर से ही वाहन दिखाई दे। सर्दी में बचाव के लिए किसानों को मूलभूत सुविधा अलाव, किसान विश्राम शेड व शौचालय की समुचित व्यवस्था करने व गन्ना वेरायटी से संबंधित शिकायतों का तत्काल निस्तारण करने का निर्देश दिया।

बैठक में जिला गन्ना अधिकारी राम किशन, सहायक चीनी आयुक्त सालोक पटेल, चीनी मिल अगवानपुर, बिलारी, बेलवाड़ा, रानीनांगल एवं वाह्य जनपदों की चीनी मिल असमौली, स्योहारा एवं मिलक नरायनपुर के महाप्रबंधक(गन्ना) उपस्थित रहे।

एक सप्ताह में 2024-25 का शेष भुगतान करने के निर्देश

डीएम ने पेराई सत्र 2024-25 के शेष गन्ना मूल्य भुगतान के बारे में चीनी मिल बिलारी के महाप्रबंधक(गन्ना) को निर्देशित किया कि चीनी मिल हर हाल में एक सप्ताह के अंदर पेराई सत्र 2024-25 का शेष गन्ना मूल्य भुगतान अनिवार्य रूप से किसानों को करें। अन्य चीनी मिलों के प्रतिनिधियों को पेराई सत्र 2025-26 का गन्ना मूल्य भुगतान प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

हनी ट्रैप गैंग: दंपती गिरफ्तार, दूसरे आरोपी दंपती को तलाश रही पुलिस

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : थाना सिविल लाइंस पुलिस ने हनी ट्रैप के जरिए लोगों से अवैध वसूली करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए एक दंपती को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने प्रेस वार्ता में मामले का खुलासा किया।

एपी सिटी ने बताया कि मामला शिकायतकर्ता फारिया पत्नी असीम अहमद की तहरीर पर सामने आया था। पीड़िता फारिया ने बताया कि कुछ लोगों ने उनके पति को हनी ट्रैप में फंसाकर 1 लाख 60 हजार रुपये वसूल लिए और वीडियो वायरल करने व दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी। आरोपी दंपती वसीम और पत्नी मुस्कान के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। जिसके बाद टीम ने आरोपी दंपती की तलाश में दबिश दी। साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी वसीम उर्फ मुन्ना और उसकी पत्नी मुस्कान निवासी चक्कर की मिलक (हाल निवासी मुगलपुरा) को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की गिरफ्त में हनी ट्रैप के आरोपी।

● पति से 1.60 लाख रुपये वसूले जाने पर महिला ने दर्ज कराई थी रिपोर्ट

लोगों को फुसलाकर बुलाती थी महिला सदस्य

आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि गैंग की महिला सदस्य सोशल मीडिया और फोन के जरिए लोगों को फुसलाकर बुलाती हैं, जहां आपत्तिजनक वीडियो बनाया जाता है। साथी सदस्य पहुंचकर फंसाने और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वसूली की जाती है। वसीम से 50 हजार रुपये फोन पे से लिए और फिर उनके एचडीएफसी व आईसीआईसीआई बैंक खातों से 1.10 लाख रुपये निकाले। रकम गैंग के सदस्यों में बांटकर खर्च कर दी गई। पुलिस फरार आरोपी दंपती शाहबाज और सबा उर्फ अलसबा की तलाश में है।

न्यूज ब्रीफ

गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर 25 नवंबर को रहेगा अवकाश

मुरादाबाद, अमृत विचार : श्री गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस के अवसर पर जिले में 25 नवंबर को अवकाश रहेगा। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने बताया कि कार्यकारी आदेश के अंतर्गत पूर्व में 24 नवंबर को अवकाश घोषित किया गया था परंतु 20 नवंबर को उत्तर प्रदेश शासन के स्तर से जारी शासनादेश के अनुसार अब 24 के स्थान पर 25 (मंगलवार) को मुरादाबाद जिले में अवकाश रहेगा।

शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण 25-26 को

मुरादाबाद, अमृत विचार : राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए करिअर मार्गदर्शन को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। 34 राजकीय हाईस्कूल और इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं करिअर नोडल शिक्षकों को 25 और 26 नवंबर को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण सुबह 10:00 बजे से एसएस इंटर कॉलेज बुद्ध बाजार में होगा। यह कार्यक्रम परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा (माध्यमिक), लखनऊ के द्वारा जारी आदेश के क्रम में होगा। डीआईओएस देवेंद्र कुमार पांडेय ने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया है कि वह नोडल शिक्षक के साथ समय से प्रतिभाग सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर करिअर परामर्श को सशक्त बनाना है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सह सचिव आज करेंगे बैठक

मुरादाबाद, अमृत विचार : कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी प्रदीप नरवाल शनिवार को मुरादाबाद में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष जुनैद क़ुरैशी के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित फॉर्म हाऊस निकट सचदेवा ट्रांसपोर्ट पर 11:00 बजे की जाएगी। इस बैठक में मंडल के पांचों जिलों के जिला व शहर अध्यक्षों, जोनल के साथ सभी जनपदों के कोऑर्डिनेटर पीसीसी व एआईसीसी सदस्यों व मौजूदा व पूर्व सांसद विधायकों को बुलाया गया है। जिलाध्यक्ष विनोद गुम्बर व महानगर अध्यक्ष जुनैद क़ुरैशी ने जानकारी दी।

सहालग में महंगाई के बीच हल्के आभूषणों की मांग, व्यापारी बना रहे गहनों के पैकेज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- 18 कैरेट के हल्के सोने के गहनों की इन दिनों हो रही ज्यादा बुकिंग

अमृत विचार : सहालग के सीजन में इन दिनों सराफा दुकानों पर खूब खरीदारी चल रही है। सोने व चांदी का भाव ज्यादा होने की वजह से लोग हल्के व फैंसी आभूषणों की मांग कर रहे हैं। सोने के हल्के गहनों के चलते 18-20 कैरेट के सोने की मांग बढ़ी है। ग्राहकों को लुभाने के लिए सराफा कारोबारी हल्के गहनों के माध्यम से लोगों को कम कीमत पर ज्वैलरी उपलब्ध करा रहे हैं।

ज्वैलरी की कीमत कम करने के लिए होलो ज्वैलरी का भी चलन बढ़ा है। इसमें एक से दो ग्राम में ही अंगूठी मिल जा रही है, जो देखने में काफी भारी लगती है। हालांकि इस पर मेकिंग चार्ज साधारण ज्वैलरी की अपेक्षा डेढ़ गुना तक है। लोगों के बजट के अनुकूल सराफा कारोबारियों ने अपनी रणनीति बदल ली है। गहनों के निर्माण को लेकर कारीगरों को भी अच्छा काम मिल रहा है। सोने का हार, टीका, नथ, चूड़ी, अंगूठी समेत अन्य ज्वैलरी के लिए पैकेज व्यवस्था भी कारीगरों ने बनाई है।

इन दिनों सहालग सीजन में हल्के गहनों की खूब मांग है। लोगों के अनुकूल बजट में ज्वैलरी मुहैया कराई जा रही है। तीन लाख 80 हजार में सोने का हार, झाले, टीका, नथ, चूड़ी, अंगूठों का पैकेज मिल रहा है। साथ ही चांदी की पायल, करधनी व बिछिया भी दी जा रही है। मंडी चौक में सराफ नीरज अग्रवाल ने बताया कि निर्माण व कैरेट के जरिए इस पैकेज का निर्धारण किया जा रहा है। लाइट वेट ज्वैलरी की अगर बात करें तो यह 20 कैरेट सोने से तैयार की जा रही है। सोने चांदी का भाव ज्यादा है। ऐसे में लोगों को कम कीमत में ज्वैलरी मुहैया कराने के लिए आभूषण निर्माण की लागत में रियायत दी जा रही है। आभूषण की बिक्री की स्कीम भी शुरू कर दी गई है। इसमें 20 ग्राम में हार तो वहीं 10 ग्राम चेन व अन्य चीजें तैयार हो जा रही है। इसके चलते लोग भी इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

यातायात माह अभियान में पुलिस कार्रवाई सवालों के घेरे में

चौराहों पर निशाने पर रहीं बाहरी नंबर की गाड़ियां

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- स्थानीय बाइक सवारों पर कार्रवाई को लेकर हाथ खींचते नजर आए

अमृत विचार : यातायात माह अभियान के दौरान महानगर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस कार्रवाई सवालों में है। यातायात व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। कांठ रोड पर कई प्वाइंटों पर लगे यातायात पुलिस कर्मियों के निशाने पर बाहरी जिलों के वाहन रहे। जबकि स्थानीय बाइक सवारों पर कार्रवाई को लेकर हाथ खींचते नजर आए।

यातायात पुलिस ने अभियान के दौरान पिछले दिनों जिन वाहनों पर अधिक कार्रवाई की है, उनमें बाहरी नंबर की कारें और बाइकों की संख्या सर्वाधिक है। शुक्रवाकर को कांठ रोड के हरथला तिराहे पर एसबीआई बैंक के सामने खड़े यातायात पुलिस कर्मी बाहरी नंबरों के वाहनों को ही चेक करने में लगे थे। जबकि वहीं से गुजर रही मुरादाबाद नंबर की कई बाइकों के सवार बिना हेलमेट के दिखाई दिए। किला तिराहा पर खड़े यातायत पुलिसकर्मी स्थानीय नंबर के कार सवार को सीट बेल्ट के बिना वाहन चलाने पर बिना रोके जाने दिया। जबकि कांठ की ओर से आ रही बिजनौर नबंर की चार पहिया वाहनों को रोक लिया।

शाम के वक्त बिना हेलमेट के परिवार के संग बाइक पर जाता युवक।

उसका बिना सीट बेल्ट के चलते चालान काट दिया। जबकि यातायात माह में चौराहों पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों को ऐसे सभी नंबरों वाले वाहनों को पहले रोकने और कागजात की जांच करने का निर्देश है। वहीं शहर में चल रहे जुगाड़ वाहनों, बिना नंबर के ऑटो, अस्थायी किट वाले ई-रिक्शा और अन्य अनाधिकृत वाहनों पर अपेक्षाकृत कम कार्रवाई होना भी अभियान की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

> कार्रवाई पूरी तरह नियमानुसार की जा रही है। बाहरी नंबर के वाहनों की जांच इसलिए होती है क्योंकि कई मामलों में ऐसे वाहन दुर्घटना के बाद ट्रेस नहीं हो पाते। हालांकि जुगाड़ और अनाधिकृत वाहनों पर कार्रवाई बढ़ाई जाएगी, जिससे अभियान संतुलित और प्रभावी बन सके। यातायात माह में आने वाले दिनों में और सख्ती की जाएगी।
>
> – मिथलेश कुमार सिंह, यायायात जिला प्रभारी

भाजपा पार्षदों का कार्यकारिणी बैठक से किनारा

उपेक्षा के साथ सूचना और नियमानुसार विस्तृत एजेंडा न जारी होने का लगाया आरोप

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुलाई गई नगर निगम कार्यकारिणी बैठक भाजपा पार्षदों की नाराजगी व बैठक से दूरी बनाने के कारण स्थगित करना पड़ा। हालांकि निगम प्रशासन अपरिहार्य कारणों से बैठक स्थगित करने की बात कर रहा है।

शुक्रवार को दिन में 11:00 बजे नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक पीलीकोठी स्थित महापौर विनोद अग्रवाल के शिविर कार्यालय में उनकी अध्यक्षता में बुलाई गई थी। बैठक को लेकर एक दिन पहले ही भाजपा के पार्षद जो कार्यकारिणी में सदस्य हैं ने नाराजगी दिखाते हुए अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे। इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के मूल बजट पर चर्चा की जानी थी। लेकिन 12:00 बजे तक कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष शैलेंद्र सैनी, कार्यकारिणी के सदस्य भाजपा पार्षद विशाल सिंह गोलू, शिव प्रसाद शर्मा, शिखा परमार, प्रशांत कुमार सागर सहित कोई नहीं पहुंचा। केवल शिविर कार्यालय सभागार में बैठक के लिए विपक्ष के पार्षद जिसमें कांग्रेस के मोहम्मद नदीम व अन्य तीन पार्षदों के अलावा अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी आरती सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी नरेंद्र सिंह, पर्यावरण अभियंता सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। तय समय पर 11:00 बजे के करीब महापौर विनोद अग्रवाल भी आए लेकिन वह नगर आयुक्त के शिविर कार्यालय में जाकर बैठ गए। वहां हुई मंथन के बाद अचानक बैठक स्थगित करने की जानकारी जैसे ही विपक्ष के पार्षदों को मिली वह भी निगम की कार्यशैली को लेकर बिफर पड़े। माना जा रहा है कि कार्यकारिणी में सदस्य भाजपा के पार्षद नियमित अंतराल पर बैठक न होने, पार्षदों से महत्वपूर्ण मुद्दों पर राय मशविरा न करना और बैठक से एक दिन पहले शाम को पार्षदों को मिली सूचना को उन्होंने अपनी उपेक्षा समझ कर किनारा कर लिया। बैठक के लिए महापौर के पीलीकोठी स्थित शिविर कार्यालय पहुंचे कांग्रेस के पार्षद व कार्यकारिणी के सदस्य मोहम्मद नदीम का कहना है कि कार्यकारिणी की बैठक का एजेंडा देर से 20 नवंबर की शाम मिला। अगले दो चार दिनों में फिर बैठक में कराने की बात रखी है। उनके साथ पार्षद जुनैद, मोहसिन अहमद सहित विपक्ष के कुल चार पार्षद मौजूद रहे।

कार्यकारिणी की बैठक स्थगित होने पर महापौर कैंप कार्यालय से बाहर आते पार्षद।

बैठक स्थापित होने के बाद बाहर आते अधिकारी। ● अमृत विचार

- कांग्रेस पार्षद सहित चार ने कम समय में बैठक व जुमे की नमाज को लेकर जताई आपत्ति
- महापौर व निगम के अधिकारियों को भी बैठक स्थगित होने के बाद वापस लौटना पड़ा

सभी काटते रहे मामले में कन्नी

भाजपा के पार्षद व निगम कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष शैलेंद्र सैनी ने कहा कि उन्हें बैठक की कोई सूचना नहीं मिली थी। वह शहर से बाहर हैं, इस समय एसआईआर की प्रक्रिया भी चल रही है। कार्यकारिणी की बैठक की सूचना व विस्तृत एजेंडा बजट का प्रारूप आदि सदस्यों को दिया जाना चाहिए था जो कि नहीं हुआ। भाजपा पार्षद विशाल सिंह गोलू ने भी बैठक की समय से सूचना न मिलने व बजट व एजेंडे के अन्य बिंदुओं की कोई जानकारी न होने पर नाराजगी जताकर बैठक से दूरी बना ली। इससे भाजपा के खेमे में अजीबोगरीब स्थिति के चलते सभी कन्नी काटते रहे।

दोहरी जिम्मेदारियां निभा हर क्षेत्र में कार्य कर रही महिलाएं

मुरादाबाद, अमृत विचार : गोकुलदास हिंदू कन्या महाविद्यालय में शुक्रवार को उर्दू विभाग द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत समाज में स्त्रियों का बढ़ता सम्मान और स्थान विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें स्नातक व स्नातकोत्तर की छात्राओं ने समाज में महिलाओं की भूमिका और सशक्तिकरण पर विचार व्यक्त किए। प्राचार्या प्रो. चारू मेहरोत्रा मेहरोत्रा ने कहा कि आज महिलाएं दोहरी जिम्मेदारियां निभाते हुए भी हर क्षेत्र में पुरुषों से आगे बढ़कर कार्य कर रही हैं। एमए की छात्राओं तूबा अर्शी, इकरा ताहिर, अनम फातिमा और हुसना ने कविताओं व विचारों के माध्यम से महिलाओं की प्रगति और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। संचालन डॉ. जेबा नाज ने किया। उर्दू विभाग की प्रभारी डॉ. वंदना पांडे ने अंत में सभी का आभार जताया।

निर्माण कार्यों से जुड़े सेवायोजकों को दी अधिनियम की जानकारी

बैठक में जानकारी देते उप श्रमायुक्त दीप्तिमान भट्ट। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : उप श्रमायुक्त दीप्तिमान भट्ट की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन द्वारा निर्गत भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण (नियोजन एवं सेवाशर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत निरीक्षण एवं अनुवर्ती कार्रवाई व भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 के अंतर्गत उपकर निर्धारण एवं उपकर संग्रहण की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक हुई।

इसमें निर्माण कार्यों से जुडे सेवायोजकों एवं ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारियों को भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा जारी एसओपी के बारे में भी बताया गया। बैठक में सहायक श्रम आयुक्त अजीत कुमार कनौजिया, समस्त श्रम प्रवर्तन अधिकारी, राजेश जैन पाश्र्वनाथ डेवलपर्स लिमिटेड, राकेश कुमार शर्मा स्टेट वाइज प्रेसिडेन्ट, एनएफटीयू, विजयपाल सिंह, स्टेट प्रेसिडेंट एआईयूटीयू, अनिल शर्मा प्रतिनिधि ओम डेवलपर्स अमरोहा, हिमान्शु अग्रवाल, मेसर्स आकाश ग्रीन ग्रुप हाऊसिंग एवं अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निशी का यूपीसीए की यू-23 सीनियर वुमेंस टीम में चयन

मुरादाबाद, अमृत विचार : साईं क्रिकेट एकेडमी व केजीके डिग्री कॉलेज में नियमित अभ्यास करने वाली महिला क्रिकेटर निशी कश्यप को उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की अंडर-23 सीनियर महिला टीम के लिए चयनित किया गया है।

उनके कोच एवं मेंटर सचिन कुमार तोमर ने बताया कि इससे पूर्व निशी यूपी की सीनियर महिला टीम और अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। लगातार मेहनत, अनुशासन और फिटनेस पर ध्यान केंद्रित करने की बदौलत उन्हें एक बार फिर राज्य टीम में जगह मिली है। एक्स-रेलवे क्रिकेटर एवं आईसीसी प्रमाणित क्रिकेट कोच ने कहा कि उम्मीद है कि वह आने वाले मुकाबलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी।

निशी कश्यप।

रक्तदाता बन दूसरों की बचाई जान, मिला सम्मान

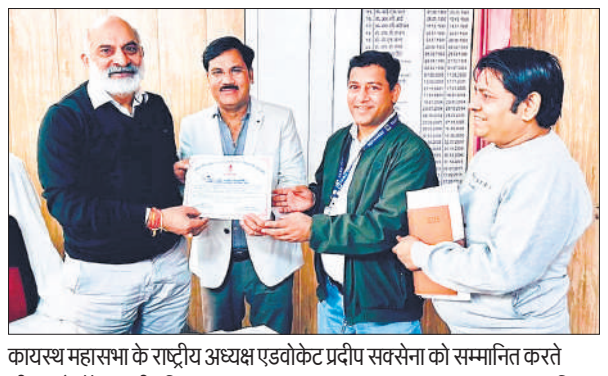

कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट प्रदीप सक्सेना को सम्मानित करते सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- कायस्थ महासभा के अध्यक्ष को सीएमओ ने दिया प्रशस्ति पत्र

अमृत विचार : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट प्रदीप सक्सेना के नेतृत्व में जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में शिविर लगवाकर 108 यूनिट रक्तदान कराया गया। इसके अलावा आरआर हेल्थ केयर सेंटर को 25 यूनिट रक्त दान कराने के चलते मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि सेवा भाव से कार्य करते हुए इतनी बड़ी मात्रा में रक्तदान कराना सराहनीय है। ट्रस्ट द्वारा दिया गया रक्त थैलीसीमिया पीड़ित रोगियों को मुफ्त में दिया जाता है। इस दौरान जिला अस्पताल रक्तकोष के जनसंपर्क अधिकारी मोहम्मद नईम, काउंसलर अशोक कुमार भी उपस्थित रहे।

अरुणाचल के मुख्यमंत्री से मिले एबीवीपी के महानगर मंत्री

मुरादाबाद, अमृत विचार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महानगर मंत्री गौरव क्षत्रिय ने एसएसईआईएल (इंटर स्टेट स्टूडेंट एक्सचेंज) यात्रा का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महानगर मंत्री गौरव क्षत्रिय ने मुख्यमंत्री से युवाओं के विकास, शिक्षा, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को पारंपरिक अरुणाचली पटका पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने प्रदेश की संस्कृति, इतिहास और विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा कीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एबीवीपी का ऐसा कार्यक्रम देश की विविध संस्कृति को करीब से समझने और युवाओं में राष्ट्र भावना को मजबूत करने का माध्यम हैं। एसएसईआईएल यात्रा ने विभिन्न राज्यों से आए युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान, राष्ट्रवाद और एकता की भावना को और मजबूत किया।

अनुशासन, ऊर्जा और स्वास्थ्य प्रदान करते हैं खेल

भूमि पूजन कर शिलान्यास करते कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने शुक्रवार को वैदिक मंत्रोचार के साथ भूमि पूजन कर जेएलएम इंटर कॉलेज के निकट आधुनिक खेल मैदान के निर्माण कार्य का आरंभ किया। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति को अनुशासन, ऊर्जा और स्वास्थ्य प्रदान करते हैं।

विधायक ने कहा कि सरकार गांव-गांव तक खेल सुविधाएं पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने मैदान में फलदार और छायादार पौधों के रोपण के लिए कहा। बताया कि हरियाली से वातावरण शुद्ध होगा और यह मैदान योग, खेल और स्वास्थ्य का एक बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मैदान जल्द ही फुटबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स सहित कई खेलों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगा। उनकी पहल पर खेल मैदान दशहरे के मेले के लिए भी चयनित किया गया है। इस दौरान चेयरमैन ज़ीनत, मेंहदी हसन, जिला उपाध्यक्ष राजपाल आर्य, भाजपा के मंडल अध्यक्ष संजय कश्यप, अरविंद ठाकुर, नसीम खान, देव सैनी, पंकज शर्मा, इरशाद खान, अनमोल भारद्वाज, प्रीतम सैनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खेल

स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे जिला स्तरीय जूनियर बालक वर्ग क्रिकेट प्रतियोगिता

फाइनल में भिड़ेंगे रूक्मणी और नेक्स्ट जेनरेशन अकादमी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- कृष्ण यादव और गोविंद बोरा बने मैन ऑफ द मैच

अमृत विचार : नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे जिला स्तरीय जूनियर बालक वर्ग क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल शुक्रवार को रुक्मणी क्रिकेट अकादमी और पारकर क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। पारकर अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

20 ओवर के मैच में पारकर ने अपने सभी विकेट खोकर 121 रनों का स्कोर खड़ा किया। पारकर के बल्लेबाज अली जब्बाद ने 31 रन, अमन नवाज ने 30 रन, उत्कर्ष सक्सेना ने 26 और यश ने 16 रनों का योगदान दिया। रुक्मणी क्रिकेट क्लब के गेंदबाज अरीब ने 3 विकेट, मोहम्मद कोनेन व कृष्ण यादव ने 2-2 विकेट व अब्दुल रहमान ने 1 विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी रुक्मणी एक समय पर अपने 8 विकेट खोकर 61 रन पर थी और उनकी जीत मुश्किल लग रही थी, लेकिन कृष्ण यादव व आरिफ की सूझबूझ भरी पारी की बदौलत अंतिम ओवर की एक गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट के नुकसान पर इस लक्ष्य को प्राप्त कर फाइनल में प्रवेश किया। रुक्मणी के बल्लेबाज कृष्ण यादव ने 39 रन, कोनेन ने 22 और अरीब ने 20 रनों का योगदान दिया। पारकर के गेंदबाज उत्कर्ष सक्सेना और अमन नवाज ने 3-3 विकेट और अली जब्बार ने 1 विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच रुक्मणी एकेडमी के कृष्ण यादव रहे।

दूसरा सेमीफाइनल मैच नेक्स्ट जेनरेशन क्रिकेट अकादमी और कैलिबर क्रिकेट अकादमी के बीच हुआ। टॉस कैलिबर ने जीता और पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। नेक्स्ट के कप्तान गोविंद सिंह बोरा के शानदार शतक की बदौलत नेक्स्ट जेनरेशन अकादमी ने 18 ओवरों के इस मैच में 4 विकेट खोकर 174 रन बनाये, जिसमें बल्लेबाज फैसल चौधरी ने 30 रन और शिवम ने 21 रनों का योगदान दिया। कैलिबर अकादमी के गेंदबाज मुकीम पाशा ने 2 विकेट, आरव व यूनिस अली ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैलिबर क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम 17.3 ओवरों में 119 नहीं बना सकी। कैलिबर अकादमी के बल्लेबाज मो.मोहसिन ने 39 रन, वीरप्पन ने 27 रन, तथा आरव ने 14 रन का योगदान दिया नेक्स्ट के गेंदबाज यथार्थ व्यास व शिवम ने 2-2 विकेट और धनंजय, गोविंद बोरा, कृष्णा व अभिमन्यु ने 1-1-1-1 विकेट लिया। इस तरह नेक्स्ट जेनरेशन अकादमी ने यह मैच 55 रनों से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच नेक्स्ट जेनरेशन एकेडमी के गोविंद बोरा रहे। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का फाइनल मैच सोमवार को खेला जाएगा।

क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता टीम नेक्स्ट जेनरेशन एकेडमी के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यकर्ता का दायित्व

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जानकारी देते विधायक रितेश गुप्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- विधायक ने एसआईआर को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ बैठक की

अमृत विचार : नगर विधायक रितेश गुप्ता ने शुक्रवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर गांधी नगर स्थित कार्यालय में कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और भाजपा पार्षदों के साथ बैठक की। उन्होंने पुनरीक्षण प्रक्रिया के कार्य में जुटकर मतदाताओं का सहयोग करने के लिए कहा।

विधायक ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर और अधिक सक्रियता बढ़ाने, पारदर्शिता व समय से काम पूरा कराने के लिए प्रेरित किया। जिससे हर मतदाता का नाम मतदाता सूची में न सिर्फ शामिल हो बल्कि प्रत्येक बूथ मजबूत बन सके। कहा कि मेरा बूथ सबसे मज़बूत यह हर कार्यकर्ता का दायित्व है।

महानगर प्रभारी मोहन लाल सैनी ने कहा कि बूथ स्तर पर सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। मीडिया प्रभारी विपिन गुप्ता, शम्मी भटनागर, दीपक बाबू, हेमराज सैनी, पार्षद देशरत्न कत्याल, कविता गुप्ता, मुकुल बंसल, प्रभात सक्सेना, विद्या सरन शर्मा और अन्य पार्षद और पार्टी के कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार,22 नवंबर 2025

हत्या का आरोप लगाकर परिजनों का हंगामा

सड़क किनारे घायल मिले युवक की अस्पताल में मौत, परिजनों की पुलिस से तीखी नोकझोंक

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : सड़क किनारे घायल मिले युवक की अस्पताल में मौत हो गई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर हंगामा किया। पुलिस ने जैसे-तैसे लोगों को शांत किया। पोस्टमार्टम के बाद शव घर आया तो कोहराम मच गया।

ठाकुरद्वारा लल्ला कॉलोनी वार्ड 22 निवासी रिंकू का 16 वर्षीय पुत्र सूरज बाइक से मौसी के घर से लौट रहा था। वह घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़ा मिला। लोगों ने गुरुवार को घायल किशोर को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया । परिजनों को जानकारी मिली तो वे अस्पताल पहुंचे । हालत नाजुक देख परिजन उपचार के लिए काशीपुर ले गए । डॉक्टर ने हालत गंभीर बताते हुए रेफर कर दिया। जिस पर परिजन गुरुवार की रात मुरादाबाद ले गए । अस्पताल में पहुंचते ही घायल

युवक की मौत के बाद हंगामा करते परिजन। ● अमृत विचार

हंगामा कर रहे लोगों को समझाते कोतवाली प्रभारी निरीक्षक। ● अमृत विचार

● पिता की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

ने दम तोड़ दिया । शुक्रवार की देर शाम पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने पर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर एंबुलेंस से शव उतारने से इनकार कर दिया । कोतवाली प्रभारी मनोज परमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया । कोतवाली प्रभारी शिवेंद्र गुप्ता ने परिजनों को समझा बुझा कर शान्त किया।

रिंकू पुत्र राजकुमार ने तहरीर दी कि 25 मार्च को डीजे पर डांस को लेकर फरीदनगर गांव में झगड़ा हो गया था। गांव के प्रधान द्वारा फैसला कर दिया गया था । 20 नवंबर दोपहर 3:00 बजे उनका पुत्र सूरज सिंह फरीदनगर स्थित अपनी मौसी के घर मोटरसाइकिल से गया था । गुरुवार की शाम 6:00 बजे पत्नी सुनीता के मोबाइल पर किसी व्यक्ति का फोन आयाकि तुम्हारे पुत्र का किसी से झगड़ा हुआ है। वह इस समय सरकारी अस्पताल ठाकुरद्वारा में गंभीर अवस्था में भर्ती है। पत्नी व मोहल्ले के कुछ लोग सरकारी अस्पताल पहुंचे। वहां से काशीपुर ले गए। वहां डॉक्टर के मना करने पर मुरादाबाद लेकर गए जहां उसकी मौत हो गई । पिता का आरोप है कि फरीदनगर निवासी कलुआ, शेर सिंह, पुत्रगण सोहनलाल व अर्जुन पुत्र दिनेश व दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसके साथ मारपीट कर गला घोंटकर हत्या की है। उसके बेटे के साथ मारपीट करते कुछ लोगों ने देखा है। पुलिस ने पिता की तहरीर पर तीन नामजद भेज दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

पटेल जयंती पर तहसील स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : क्षेत्र के नगलिया जट गांव स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर तहसील स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में कृषि औद्योगिक इंटर कॉलेज के छात्र आकाश ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

विद्यालय खेल समिति सदस्य सुलभ चौहान ने बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज नगलिया जट में सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150 वीं जयंती के अवसर पर चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें कृषि औद्योगिक इंटर कॉलेज के छात्र आकाश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य आशीष कुमार जादौन,अजय सिंह,महेश कुमार,शिवकुमार, प्रियंका सिंह,ओमप्रकाश सिंह, सुभाषिनी वर्मा,रिद्धिमा यादव,आदित्य कुमार,विष्णु देव,उदयपाल सिंह, गोपाल मौर्य,गौरव गुप्ता,जय सिंह,गौरव चौहान,शुलभ चौहान,अखिलेश पचौरी, विनोद यादव, हितेंद्र पाल सिंह,महेश, लल्लू सिंह मौजूद रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

तलाक के बाद संबंध बनाने में रिपोर्ट दर्ज

कांठ, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में विवाहिता को तलाक देकर, तलाक की अवधि में बहला फुसलाकर अवैध रूप से शारीरिक संबंध बनाने के बाद में शादी से इनकार करने विवाहित एवं उसके पुत्र को जान से मारने की धमकी देने के मामले में थाना कांठ पुलिस ने नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है। क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने रणवीर पुत्र इकबाल सिंह ग्राम बसेड़ा थाना चांदपुर , बिजनौर हाल निवासी अंबाला हरियाणा के खिलाफ तहरीर देकर 21 सितंबर को आरोप लगाया था कि 4 सितंबर को आरोपी ने उसे तलाक दिया एवं तलाक की अवधि में बहला फुसलाकर अवैध रूप से शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर मारपीट की और उसके पुत्र को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने नामजद अभियुक्त रणवीर सिंह को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है।

रास्ते को लेकर विवाद में ग्रामीण घायल,

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : थाना भोजपुर के गांव गांव सिडावली निवासी सालग राम ने पुलिस को तहरीर दी कि उनके खेत थाना भगतपुर क्षेत्र में आता है। 19 नवंबर

की दोपहर वह खेत पर गया था तभी रास्ते को लेकर गुलफाम पुत्र पीरवक्श, आजम पुत्र अखलास और मोसीम पुत्र शाहिद से कहासुनी हो गई। तीनों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। वह लहूलुहान होकर बेहोश हो गए। हमले में उनके दांत टूट गए और गंभीर चोटें आई हैं। हमले में हासिम, शमीर, शाहिद और अखलाक भी शामिल था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

भोजपुर, अमृत विचार : शुक्रवार को पुलिस ने लंबे समय से दुर्घटना के मुकदमे में अदालती कार्रवाई से गैरहाजिर चल रहे गांव इस्लामनगर रमपुरा निवासी जाने आलम को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। अदालत ने अभियुक्त के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी कर पुलिस को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के आदेश दिए थे।

मारपीट कर घायल करने में तीन पर केस दर्ज

भोजपुर,अमृत विचार : गांव गनीमतनगर निवासी अनवर अली पुत्र अख्तर अली की तहरीर पर पुलिस ने गांव के माहिर, मुशाहिद और जाहिद के खिलाफ बेटे मौहम्मद अर्श को लाठी डंडों से पीटकर अधमरा करने एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मारपीट कर पुरानी रंजिश बताया जा रहा है।

ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए संशोधित कार्यक्रम किया जारी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची के वृहद पुनरीक्षण के लिए संशोधित कार्यक्रम जिला प्रशासन के स्तर पर जारी कर दिया गया है। प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची के निरीक्षण की तिथि 24 से 30 दिसंबर निर्धारित की गई है।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) संगीता गौतम ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार पूर्व में जारी अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए सभी उपजिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पंचायत को निर्देश जारी कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार 10 दिसंबर तक

● अनन्तिम सूची के निरीक्षण की तिथि 24 से 30 दिसंबर निर्धारित अन्तिम प्रकाशन 6 फरवरी को

की जाएगी। मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमाकंन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने की तिथि 11 दिसम्बर से 22 दिसंबर है। आलेख्य प्रकाशन के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची के निरीक्षण की तिथि 24 से 30 दिसंबर है। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने (01 जनवरी 2026 से 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार किए जाएंगे) की तिथि 24 से 30 दिसंबर तक, दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण की तिथि 31 दिसम्बर से 6 जनवरी 2026 तक है, दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय में जमा करने की अवधि 7 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक है, दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही की तिथि 13 से 29 जनवरी 2026 तक है, पूरक सूचियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमाकंन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने की तिथि 30 जनवरी से 5 फरवरी 2026 तक एवं मतदाता सूची का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन की तिथि 6 फरवरी 2026 निर्धारित है।

लड़की के साथ मारपीट मामले में रिपोर्ट दर्ज

कांठ, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में रास्ते में जा रही लड़की के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। ग्राम मिश्रीपुर निवासी कविता पत्नी राजेंद्र ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 19 नवंबर को उनकी पुत्री अपने घर जा रही थी। रास्ते में नन्हे पुत्र डोली एवं अन्य लोग खड़े थे। जब उनकी पुत्री ने रास्ते से हटने को कहा तो नन्हे ने मारपीट और गाली गलौज की। शोर सुनकर जब वह अपनी पुत्री को बचाने गई तो सचिन, अभिषेक, शिवम आदि ने भी लड़की को मारा पीटा। मारपीट में उसके गले से लॉकेट गिर गया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

रेलवे क्रॉसिंग पर जाम से लोग परेशान

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : नगर में कांठ अमरोहा मार्ग पर रेलवे फाटक बार बार बंद होने के कारण मुरादाबाद-हरिद्वार मार्ग पर भीषण जाम लग गया। जाम के कारण मार्ग के दोनों और लगभग 3 किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार लग गई। फाटक खुलने के बाद भी लंबे समय तक जाम की स्थिति बनी रही।

रसूलपुर रेलवे फाटक 432-बी मरम्मत के चलते बृहस्पतिवार से बंद है। इसी के चलते थाना चौराहे के पास कांठ अमरोहा मार्ग रेलवे फाटक 433-बी से छोटे बड़े वाहनों का आवागवन ज्यादा हो रहा है। फाटक बार-बार बंद होने से कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग जाता है। अधिक जाम लगने के कारण राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जाम की वजह से एंबुलेंस एवं अन्य वाहनों को भी रास्ता नहीं

रेलवे क्रॉसिंग पर लगा जाम। ● अमृत विचार

● मार्ग के दोनों और कई किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार लग गईं

मिल पाता है। लंबे अरसे से इस समस्या का कोई भी समाधान नहीं होने के कारण लोगों में प्रशासन व रेलवे विभाग के खिलाफ रोष व्याप्त है। कई सामाजिक संगठनों ने रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज बनवाने की मांग समय-समय पर उठाई, लेकिन अभी तक कोई भी सकारात्मक कार्यवाई नहीं हुई है। आसपास के करीब 35 गांव के ग्रामीणों को कांठ तहसील आना-जाना होता है। इस फाटक पर सबसे ज्यादा आवाजाही होती है, लेकिन फाटक थोड़े समय ही खुलता है। मुख्य रेल मार्ग होने से दिन भर में रेलवे लाइन से करीब 100 से ज्यादा ट्रेनें गुजरती हैं। रेल यातायात ज्यादा होने के कारण फाटक अधिकतर समय बंद ही रहता है। इस कारण राहगीरों को घंटो तक फाटक खुलने का इंतजार करना पड़ता है। कुछ लोग जल्दबाजी के कारण गलत तरीके से फाटक पार करने की कोशिश करते हैं जिसकी वजह से राहगीर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

बीडीओ ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

बिलारी, अमृत विचार : खंड विकास अधिकारी नरेश पाल सिंह ने पीपली चक गांव में चौपाल में शिकायतें सुनीं।

ग्रामीणों ने राशन डीलर पर राशन कम देने, सफाई कर्मी द्वारा नियमित सफाई नहीं करने की शिकायत दर्ज कराई। बीडीओ ने गांव में निरीक्षण भी किया। गांव में स्थित सहकारी समिति में जाकर देखा तो धान की खरीद हो रही थी लेकिन सचिव स्टॉक पंजिका नहीं दिखा पाए। प्राइमरी स्कूल में दिव्यांग शौचालय का रैंप और सबमर्सिबल पंप खराब मिला। गांव में घूम कर सफाई व्यवस्था देखी तो संतोषजनक नहीं पाई। सचिव मोनिता को शिकायतों का निदान करने को कहा। एडीओ समाज कल्याण अनुराज, एडीओ सहकारिता ए के त्रिपाठी ने अपने विभागों की योजनाएं ग्रामीणों को बताईं।

एसआईआर के सम्बंध में एसडीएम ने की सपा के बीएलए के साथ बैठक

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: शुक्रवार को कांठ उपजिलाधिकारी द्वारा एसआईआर फार्म भरे जाने के संबन्ध में समाजवादी पार्टी विधानसभा कांठ के बीएलए की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें उपजिलाधिकारी कांठ ने फार्म भरवाने के संबन्ध में विस्तार से चर्चा की।इस विषय पर समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव फुरकान अली ने कहा कि बीएलओ फार्म प्राप्त कर के रिसीव नहीं दे रहे हैं। अतः बीएलओ को रसीद देने के संबन्ध में निर्देश देने का कष्ट करें। कई बीएलए ने फार्म के संबंध में अपनी बात रखी। उपजिलाधिकारी कांठ संतदास पंवार ने सभी को विस्तार से समझाया कि आप लोग बीएलओ के साथ रहकर वोटरों

बैठक में उपस्थित एसडीएम संतदास पंवार व सपा बीएलए। ● अमृत विचार

● बीएलओ पर फार्म प्राप्त कर रिसीविंग नहीं देने का लगाया गया आरोप

के फार्म भरवाने में सहयोग करें, जिससे किसी को भी कठिनाई का सामना कर न पड़े।

नगर पंचायत अध्यक्ष इकबाल अंसारी, जिला उपाध्यक्ष विक्रम सिंह यादव, अरशद, फुरकान खां, हरपाल सिंह, आरिफ मालिक, अमजद अली, मास्टर नासिर, सुरेश यादव, नासिर कमाल, उम्मेद चौधरी, हरपाल सिंह चौहान, राशिद सैफी, मजीद अली, जुनेद चौधरी, अंजार अली, सकलेन चौधरी, फरहान अंसारी, रफी अंसारी, शमीम, दानिश, मोनिस खां उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

पालिका ने जेसीबी से तुड़वाया दरगाह का अवैध निर्माण

संभल/चंदौसी, अमृत विचार : चंदौसी में गांधी पार्क के पीछे स्थित सैय्यद मियां की दरगाह परिसर में बिना अनुमति के चल रहे निर्माण को नगर पालिका ने शुक्रवार को जेसीबी से ढहा दिया। अधिशासी अधिकारी ने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण को लेकर कार्रवाई की गई है। ईओ धर्मराज राम टीम के साथ मौके पर पहुंचे और काम रुकवा दिया। इसी दौरान दरगाह के मौलाना शब्बीर मियां भी पहुंच गए और निर्माण को वैध बताते हुए विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि कुछ महीनों पहले अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान एसडीएम विनय मिश्रा ने सीमांकन कराया था और उन्हीं निशानों के आधार पर निर्माण कराया जा रहा था। हालांकि नगर पालिका ने वर्तमान निर्माण को स्पष्ट रूप से अवैध मानते हुए कार्रवाई की। ईओ ने मौके पर ही जेसीबी मंगाकर गेट और दीवार सहित निर्माण को ध्वस्त करा दिया। ईओ धर्मराज राम ने बताया कि दरगाह परिसर में बिना किसी अनुमति के निर्माण किया जा रहा था। नियमों के विपरीत होने के कारण तुरंत कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को हटाया गया है।

दो कालम: हवन पूजन के साथ खेल मैदान का निर्माण शुरू

कुंदरकी, अमृत विचार : शुक्रवार को कुंदरकी में खेल मैदान के निर्माण की आधारशिला विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने रखी । विधायक रामवीर सिंह ने कहा कि यह खेल मैदान युवाओं को खेल तथा फिटनेस की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है। खेल व्यक्ति को अनुशासन, ऊर्जा और स्वास्थ्य प्रदान करते हैं। उम्मीद जताई कि यह मैदान जल्द ही फुटबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स सहित कई खेलों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगा। चेयरमैन पति मेंहदी हसन,समाजसेवी हसमत रज़ा, अरविंद ठाकुर, नसीम खान, साजिद खान बब्लू,देव सैनी, पंकज शर्मा, इरशाद खान, बब्लू खान, शोएब खान, रज़ा खान, और सभासद नज़ीर अहमद सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं का किया युग्मन

कांठ, अमृत विचार : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत शुक्रवार को पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय कांठ (कंपोजिट), का निजी विद्यालय राना पब्लिक स्कूल ऊमरी चौराहा उमरी के साथ युग्मन किया गया। इस युग्मन का उद्देश्य दोनों विद्यालयों के बीच अकादमिक एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों, विचारों, दृष्टिकोण, शिक्षण विधियों, तकनीक तथा सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने के अवसर प्रदान करना रहा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आज 30 छात्र-छात्राओं ने खेल, शिक्षण विधियां, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, फिजिक्स लैब, बायोलॉजी लैब, केमिस्ट्री लैब एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अवलोकन करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को साझा किया। इस युग्मन में इन्हे हसन, आयशा, अरफी, आयत, वर्षा, खुशी, वंदना, जिया, बबलू, प्रियांशी, शादान, विवेक, लवली, इल्मा, साजिया, मनीष, रुकैया आदि छात्र-छात्राएं सम्मिलित रहे। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक उदयवीर सिंह तथा शिक्षिकाएं पारुल जैन सोनी, बदर जहां और वरिष्ठ शिक्षिका वंदना बिश्नोई उपस्थित रहीं।

पूर्व इंस्पेक्टर दिलावर सिंह के निधन पर शोक

कांठ, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के ग्राम महमूदपुर निवासी पूर्व इंस्पेक्टर दिलावर सिंह का शुक्रवार को दिल्ली के एक अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। दिलावर सिंह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। विश्नोई समाज सहित स्थानीय लोगों में गहरा दु:ख व्याप्त है। दिलावर सिंह न केवल समाज के सक्रिय सदस्य थे, बल्कि भूड़ मंदिर के निर्माण कार्य में भी उनका विशेष योगदान रहा, जिसे हमेशा याद किया जाएगा। उनका अंतिम संस्कार शनिवार, 22 नवंबर को प्रात: 9:30 बजे मुक्तिधाम कांठ में किया जाएगा।सहकारी गन्ना विकास समिति के चेयरमैन कुवंर सुरेंद्र सिंह विश्नोई, मा. धर्मपाल सिंह बिश्नोई उपाध्यक्ष सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश, समाजसेवी श्रीओम बिश्नोई, वीरेंद्र सिंह बिश्नोई, मास्टर सीपी सिंह बिश्नोई, आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

देवर ने भाभी के साथ की मारपीट, मुकदमा दर्ज

चौधरपुर, अमृत विचार : डिडौली कोतवाली क्षेत्र के कस्बा जोया के सोनम धर्म कांटा के पास संभल चौराहा निवासी नसीम जहां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 नवंबर को बच्चों के साथ घर पर अकेली थी तभी उसका देवर असीब उसके घर में घुस आया और मारपीट कर कपड़े फाड़ दिए। शोर गुल सुनकर आस पड़ोस के लोग आ गए और उसे बचाया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो.7906815587

सूचना

पहले नाम TALIB RAZA था, अब बदल कर MOHD TALIB S/O AMINUDDIN R/O VILLAGE KAZI SARAI URF KANKER SARAI PS AMROHA DEHAT DISTT AMROHA रख लिया है। भविष्य में इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना

मैंने अपने पुत्र फराज अली खान को गलत आचरण व दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। श्रीमती फरजाना बी पत्नी मुअज्जम अली खान निवासिनी मौहल्ला मजार टाट शाह मियां थाना गंज जिला रामपुर।

सूचना

मैं, कि रविकान्त अरोरा निवासी शंकर नगर लाइनपार थाना मझोला जिला मुरादाबाद अपने पुत्र मनोज अरोरा व उसकी पत्नी मेघा अरोरा को गलत संगत में पड़ जाने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। आज से ये दोनों अपनी करनी के स्वयं जिम्मेदार होंगे। आज से मेरा व मेरी पत्नी का इन दोनों से कोई सम्बन्ध व वास्ता नहीं है।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

530 लाभार्थियों को ब्लॉक सभागार में बांटे राशन कार्ड

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार : कुंदरकी ब्लॉक सभागार में राशन कार्ड वितरण शिविर का आयोजन किया गया। पूर्ति विभाग द्वारा सत्यापन के पश्चात कुंदरकी ब्लॉक में 260 लाभार्थियों और मूंढापांडे ब्लॉक में 270 लाभार्थियों को राशन कार्ड वितरित किये गए।

विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने कहा कि एक वर्ष से लगातार वंचितों के राशन कार्ड बनवाए जा रहे है। केंद्र सरकार की तरफ से फ्री राशन की व्यवस्था कोविड काल से लगातार चल रही है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की नीति है कि बिना किसी भेदभाव के सभी को सरकारी योजनाओं में बराबर का हिस्सा मिले। कोई जरूरतमंद

राशन कार्ड वितरण शिविर को संबोधित करते विधायक ठाकुर रामवीर सिंह।

सरकार की योजनाओं से वंचित न रहे। गरीबों के हक पर डाका डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पूर्ति विभाग के अफसरों से भी अपील करते हुए कहा कि राशन वितरण जितना पारदर्शी होगा, उतना ही बेहतर होगा।

जिला पूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह, सप्लाई इंस्पेक्टर बिलारी शैलेन्द्र सिंह, वीडीओ राजेंद्र सिंह ,एडीओ अमरीश यादव, चेयरमैन मेहंदी हसन ,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गुलाम जिलानी ,रामकिशोर लोधी, मंडल अध्यक्ष संजय कश्यप ,बबलू जाटव, नीरज चंद्रा, महेंद्र सैनी, संजय दिवाकर, बिजेंद्र चौधरी, ब्रिजेश लोधी, अरविंद ठाकुर, अशोक प्रजापति, गौरव, सुनील , टिंकू, रोहित सिंह आदि उपस्थित रहे।

दुर्घटना में घायल युवक की मौत

बिलारी,अमृत विचार : हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई।

अजब सिंह निवासी सुजानपुर थाना सोनकपुर ने राजू पुत्र चंद्रपाल सिंह निवासी ग्राम डोहरी थाना बिलारी के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई कि बृहस्पतिवार की शाम उसका पुत्र विवेक कुमार मुरादाबाद में डयूटी करके बाइक से आ रहा था। नमैनी गद्दी में ट्रैक्टर चालक राजू ने लापरवाही से मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी जिससे वह सड़क पर बेहोश होकर गिर गया। पीछे से आते गांव के कुछ लोगों ने उसे उठाया और परिवार को सूचना दी। वह अपने पुत्र को गांव वालों के साथ इलाज हेतु सीएचसी बिलारी लेकर गया जहां पर डॉक्टर ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। मुरादाबाद के निजी अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

न्यूज ब्रीफ

मिलक क्षेत्र में आज बंद रहेगी बिजली

मिलक, अमृत विचार : पुरानी और जर्जर बिजली की लाइनों के साथ पोल बदलने का कार्य चल रहा है। जिसके चलते बिजली के उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को बिजली कर्मचारी लाइनों की मरम्मत का कार्य करेंगे। जिसके चलते छह घंटे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। नगर स्थित बिजली घर के अवर अभियंता मोहम्मद हसनैन अंसारी ने बताया कि शनिवार की सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक मरम्मत का कार्य होगा। इस दौरान बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

बाल श्रम व बाल विवाह के खिलाफ चलाया अभियान

रामपुर, अमृत विचार : महिला कल्याण विभाग के तत्वावधान में मिशन शक्ति (फेज-05) के ऑपरेशन मुक्ति के तहत ब्लॉक सैदनगर के खौद में बाल-विवाह तथा बालश्रम के खिलाफ 10 दिवसीय जागरुकता अभियान चलाया गया। जिसमें महिला कल्याण विभाग व एएचटीयू की संयुक्त टीम बनाकर अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 4 बच्चों को चिन्हित किया गया तथा दुकान वालों को बाल श्रम न करने के लिए हिदायत दी गई। अभियान में संरक्षण अधिकारी अजय मौर्य, चाइल्ड हेल्पलाइन और एएचटीयू की टीम मौजूद रही।

27 को स्वार में लगेगा रोजगार मेला

रामपुर, अमृत विचार : प्रभारी जिला सेवा योजन अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि 27 नवंबर को एक दिवसीय रोजगार मेला यूनिटी डिग्री कॉलेज शिवनगर असालतपुर स्वार में सुबह 10:30 बजे से लगेगा। मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियां प्रतिभाग कर रही है। योग्यता हाईस्कूल, इंटर, स्नातक और योग्यताधारी अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। रोजगार संगम पोर्टल पर अभ्यर्थी का पंजीयन होना अनिवार्य है। अभ्यर्थी अपनी लॉगिन आईडी, पासवर्ड से अपना यूजर एकाउंट खोलेंगे और एप्लाई न्यू जॉब में जाकर एक्टिव रोजगार में क्लिक करेंगे। व्यू वैकेंसी पर क्लिक करके सभी कंपनियां स्क्रीन पर दिखाई देंगी।

सनातन एकता यात्रा में शामिल हुईं डॉ. प्रियंका

रामपुर, अमृत विचार : धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में हुई सनातन एकता यात्रा में त्रिपुरेश्वरी शक्तिपीठ रामपुर की कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. प्रियंका उपाध्याय शुक्ला दीदी शामिल रहीं।

5616 टीबी रोगियों को मिल रहा इलाज

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: जिले में 5 616 सक्रिय टीबी रोगियों का उपचार हो रहा है। जिनमें 199 गंभीर टीबी रोगी हैं जबकि, 70 मरीज बी पॉल एम दवाई पर चल रहे हैं। मरीजों के पोषण के लिए प्रति माह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है।

इस कवायद से टीबी के मरीजों में 40 प्रतिशत की कमी आई है। जबकि इलाज से 85 प्रतिशत मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2025 तक भारत टीबी मुक्त देश का लक्ष्य दिया था, जो 2030 हो गया है। जिला अस्पताल स्थित जिला क्षय रोग केंद्र समेत जिले में 13 जगह टीबी के मरीजों की जांच की जाती है। जिला अस्पताल स्थित टीबी अस्पताल में दो सीबी नेट मशीन और 2 टू नेट मशीनें लगी हैं। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सत्य प्रकाश ने बताया कि जिले में 125 ग्राम पंचायतें टीबी से मुक्ति की ओर जा रही हैं। जबकि, वर्ष 2024 में 9977 मरीज टीबी की बीमारी से मुक्त हो चुके हैं। बताया कि किसी गांव में 1000 की आबादी में यदि कोई एक व्यक्ति टीबी रोगी मिलता है तो उस गांव को टीबी मुक्त गांव घोषित कर दिया जाता है। बताया कि वर्ष 2025 में 4548 मरीजों के खातों में पैसा जा चुका है जबकि, 5391 मरीजों को पोषण पोटली वितरित की जा चुकी है। जिले में 2013 निक्षा मित्रों ने रोगी गोद लिए हुए हैं और उनके माध्यम से टीबी रोगियों को पोषण पोटली वितरित की जाती है।

- 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाने का था लक्ष्य, अब 2030 हुआ

ग्राम पंचायत के टीबी मुक्त होने के यह हैं मानक

- बलगम जांच- 1000 जनसंख्या में 30 की जांच प्रतिवर्ष। - टीबी रोगी- 1000 जनसंख्या में प्रतिवर्ष 1 मरीज मिलने पर ग्राम पंचायत टीबी मुक्त। - इलाज सफलता दर - 85 प्रतिशत

खात्मे की ओर रोग

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सत्य प्रकाश ने बताया कि सरकार 2030 तक टीबी मुक्त भारत देश बनाने पर जोर दे रही है। वर्ष 2025 तक जिले में 85 प्रतिशत रोगी टीबी से मुक्ति पा चुके हैं। प्रतिदिन टीबी रोगियों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली जाती है। तहसीलवार उनका रजिस्टर बना हुआ है।

भर्ती के लिए युवाओं ने किए आवेदन शुरू

जिले में होमगार्ड के 382 खाली पद जल्द भरेंगे

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिले में खाली चल रहे होमगार्ड के 382 पदों को जल्द ही भर दिया जाएगा। क्योंकि शासन की ओर से फॉर्म निकाले दिए गए है। उसके बाद युवाओं ने तैयारी शुरू कर दी है।

सुबह को दौड़ भी लगा रहे हैं। फॉर्म भरने की प्रकिया भी तेजी से चल रही है। 17 दिसंबर तक फॉर्म भरने की अंतिम तिथि है। कई सालों से पूरे प्रदेश में होमगार्ड की भर्ती नहीं हुई थी। करीब 11 साल के बाद शासन की ओर से होमगार्ड में खाली चल रहे पदों के लिए अधिसूचना जारी कर दी थी। उसके कुछ दिनों के बाद प्रदेश के सभी जिलों में कितने पद खाली है। ऑफिस से जानकारी लेने के बाद सूची जारी कर दी है। रामपुर जिले में 382 होमगार्ड के पद खाली चल रहे हैं। फार्म की भरने की तिथि भी घोषित कर दी गई है। उसके बाद से युवक और युवतियां फॉर्म भर रही है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 17 दिसंबर है, लेकिन युवक और युवतियों को आवेदन करने से पहले ओटीआर करवाना अनिवार्य है। उसी के बाद ही अभ्यर्थी फॉर्म भर सकते हैं। सामान्य के लिए आवदेन शुल्क 400 और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लिए 300 रुपये शुल्क रखा है।

महिलाओं के 76 पद खाली

होमगार्ड में महिलाओं के 76 पद खाली है। वह भी फॉर्म भरकर होमगार्ड में ड्यूटी कर सकती है। सामान्य के लिए 154 पद खाली है। अनुसूचित जाति के लिए 80 पद खाली है।अनुसूचित जनजाति के लिए सात पद खाली है।अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 103 पद खाली है। पहली बार होमगार्ड में लिखित परीक्षा हो रही है। परीक्षा के आधार पर ही आगे की भर्ती प्रक्रिया चलेगी।

जिले में हर मोर्चे पर डटे हैं होमगार्ड

होमगार्ड भी सिपाहियों की तरह कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं। सरकारी कार्यालयों से लेकर मुख्य चौराहों पर ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। इतना ही नहीं डायल 112 में भी रात हो या दिन सिपाहियों के साथ चल रहे हैं। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस के चेकिंग करने के दौरान भी मौजूद रहते हैं। पुलिस कर्मियों से ज्यादा होमगार्ड हर मुख्य चौराहे पर देखे जा सकते हैं। मौजूद समय में जिले भर में करीब 750 होमगार्ड है जो कि थानों से लेकर अधिकारियों के यहां पर ड्यूटी दे रहे हैं।

पहले घर कच्चे लेकिन रिश्ते पक्के होते थे

राहे रजा स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम 'घर बने मंदिर' विषय पर बोलीं ब्रह्मकुमारी गीता

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : राहे रजा स्थित एक होटल में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विवि के तत्वावधान में आयोजित घर बने मंदिर विषय पर मंथन हुआ। ब्रह्मकुमारी गीता बहन ने कहा कि पहले बड़े और खुले और मकान कच्चे होते थे, लेकिन रिश्ते पक्के होते थे। आज रिश्तों में टक्कर हो रही रही है, सामंजस्य नहीं है। आज के दौर में सभी रिश्ते मोबाइल पर सिमट कर रहे गए हैं जो बिल्कुल भी अच्छा संकेत नहीं है।

कार्यक्रम का आरंभ बरेली से आईं ब्रह्मकुमारी गीता बहन, विधायक आकाश सक्सेना की पत्नी गुंजन सक्सेना, समाज सेविका और काउंसलर नीना साहनी और सरिता सिंघल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। ब्रह्मकुमारी गीता ने कहा कि घर में लड़ते हुए बच्चों से मां ने कहा कि क्यों लड़ रहे हो तो बच्चों ने जवाब दिया कि हम खेल रहे हैं और खेल का नाम मम्मी-पापा रखा है। समझाया कि बच्चे जो घर में देखते हैं वही करते हैं। ईंट व सीमेंट से बना मकान होता है, लेकिन प्रेम, विश्वास, त्याग, एक दूसरे को सामंजस्य, एक दूसरे की उन्नति के साथ जो समूह रहता है वहीं परिवार कहलाता है। गांव के प्रति व्यक्ति की कई पीढ़ी को सभी जानते थे। शहरों में आए तो मकान के नंबर और आधार नंबर से पहचान होने लगी। कई सदस्यों का साझा चूल्हा एक साथ था। घर की लक्ष्मी कहलाने वाली स्त्री सभी रिश्तों और त्योहारों का ध्यान रखती है, इसलिए घर को मंदिर बनाने में महिलाओं को ही आगे आना होगा। बच्चों को दूसरे से तुलना न करें। इस दौरान संगीता दीदी, पार्वती दीदी, प्रभा दीदी, बब्ली, प्रीति सहित अन्य ब्रह्मकुमारी मौजूद रहीं।

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का आरंभ करतीं अतिथि। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

भारत की दो समस्याएं पॉल्यूशन, करप्शन

ब्रह्मकुमारी गीता ने कहा कि भारत में दो प्रमुख समस्याएं पॉल्यूशन और करप्शन हैं। पत्नी पति से मांग करती है कि कुछ भी करो कहीं से भी लाओ लेकिन मेरी मांग पूरी हो। इससे करप्शन बढ़ता है। अगर हम धन की लक्ष्मी हैं तो प्रण लें कि बिना डिमांड के भी खुश रह लूंगी। समझाए कि घर में बेईमानी का धन मत लाना। गलत पैसा घर में सुख शांति खत्म कर देगा, इसलिए ईमानदारी की कमाई घर में लाएं। सेवक बनकर घर संभाले न कि मालकिन बनकर। आजकल शादी की साइट पर आता है कि लड़की खाना नहीं बनाएगी। अपने हाथों से खाना बनाइए प्यार से खाना परोसिए इससे घर मंदिर बनेगा।

देश में वृद्धाश्रम ही नहीं खुलने चाहिए

वक्ताओं ने कहा कि देश में माता और पिता को सबसे पहले नमस्कार बताया गया, उस देश में वृद्धाश्रम क्यों खुलने चाहिए। माता-पिता आश्रम में चले गए वो घर-घर नहीं रहा अनाथालय हो गया। कहा कि 80 के दशक में यूएस और यूके में एक कॉन्सेप्ट आया, होम विद आउट किचन। पति-पत्नी दोनों को नौकरी करनी है तो घर में किचन की क्या जरूरत है। 80 के दशक में 20 प्रतिशत शादी तलाक में बदलती थी आज 90 प्रतिशत शादी तलाक हो रहीं हैं। जब महिलाएं खाना बनाती हैं तो अपनी भावनाएं उसमें भरती हैं। महिलाएं लाज, लज्जा डरपोक न हों, महिलाएं वीर लक्ष्मी हों। महिलाएं और बच्चियां बेड टच का खुलकर विरोध करिए।

शबद कीर्तन सुनकर संगत हो गई निहाल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी महाराज, भाई मति दास जी, भाई सती दास जी एवं भाई दयाला जी के 350वें शहीदी दिवस पर कार्यक्रम हुआ। सिविल लाइंस स्थित गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा जी में स्त्री सत्संग सभाओं ने श्री सुखमणि साहिब के पाठ एवं शबद कीर्तन किए। शबद कीर्तन सुनकर संगत निहाल हुई।

गुरुद्वारे में सिंह सेवक जत्थे के तत्वाधान में कार्यक्रम हुए। 21 नवंबर को रात्रि कार्यक्रम में 8:30 से 9:15 बजे तक सहज पाठ साहिब संगति रूप में हुए जिसकी समाप्ति 25 नवंबर को सुबह 8:30 बजे होगी। इससे पूर्व कार्यक्रमों के अंतर्गत अपराह्न 3 से 6 बजे तक समस्त स्त्री सत्संग सभाओं द्वारा श्री सुखमणि साहिब के पाठ एवं शब्द कीर्तन किए गए। 23 नवंबर को नगर कीर्तन गुरुद्वारा साहिब से निकलेगा और 25 नवंबर को विशेष समागम होगा। सिंह सेवक जत्थे के प्रधान दर्शन सिंह खुराना, सिंह सेवक जत्थे से सेक्रेटरी त्रिलोचन सिंह वाधवा, हरपाल सिंह, भूपेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह होरा, पपिंदर सिंह, गुरजीत सिंह माटा, संतोख सिंह खालसा, जसमीत सिंह, अमरजीत सिंह, हरजीत सिंह, हरीश अरोड़ा, राज सिंह, धनवंत सिंह, कंवलजीत सिंह कथूरिया, अमरजीत कौर, रवींद्र कौर, गुरमीत कौर आदि मौजूद रहे।

सिविल लाइंस स्थित गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल संगत।

पंचायत में उठा धान क्रय केंद्रों का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : भाकियू भानु की पंचायत टांडा हुरमतनगर बिलासपुर मंडल सचिव करीमुद्दीन के आवास पर हुई। पंचायत में खाद धान क्रय केंद्रों एवं कुछ सरकारी दफ्तरों पर किसानों का शोषण और अपमान का मुद्दा पंचायत में उठाया।

जिलाध्यक्ष मोहम्मद सलीम वारसी ने कहा कि किसानों को खाद नहीं मिल रहा है। जिनका शोषण किया जा रहा है वह सीधे संगठन से संपर्क करें। शोषण करने वाले अधिकारियों के खिलाफ धरना होगा। धान क्रय केंद्रों पर किसानों का धान जो अधिकारी नहीं तौल रहा है, किसान वहीं धरने पर बैठ जाएं। नहर विभाग में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। सभी सरकारी दफ्तरों में अवैध वसूली रिश्वतखोरी खुलेआम की जा रही है। लेखपाल किसानों को खुलेआम लूट रहे हैं। शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती। 24 को गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस होने के कारण पंचायत आंबेडकर पार्क में 25 को होगी, जो पदाधिकारी 25 को नहीं पहुंचेगा। उसे पदमुक्त कर दिया जाएगा। दिसंबर के महीने में राष्ट्रीय कार्य करने की एक पंचायत राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में लखनऊ में होगी। जिले के पदाधिकारी सूची पदाधिकारी की बना लें। इस दौरान साबिर, करीमुद्दीन, गुड्डू, शकील खान, रोशनलाल, श्याम मोहन पांडे, आरिफ अली, शाकिर अली, कदीर, आलम मोहम्मद, सतनाम सिंह, मलकीत सिंह, बलबीर सिंह, चुन्नी खान, शाहिद अली, फैजान अंसारी, लियाकत खान, मुस्तकीम, इलियास अहमद, इंतजार अली मौजूद रहे।

पंचायत को संबोधित करते किसान नेता। ● अमृत विचार

- टांडा हुरमतनगर में हुई भाकियू भानु की पंचायत

लुट गए सरे महफिल तेरी बेवफाई सुन झूम उठे लोग

संवाददाता, सैदनगर

अमृत विचार : देश के मशहूर कव्वाल अरशद कमली ने अपनी प्रसिद्ध गजल दिल के बिगड़े हुए हालात में सोने ना दिया जिंदगी तेरे सवालात ने सोने ना दिया गाकर युवाओं में जोश भर दिया। लखनऊ से आई कव्वाल रोशनी चंचल ने लूट गए सरे महफिल, तेरी बेवफाई में पेश किया।

खेमपुर इमरती स्थित हजरत गाजी शाह मियां का 10 दिन से रहा उर्स समाप्त हो गया। अंतिम दिन कव्वाल अरशद कमली और रोशनी चंचल के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। अरशद कमली ने अपनी मशहूर गजल लुट गए सरे महफिल तेरी बेवफाई में गाई तो श्रोता झूमने लगे। लखनऊ से आईं कव्वाल रोशनी चंचल ने हसनैन का सदका कव्वाली गाकर महफ़िल लूटी। मुकाबला ए कव्वाली देखने के लिए दूर दराज से काफी संख्या में लोग आए थे। सुबह 4 बजे तक भीड़ जमी रही। दरगाह परिसर में लगे मेले के दौरान बच्चों एवं महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। दरगाह पर मस्तों की महफिल की कमान मस्तान बाबा रिशाल बारसी ने संभाली। इस मौके पर हाजी मोहम्मद उमर, मुन्नी खाला, मस्तान कलुआ मियां, मोहम्मद रफी, फरमान पाशा, जाकिर अली, मोहम्मद शादाब, इफ्तेखार उर्फ गुड्डू पाशा, जुल्फिकार अली, इरफान बाबू के अलावा कमेटी के सभी लोग मौजूद रहे।

- अंतिम दिन अरशद कमली, रोशनी चंचल ने पेश किए कलाम

दोपहिया पर न करें मोबाइल का प्रयोग

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : यातायात माह के तहत पुलिस द्वारा के विभिन्न महत्वपूर्ण मार्गों, चौराहों, बाजार क्षेत्रों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया।

अभियान के दौरान पुलिस ने दोपहिया, चार पहिया एवं व्यावसायिक वाहनों को रोककर हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग, गलत दिशा में ड्राइविंग, मोबाइल फोन का प्रयोग, नाबालिग वाहन चालक, तथा दस्तावेजों की वैधता जैसे महत्वपूर्ण नियमों के बारे में रूप से जानकारी देकर जागरूक किया। यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को सुरक्षित यातायात के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए। सड़क सुरक्षा से जुड़े पम्पलेट वितरित कर आमजन को यातायात नियमों का पालन करने, स्वयं सुरक्षित रहने तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग के संबंध में जागरूक किया। दोपहिया, चारपहिया एवं व्यावसायिक वाहनों को ओवरलोडिंग, रात्रि में वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप का उपयोग न करने एवं गलत दिशा में वाहन चलाने के दुष्परिणामों से अवगत कराया, पंपलेट वितरित किए। बालक-बालिकाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को सड़क पार करने के सुरक्षित तरीकों के बारे में बताया। अपील कि सुरक्षित यातायात, जीवन की सुरक्षा के संकल्प को अपनाएं।

बच्चों को जागरूक करते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

- मुख्य चौराहों पर कैंप लगाकर लोगों को किया जागरूक

एसआईआर फार्म भरें और वोट बनवाएं कार्यकर्ता

बैठक में मौजूद बसपाई। ● अमृत विचार

संवाददाता, मिलक

अमृत विचार : शुक्रवार को मिलक विधानसभा के ग्राम भैसोड़ी में शुक्रवार को बसपा की बैठक हुई। जिलाध्यक्ष प्रमोद सागर ने कहा कि सभी कार्यकर्ता को एसआईआर फार्म भरकर वोट बनवाएं।

समय से पहले फॉर्म भरकर बीएलओ को जमा कर दें। अगर किसी कार्यकर्ता को कोई दिक्कत आ रही है तो हमसे संपर्क करें। बसपा सरकार में सर्व समाज का विकास हुआ। जनता भाजपा शासन से ऊब चुकी है। आने वाले पंचायत चुनाव में अपने वोटों के माध्यम से भाजपा को जवाब दिया जाएगा। पंचायत चुनाव में ज्यादा ज्यादा सीट जीतकर रामपुर में परचम लहराएगी। भाजपा सरकार में महंगाई चरम सीमा पर है। किसानों से सरकार भेदभाव कर रही है। डीजल महंगा देकर फसल बहुत सस्ते दामों में खरीदी जाती है। किसान आत्महत्या करने को मजबूर है। इस मौके पर डॉ. रमेश श्रीवास्तव, नेमचंद सागर, हरनंदन सागर, परमानंद श्रीवास्तव, अमित कुमार, अर्जुन सागर, सरवन सिंह, अखिलेश, माखनलाल सागर, नबी अहमद, दानिश, मोहम्मद रफी मौजूद रहे।

पात्रों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराएं

रामपुर, अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए बैठक हुई।

बैठक में योजना की प्रगति, पात्र परिवारों की पहचान, एलपीजी कनेक्शन वितरण की स्थिति, ई-केवाईसी और गैस एजेंसियों की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने गैस एजेंसियों को निर्देशित किया कि सभी पात्र लाभार्थियों की ई-केवाईसी शीघ्रता से पूर्ण कराई जाए। ताकि सरकार की योजना अमल में आ सके। पात्रों को योजना का लाभ मिले। इस दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी नत्थूलाल गंगवार, जिला पूर्ति अधिकारी पूरन सिंह चौहान सहित एलपीजी के सेल्स ऑफिसर, एडीओ पंचायत और पंचायत सहायक मौजूद रहे।

10 किसानों को ई-लाटरी से मिले कृषि यंत्र

ई-लाटरी के दौरान मौजूद किसान एवं अधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के सदस्यों एवं कृषि यंत्र बुक करने वाले किसानों के समक्ष विकासखंडवार विभागीय पोर्टल के माध्यम से ई-लॉटरी संपन्न कराई। इसमें 10 किसानों को ई-लॉटरी से कृषि यंत्र के लिए चयन हुआ।

चयनित किसानों में कल्टीवेटर के लिए तहसील स्वार की गुरमीत कौर, एमबीप्लाऊ के लिए मिलक के वीर सिंह, कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए चयन ई-लाटरी से ऑनलाइन किया। यंत्रों के लक्ष्य के सापेक्ष स्वतः 300 प्रतिशत तक प्रतीक्षा सूची भी तैयार हुई। उप कृषि निदेशक राम किशन सिंह ने बताया ई-लाटरी के माध्यम से यंत्र के लिए चयन होने के बाद चयन का मैसेज प्रत्येक के पास पहुंचेगा। सदस्य के रूप में उप कृषि निदेशक राम किशन सिंह, जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अजहर अली खान, जिला गन्ना अधिकारी शैलेश कुमार मौर्य, जिला अग्रणी प्रबंधक शिवांग जोशी, सुरेंद्रपाल सिंह, हसीन अहमद मौजूद रहे।

- कल्टीवेटर के लिए स्वार की गुरमीत कौर का निकला नाम

बिलासपुर के विशाल दीप का चयन हुआ। मिलक के भुवनेश कुमार, स्वार के मदन सिंह, मोहम्मद इस्लाम, प्रेमपाल, सैदनगर के देशपाली सिंह, शाहबाद के कुंवरपाल सिंह एवं चमरौआ के जुल्फिकार का चयन हुआ। कृषि यंत्रों में कस्टम हायरिंग सेंटर, कल्टीवेटर एवं हाइड्रोलिक रिवर्सिबल एमबीप्लाऊ पर अनुदान के लिए विभागीय पोर्टल पर लक्ष्य 10 के सापेक्ष कुल 210 किसानों ने बुकिंग की। जिसके सापेक्ष 10 किसानों का

लखनऊ सम्मेलन में डॉ. तृप्ति माहौर ने शिक्षा पर रखे विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : लखनऊ के योजना भवन में गुरुवार को शिक्षा में नवाचार, प्रगति का आधार-विकसित उत्तर प्रदेश <bha>@</bha>2047 विषय पर राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें रामपुर जिले से राष्ट्रपति पुरस्कार सम्मानित शिक्षिका डॉ. तृप्ति माहौर ने विचार रखे।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की शिक्षिका तप्ति ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन अपर मुख्य सचिव पार्थसारथी सेन शर्मा ने किया। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, शिक्षा सलाहकार डीपी सिंह, नीति आयोग व भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचारपूर्ण शिक्षण-पद्धतियों, डिजिटल संसाधनों और भविष्य के शैक्षिक लक्ष्यों पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. तृप्ति ने कहा कि आधुनिक शिक्षा का मूल उद्देश्य बच्चों को स्वतंत्र, रचनात्मक और कौशल-सम्पन्न बनाना है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट क्लासरूम, ई-लर्निंग सामग्री, क्षमता-आधारित मूल्यांकन और छात्र-केंद्रित कक्षा-प्रक्रियाएं शिक्षा को अधिक प्रभावी बना रही हैं। डॉ. तृप्ति 2021 में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त कर चुकी हैं, उन्हें राज्य स्तरीय आईसीटी पुरस्कार भी मिला है। इसके साथ ही वह नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर एजुकेशन नेशनल मेंटर के रूप में योगदान दे रही हैं।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम लखनऊ में बोलतीं डॉ. तृप्ति माहौर।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शनिवार,22 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

शाहबाद, अमृत विचार : शुक्रवार को शाहबाद चंदौसी रोड पर हिम्मतपुर मोड के पास बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस कर्मियों ने एम्बुलेंस की सहायता से शव को सीएचसी भेजा। बदायूं के जमालपुर गांव निवासी लोकेश(25) पुत्र ओमप्रकाश छोटे भाई की शादी की दावत देने शाहबाद के नवाबपुरा और लश्करगंज गांव में आया था। युवक शुक्रवार देर शाम लश्करगंज से दावत देकर बाइक पर सवार होकर मुरादाबाद की तरफ जा रहा था, जैसे ही वह शाहबाद चंदौसी रोड स्थित हिम्मतपुर मोड के पास पहुंचा, किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से शव शाहबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। उधर सूचना मिलते युवक के परिजन भी सीएचसी पहुंच गए। लोकेश के छोटे भाई की 3 दिसंबर को शादी है, जिसकी दावत देने के लिए वह शाहबाद आया था। लोकेश के चार बच्चे है।

बुलेट न मिलने पर महिला को दिया तलाक

रामपुर, अमृत विचार : भोट थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला का कहना है कि उसकी बेटी ने 20 अप्रैल 2024 को अपनी मर्जी से गांव के ही रहने वाले दानिश से निकाह किया था। कुछ दिनों के बाद से ही ससुरालियों ने महिला से पांच लाख रुपये और एक बुलेट की मांग कर दी थी। देवर भी गलत नियत रखता है। आरोप है कि 1 दिसंबर को सभी लोग किसी काम से बाहर गए थे। देवर ने छेड़खानी करते हुए अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी। महिला ने जब इसकी शिकायत की तो उल्टा पति ने झूठे आरोप लगाकर तलाक देकर घर से भगा दिया। जिसके बाद वह मायके आ गई और महिला थाने गई। उसने पति दानिश, अतीक, नसीम, तौफीक, मौफीक, जुनैद, चांद, जावेद, आसमा के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पेड़ काटने के मामले में चार के खिलाफ रिपोर्ट

अमृत विचार, मिलक : सिहारी गांव निवासी महिला रजनी ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र दिया। महिला ने लिखा कि उसके खेत का रास्ता दबंगों ने बंद कर दिया। इसके साथ ही खेत में खड़े 14 पेड़ गांव निवासी देशबंधु, अनिल, मेवाराम और छेदालाल ने काट लिए। उसने संबंधित अधिकारियों और पुलिस को शिकायत पत्र दिया था। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राइमरी की 50 मीटर दौड़ में अफसान प्रथम

जौलपुर की न्याय पंचायत स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित, शिक्षकों ने निभाई निर्णायकों की भूमिका

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : न्याय पंचायत जौलपुर की न्याय पंचायत स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन ग्राम मिलक सिकरौल में किया। प्रतियोगिताओं का आरंभ वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर किया। प्राइमरी स्तर बालक वर्ग में 50 मीटर दौड़ में अफसान प्रथम रहे।

100 मीटर दौड़ में आकिल, 200 मीटर दौड़ में सुमित, 400 मीटर दौड़ में सुमित, लंबी कूद में विवेक प्रथम रहा। 50 मीटर दौड़ में क्रांति, 100 मीटर दौड़ में उजाला, 200 मीटर दौड़ में गुलफिजा, 400 मीटर दौड़ में अजमी, लंबी कूद में उजाला प्रथम रही। उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 100 मीटर दौड़ में नीतू, 200 मीटर दौड़ में अखिलेश, 400 मीटर दौड़ में नीतू, 600 मीटर दौड़ में नीतू, लंबी कूद में भी नीतू प्रथम रही। निर्णायक की भूमिका में जौलपुर के शिक्षक रहे। इस मौके पर शिव कुमार सिंह, सुरेंद्र यादव, वेदप्रकाश, चरन सिंह, छवि यादव, शिवानी पांडे, प्रीति कुमारी, जयमाला सक्सेना, कमलेश कुमार एवं अनुसेंद्र सिंह चौहान ने क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में योगदान दिया।

विजयी छात्र-छात्राओं के साथ मौजूद स्टाफ। ● अमृत विचार

लंबी कूद में हिस्सा लेतीं छात्रा।

4X100 रिले रेस में कंपोजिट विद्यालय बीसरा ने मारा मैदान

ऊंची कूद में अमनवती, गोला फेंक में मनीषा, चक्का फेंक में खुशबू, 4X100 रिले रेस में कंपोजिट विद्यालय बीसरा, खो खो में उच्च प्राथमिक विद्यालय जौलपुर रहा।कबड्डी में कंपोजिट विद्यालय बीसरा प्रथम रहा। जूनियर स्तर बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में गुंजन, 200 मीटर दौड़ में खुशबू,400 मीटर दौड़ में अमनवती, 600 मीटर दौड़ में चांद बी, लंबी कूद में खुशबू प्रथम रही।

रामनगर लतीफपुर का कंपोजिट विद्यालय बना ओवरऑल चैंपियन

रामपुर, अमृत विचार :शुक्रवार को न्याय पंचायत रामनगर लतीफ के न्याय पंचायत स्तर में खेलकूद प्रतियोगिताएं ग्राम देवीपुरा के खेल के मैदान में हुई। जिसमें ओवरऑल चैंपियन कंपोजिट विद्यालय रामनगर लतीफपुर रहा। प्राथमिक स्तर में कबड्डी बालक और बालिक वर्ग में रामनगर लतीफपुर की टीम विजेता और प्राथमिक देवीपुरा उपविजेता रहा।जूनियर स्तर की बालक वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में लाडपुर विजेता और रामनगर उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में रामनगर विजेता बना। बॉलीबॉल में जूनियर स्तर बालक वर्ग में रामनगर विजेता और लाडपुर उपविजेता रहा। विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।इस मौके पर पूर्व ब्लॉक सह समन्वयक राजीव सिंह चौहान,भूपेंद्र सिंह, अकील अहमद, नीतल, कोमल के अतिरिक्त राजीव शर्मा, पदम सिंह, अनिरुद्ध , मनोज भारती, अनिल कुमार,आशा रानी, धर्मपाल आदि शिक्षक मौजूद रहे।

खूब दौड़े हैप्पी और मानवी, मिले पुरस्कार

पैन दिखाते विजयी छात्र-छात्राएं एवं मौजूद स्टाफ। ● अमृत विचार

● चमरौआ की न्याय पंचायत अलीनगर में हुईं खेलकूद प्रतियोगिताएं

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : ब्लॉक चमरौआ की न्याय पंचायत अलीनगर में न्याय पंचायत स्तरीय खेलों का आरंभ ग्राम प्रधान महासचिव मोहम्मद आसिफ ने फीता काटकर किया। बालक वर्ग 50 मीटर दौड़ में सचिन, बालिका वर्ग 50 मीटर में मानवी, बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में हैप्पी यादव, बालिका वर्ग में इश्मा प्रथम रही।

बालक वर्ग 200 मीटर में हैप्पी, बालिका वर्ग 200 मीटर दौड़ में मानवी, बालक वर्ग 400 मीटर दौड़ में पवन, बालिका वर्ग 400 मीटर मानवी, लंबी कूद में बालक वर्ग से हैप्पी यादव, बालिका वर्ग से साक्षी प्रथम रहे। उच्च प्राथमिक स्तर 100 मीटर बालक वर्ग दौड़ में अनीस, बालिका वर्ग 100 मीटर में अदीबा, 200 मीटर बालक वर्ग में अनस, बालिका वर्ग में भावना, 400 मीटर दौड़ बालक वर्ग में वरुन, बालिका वर्ग में सोनिया, लंबी और ऊंची कूद उच्च प्राथमिक स्तर में वरुन, पलक प्रथम स्थान पर रहे। खो खो एवं कबड्डी प्राथमिक स्तर में बालक एवं बालिका वर्ग प्राथमिक विद्यालय पट्टी कल्यानपुर की टीम विजयी रही, खो खो उच्च प्राथमिक स्तर बालक एवं बालिका में कंपोजिट शंकरपुर की टीम विजयी रही। सुमित गंगवार, गजाला मंसूरी एवं खेल प्रेमी प्रधान सचिव मो. आसिफ, एहसान खान, राकेश विश्वकर्मा, राजेश्वरी, कुसुम रानी, कमलेश आर्य मौजूद रहे।

जिले को जल्द मिलेगी 2688 मी. टन एनपीके की रैक

रामपुर,अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा ने बताया जनपद के निजी एवं सहकारिता क्षेत्र में 24252 मीट्रिक टन यूरिया, 4542 मीट्रिक टन एनपीके एवं 1883 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है। 25 नवंबर को 2688 मीट्रिक टन इफको एनपीके की एक रैक प्राप्त हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि जनपद में आवश्यकतानुसार पर्याप्त मात्रा में उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली गई है। किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरक का क्रय करे। उर्वरक क्रय करते समय अपना आधार कार्ड एवं भूमि की खतौनी अनिवार्य रूप से उर्वरक विक्रेता समिति को उपलब्ध कराए। उर्वरकों की कालाबाजारी या उर्वरक के साथ कोई कम प्रचलित उत्पाद जबरन देता है तो किसान अपनी शिकायत 7839882763 एवं 9458846182 पर दर्ज करा सकते है।

आजम खान की तबीयत बिगड़ी, सांस लेने में दिक्कत

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● खांसी भी बढ़ी, रामपुर जेल में डॉक्टरों ने किया चेकअप

● स्वास्थ्य का हवाला देते हुए आजम ने मांगी थी कुर्सी

अमृत विचार: रामपुर जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की शुक्रवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ गई है। शुक्रवार शाम से उन्हें सांस लेने में समस्या हो रही है।

हाल में ही दो पैन कार्ड मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल आजम खान को सात-सात साल की सजा सुनाई थी। तभी से पिता-पुत्र रामपुर जिला कारागार में बंद है। शुक्रवार शाम को अचानक आजमगढ़ की हालत बिगड़ गई। उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी। जानकारी मिलने के बाद जेल प्रशासन ने डॉक्टर को बुलाकर चेकअप कराया। नेबुलाइजर दिया गया ताकि सांस लेने में कोई परेशानी ना हो। जेलर सुनील कुमार ने बताया कि जेल के डॉक्टरों ने आजम खान का चेकअप किया। दवाएं दी हैं। इससे पहले आजम खान ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए कुर्सी की मांग की थी, लेकिन जेल प्रशासन ने नियमों का हवाला देकर इसे मना कर दिया था। कुर्सी न मिलने पर आजम खान नाराज हो गए थे। इसके बाद उन्होंने शुक्रवार को किसी से भी मुलाकात करने से इंकार कर दिया था।

आजम खां।

लापरवाही बरतने पर 5 बीएलओ निलंबित

रामपुर, अमृत विचार : गणना प्रपत्रों के संकलन एवं उनके डिजिटाइजेशन में लापरवाही बरतने पर प्रशासन ने 5 बीएलओ को निलंबित कर दिया है। निर्वाचन प्रक्रिया की पवित्रता, पारदर्शिता तथा शून्य लापरवाही पर प्रशासन कार्यरत है।

प्रशासन ने लापरवाही बरतने पर प्राथमिक विद्यालय अलीनगर जागीर के शिक्षा मित्र शमशाद अली, स्टूडेंट एकेडमी कक्ष संख्या-2 सैंजनी नानकार शाजिया आंगनबाड़ी कार्यकत्री, कार्यालय खंड विकास अधिकारी बिलासपुर सींचपाल शोएब खां, सुंदर लाल इंटर कॉलेज कूंचा लंगरखाना रामपुर सुनीता रावत आंगनबाड़ी कार्यकत्री, कम्पोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय पटवाई हरिशंकर शिक्षा मित्र को निलंबित कर दिया है इसके अलावा मानदेय भी बाधित कर दिया गया है।

एसपी ने लंबित विवेचनाओं की जानकारी ली

परेड का निरीक्षण करते एसपी विद्या सागर मिश्र। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

● परेड का निरीक्षण कर ली सलामी

अमृत विचार: पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन में शुक्रवार को परेड का निरीक्षण किया। उसके बाद 3 माह से अधिक लंबित विवेचनाओं के विवेचकों के साथ आदेश कक्ष आयोजित किया। जिसमें उनसे जानकारी ली।

पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र द्वारा शुक्रवार को परेड की सलामी लेकर पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परेड में मौजूद महिला प्रशिक्षुओं एवं कर्मचारियों का टर्नआउट चेककर पुलिस लाइन परिसर में स्थित भोजनालय, रीडिंग रूम (लाइब्रेरी), कैंटीन, मनोरंजन कक्ष को चेक किया। इसके साथ ही म्यूजियम,जिम, आरटीसी कार्यालय, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा, आरटीसी आदि की व्यवस्थाओं आदि का निरीक्षण कर पुलिस लाइन परिसर की साफ-सफाई आदि को चेक कर संबंधित को दिशा-निर्देश दिए।उसके बाद सभी थानों पर 3 माह से अधिक लंबित विवेचनाओं के विवेचकों के साथ आदेश कक्ष आयोजित कर दिशा निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी टांडा भी मौजूद रहे।

फर्जी निकली तीन लाख रुपये चोरी की घटना

संवाददाता, पटवाई

अमृत विचार : पटवाई थाना क्षेत्र के ग्राम निस्बी निवासी कुंवरपाल ने 19 नवंबर की रात को घर में चोरी होने की सूचना डायल 112 पर दी थी।

तहरीर में बताया था कि रात को अज्ञात चोरों ने उनके मुंह पर नशे का स्प्रे मार उन्हें बेहोश कर दिया और फिर अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे तीन लाख छह हजार रुपये चोरी कर लिए। प्रभारी निरीक्षक थाना पटवाई ने मुकदमा पंजीकृत कर तहकीकात शुरू कर दी।

जांच में पता चला कि वादी कुंवरपाल ने शहजादनगर थाना क्षेत्र के शीशपाल जो पनवडिया रामपुर पर लकड़ी के ठेकेदार है, उससे दो लाख सोलह हजार रुपये उधार लिए थे। पुलिस को पता चला कि कुंवरपाल ने इस उधार में से केवल सोलह हजार की राशि समूह की किस्त के रूप में अदा की थी। शेष दो लाख कर्ज चुकाने से बचने के लिए झूठी कहानी रच ली।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि कुंवरपाल ने चोरी गए बताए गए रुपयों में से 2 लाख रुपये अपने घर में ही रखे थे। उसने यह राशि एक प्लास्टिक के डिब्बे में भरकर पशुशाला में गड्ढा खोद कर छिपा दिए थे। प्रभारी निरीक्षक नरेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में अब आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है और झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शहजादनगर पुलिस ने तीन बदमाशों को दबोचा

रामपुर, अमृत विचार : थाना शहजादनगर पुलिस ने शुक्रवार को लूट व चोरी की योजना बनाते हुए 3 शातिर बदमाशों को अवैध चाकुओं, तमंचे और दीवार काटने के उपकरण सहित किया गिरफ्तार है। सभी पर विभिन्न थानों में 12 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार थाना शहजादनगर पुलिस को मुखबिर सूचना मिली कि कुछ बदमाश बल्लू की मढैया के रास्ते पर चोरी एवं लूट की तैयारी कर रहे हैं। अगर पुलिस शीघ्र कोई कदम उठाए तो बदमाश पकडे जा सकते है। थाना शहजादनगर पुलिस द्वारा घेराबंदी की गई तो तीनों को ग्राम बल्लू की मढैया के रास्ते पर काले खा के आम के बगिया के अन्दर से दबोच लिया गया। इनकी पहचान इदरीश निवासी करूला गली थाना कटघर मुरादाबाद, अकरम निवासी मोहम्मद गंज थाना बनियाठेर संभल और नईम निवासी रसूलपुर कस्बा व थाना स्वार रामपुर के रूप में हुई। इनके कब्जे से एक तमंचा, 2 चाकू व एक हथौडा, एक छैनी, एक सब्बल तथा तीन सरीये बरामद किए गए।

मथुरापुर, मतवाली के जंगल में मिले गोवंश के अवशेष

संवाददाता,पटवाई

अमृत विचार : मथुरापुर और मतवाली के जंगल और रामगंगा में गाय के अवशेष मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। उसके बाद पुलिस ने आनन-फानन में अवशेषों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने दो दिन के अंदर खुलासा करने का आश्वासन दिया।

शुक्रवार को सुबह 6 बजे मथुरापुर व मतवाली के जंगलों में गाय के अवशेष मिलने से लोगों में हड़कंप मच गया। जानकारी मिलने के बजरंग दल के गौरक्षा प्रमुख उपेंद्र लोधी मौके पर पहुंचे। उसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद में गांव के लोग भी एकत्रित हो गए। जहां गाय के अवशेष मिलने पर आक्रोशित हो गए। किसी तरह से पुलिस ने मामले को शांत कराया। उसके बाद अवशेषों को भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कुछ अवशेष रामगंगा में भी मिले।

पहले भी मिल चुके अवशेष

पटवाई और मिलक में अवशेष मिलने का सिलसिला जारी है। मिलक में कुछ दिनों पहले अवशेष मिले थे। जिसके बाद हिंदू संगठनों के लोगों ने प्रदर्शन किया था। उसके बाद पुलिस ने आरोपी को मुठभेड़ में पैर में गोली मारकर घायल कर दिया था। पटवाई में भी पहले कई बार अवशेष मिल चुके हैं। पुलिस आरोपियों पर कार्रवाई का आश्वासन दे रही है।

न्यूज डायरी

विवेचना संबंधी अभिलेखों की एएसपी ने ली जानकारी

रामपुर, अमृत विचार : एएसपी अनुराग सिंह ने शुक्रवार को कार्यालय में जिले के विभिन्न थानों पर तैनात निरीक्षकों (विवेचक) के विवेचना संबंधी अभिलेखों का निरीक्षण किया। इस दौरान विवेचनाओं की प्रगति, गुणवत्तापूर्ण जांच, समयबद्ध निस्तारण एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

अपहरण में बेटे सहित दंपती पर केस

मसवासी, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला सदर बाजार वार्ड नौ निवासी कामिनी पत्नी जयप्रकाश ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी का 31 अगस्त 2024 को मोहल्ला चाऊपुरा निवासी अजय, उसके पिता वीर सिंह और मां लीला देवी ने अपहरण कर लिया था। जिसका मुकदमा स्वार थाने में पति ने दर्ज कराया था। मामले में आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया था। जिसके बाद वह उच्च न्यायालय से जमानत पर रिहा हो गए हैं। आरोपी फैसला करने के लिए दबाव बना रहे थे। इसी उद्देश्य से 9 दिसंबर को दिनदहाड़े उसकी पुत्री ज्योति घर में थी। इसी दौरान अजय वीर सिंह और लीला देवी उसके घर में घुस आए और जबरदस्ती उसकी बेटी ज्योति को ले गए। शिकायत के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने शुक्रवार को वीर सिंह और लीला देवी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दिए।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

रामपुर, अमृत विचार : भोट थाने में 17 नवंबर को क्षेत्र के एक व्यक्ति ने तहरीर देते हुए दो युवकों पर नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर साथ ले जाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। मामले में ग्राम किशनपुर का मजरा निवासी सतीश व अशोक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में थाना भोट पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नाबालिग बेटी को थुनापुर चौराहा के पास एक फलों की दुकान से बरामद कर लिया था। पीड़िता के बयान दर्ज होने के बाद मुकदमे में अशोक की पत्नी मालती का नाम बढ़ाया गया। शुक्रवार को थाना भोट पुलिस ने सतीश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में नौरीन प्रथम

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पर्यावरण एवं पौधरोपण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता का विषय ' 'वनों की कटाई के दुष्प्रभाव' ' था। प्रतियोगिता में नौरीन खातून प्रथम, मोनिका मौर्य द्वितीय, अंजुम तृतीय और नूरसबा सांत्वना स्थान पर रहीं। छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से वनों के कटने से पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है इसको दर्शाया। प्रतियोगिता के निर्णायकों में डॉ. प्रीति लता और डॉ. प्रतिभा यादव शामिल रहीं। आयोजन डॉ. वंदना राठौर ने किया।

सिपाही को एसपी ने दिया नगद पुरस्कार

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र द्वारा पुलिस कार्यालय पर पुलिस कर्मियों की (बीट बुक) बीट संबंधी अभिलेखों का निरीक्षण किया। बीट अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित गश्त, निगरानी, अपराधियों की गतिविधियों पर नियंत्रण एवं जनसंपर्क बनाए रखने के लिए निर्देश दिए। बीट संबंधी उत्कृष्ट कार्य एवं स्थानीय जानकारी पर मजबूत पकड़ रखने के लिए थाना अजीमनगर पर नियुक्त मुख्य आरक्षी मनित चौधरी को नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दहेज की मांग पूरी न होने पर तोड़ा रिश्ता, सात पर रिपोर्ट

मिलक, अमृत विचार : मिलक के रठौंडा निवासी रेवती नंदन ने पुलिस को तहरीर दी। जिसमें बताया कि उनकी पुत्री की शादी का रिश्ता पांच अप्रैल को पुरेनिया खुर्द निवासी राजू के पुत्र अभिषेक से तय हुआ था। दोनों परिवारों की सहमति से बारह नवंबर को बारात आना तय हुआ था। आरोप लगाया कि 26 अक्टूबर को लड़के के घरवालों ने उन्हें बुलाया। अभिषेक उसके पिता राजू, मां आशा, भाई रचित और बहनोई थाना बिलासपुर के ग्राम पिपलिया निवासी धनंजय, बहन अंजलि, नब्बा नगला निवासी बहन राखी ने उनसे दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल और चार लाख रुपये नगद की मांग कर दी। रिश्ता तय करते समय उन लोगों ने दहेज की मांग नहीं की थी। लाख मिन्नतों के बावजूद लड़के और परिजनों ने शादी करने से इंकार कर दिया। उसके विरोध करने पर गालियां देते हुए मारपीट की। जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया। पुलिस ने युवक और उसके अन्य परिजन सहित सात पर रिपोर्ट दर्ज कर ली।

अनदेखी

मस्जिद हैदर अली खां क्षेत्र के वाशिंदे परेशान

वार्ड-31 में नाले के खुले स्लैब से दुर्घटना का डर

अमृत विचार अभियान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

नाले का टूटा स्लैब। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद के वार्ड-31 में मस्जिद हैदर अली खां के निकट नाले पर स्लैब टूटे हैं, जिसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। बरसात के मौसम में इस रास्ते पर जलभराव हो जाता है और राहगीरों को खुले हुए मेन होल दिखाई नहीं देते और वे उसमें गिरकर घायल हो जाते हैं। बाशिंदे कई बार पालिका के अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन आश्वासन दिया जाता है और हालत जस की तस है।

सपा सरकार में पूर्व मंत्री आजम खां ने नाले पर स्लैब डलवा दिया था, लेकिन रखरखाव के अभाव में स्लैब टूट गए हैं। मोड़ पर नाले का स्लैब टूटा होने के कारण तेज रफ्तार बाइक सवार इसमें फंसकर गिरकर घायल हो रहे हैं। इसके अलावा नालों में पलने वाले मच्छरों से लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। लोग मलेरिया बुखार से पीड़ित हो रहे हैं। लेकिन नालों पर स्लैब नहीं डलवाए गए हैं। वार्ड के लोगों ने नाले पर स्लैब डलवाए जाने के लिए पालिका के अधिकारियों से कई बार शिकायत की है। अधिकारियों द्वारा लोगों को आश्वासन दे दिया जाता है, लेकिन काम नहीं होता है। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि घेर सैफुद्दीन खां में नालों और नालियों की हालत बदतर है।

नाले के ऊपर स्लैब टूटने से इसमें अक्सर तेज रफ्तार बाइक सवार घुसकर जख्मी हो जाती हैं। नाले पर स्लैब रखवाने के लिए कई बार नगर पालिका में शिकायत की जा चुकी है लेकिन, कोई सुनवाई नहीं हो रही है। - शोएब अहमद

घेर सैफुद्दीन खां स्थित मस्जिद हैदर अली खां के निकट नाले पर स्लैब टूटे होने से रात में हादसे होते रहते हैं। कई बार पालिका अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है लेकिन, स्थिति जस की तस है - अरहाम खां

वार्ड- 31 में मस्जिद हैदर अली खां के निकट नाले पर स्लैब टूट चुके हैं। जिसके कारण नाले में मच्छर पनप रहे हैं और शाम ढलते ही कानों पर भिनभिनाने लगते हैं। पालिका खुले हुए नाले पर स्लैब डलवाए। - नवेद मियां

नाले पर रखे स्लैब टूटने से खतरा बना रहता है। कोई बच्चा अगर नाले में गिर जाए तो वह घायल हो जाता है। मस्जिद के निकट नाला मोड़ पर होने के कारण तेज रफ्तार बाइक सवार इसमें गिरकर घायल हो जाते हैं। - वकार

ब्रीफ न्यूज

पत्नी से विवाद के बाद फंदे पर झूला युवक

कैला देवी,अमृत विचार : संभल के कैला देवी थाना क्षेत्र के बागड़पुर गांव निवासी युवक ने पत्नी से विवाद के चलते फंदे पर झूल कर आत्महत्या करने की कोशिश की। लेकिन अन्य परिजनों ने देख लिया तो आनन फानन में उसे संभल के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर है। गांव निवासी 25 वर्षीय पवन का किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद हो गया था। शुक्रवार शाम को वह फंदे पर झूल गया। जहां परिजनों ने देखा तो उनकी चीख निकल गई। उसे नीचे उतारकर संभल के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां युवक की हालत गंभीर बनी हुई है।

युवती को भगा ले गया दूसरे समुदाय का युवक

संभल, अमृत विचार : बनियाठेर थाना क्षेत्र के ग्राम में एक ग्रामीण ने दूसरे समुदाय के एक युवक द्वारा उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि यासिर लंबे समय से उसकी बेटी को परेशान कर रहा था। धमकी भी दी थी कि वह एक दिन उनकी बेटी को ले जाएगा। पीड़ित ने बताया कि कि 18 नवंबर को यासिर उसकी लड़की को बहला-फुसलाकर ले गया। आरोप है कि यासिर ने घर में रखे सोने के कुंडल, चांदी की पायल, एक सोने का हार और 10,000 रुपये भी हड़प लिए। थानाध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि मामले की गहनता से जांच जारी है।

पालिका ने जेसीबी से तुड़वाया दरगाह का अवैध निर्माण

संभल/चंदौसी, अमृत विचार : चंदौसी में गांधी पार्क के पीछे स्थित सैय्यद मियां की दरगाह परिसर में बिना अनुमति के चल रहे निर्माण को नगर पालिका ने शुक्रवार को जेसीबी से ढहा दिया। ईओ धर्मराज राम टीम के साथ मौके पर पहुंचे और काम रुकवा दिया। इसी दौरान दरगाह के मौलाना शब्बीर मियां भी पहुंच गए और निर्माण को वैध बताते हुए विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि कुछ महीनों पहले अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान एसडीएम विनय मिश्रा ने सीमांकन कराया था और उन्हीं निशानों के आधार पर निर्माण कराया जा रहा था। हालांकि नगर पालिका ने वर्तमान निर्माण को स्पष्ट रूप से अवैध मानते हुए कार्रवाई की। ईओ ने मौके पर ही जेसीबी मंगाकर गेट और दीवार सहित निर्माण को ध्वस्त करा दिया। ईओ धर्मराज राम ने बताया कि दरगाह परिसर में बिना किसी अनुमति के निर्माण किया जा रहा था। नियमों के विपरीत होने के कारण अवैध निर्माण को हटाया गया है।

हसनपुर मुंजब्ता में 12 अवैध मकान चिन्हित

90 बीघा सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने का अभियान, लाल निशान लगाए

कार्यालय संवाददाता,संभल

संभल में तहसील कार्यालय पर अपनी फरियाद लेकर पहुंचे दलित परिवार। ● अमृत विचार

अमृत विचार: हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव हसनपुर मुंजब्ता में 90 बीघा सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने के अभियान के बीच राजस्व टीम ने खलिहान और खाद के गड्ढे की करीब तीन बीघा से अधिक सरकारी भूमि पर बनाए गए 12 पक्के मकानों को चिन्हित करते हुए ध्वस्तीकरण के लिए लाल निशान लगा दिए हैं। वहीं इस कार्रवाई का विरोध करते हुए कई दलित परिवारों शुक्रवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर किया कि जिस जमीन पर उनके मकान बने हैं वह पट्टों के रूप में आवंटित की गई थी।

हसनपुर मुंजब्ता में गांव की लगभग 90 बीघा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों की शिकायत मुख्यमंत्री जनता दर्शन में की गई थी। शिकायत मिलते ही जिला प्रशासन हरकत में आया और मामले की जांच के लिए नायब तहसीलदार अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में 13 सदस्यीय टीम गठित की गई। टीम ने चार दिन पहले गांव में पहुंचकर सरकारी जमीन को खोजने का अभियान शुरु किया था। गुरुवार को 12 बीघा सरकारी जमीन चिन्हित कर उस पर खड़ी आलू की फसल राजस्व विभाग ने ट्रैक्टर से जुतवा दी थी। अब गांव की आबादी में पैमाइश कर सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक खलिहान और खाद के गड्ढे की करीब तीन बीघा से अधिक सरकारी भूमि पर बने निर्माणों को चिन्हित किया। कार्रवाई के दौरान गांव में मौजूद तीन तालाबों का भी सीमांकन किया गया, जिनका कुल क्षेत्रफल 10 बीघा से अधिक बताया जा रहा है। तालाबों पर भी अवैध कब्जे पाए गए हैं। टीम ने गांव में सरकारी जमीन पर बने 12 मकानों पर लाल निशान लगाकर उन्हें ध्वस्तीकरण के लिए चिन्हित कर दिया। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जा रही है। सरकारी जमीन पर किये गये निर्माणों को तोड़ने की कार्रवाई जल्द की जाएगी। अतिक्रमण हटाने की तैयारी के संकेत मिलते ही कब्जाधारियों में चिंता देखी जा रही है, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों बाद सरकारी जमीन को लेकर प्रशासन सक्रिय हुआ है।

हसनपुर मुंजब्ता गांव में मकानों पर लाल निशान लगाता कर्मचारी। ● अमृत विचार

दलित परिवारों ने कहा, पट्टे की जमीन पर बने हैं मकान

राजस्व विभाग ने हसनपुर मुंजब्ता गांव में जिन 12 मकानों पर लाल निशान लगाए हैं उनके से अधिकांश मकान दलित समाज के हैं। इन परिवारों के महिला पुरुष शुक्रवार दोपहर को संभल तहसील कार्यालय पर पहुंचे। बसपा नेता रविशंकर भारती के नेतृत्व में तहसील कार्यालय पहुंचे इन लोगों ने दावा किया कि जिन मकानों को सरकारी जमीन पर बना बताकर राजस्व कर्मचारियों ने लाल निशान लगाकर तोड़ने के लिए चिन्हित किया है वह मकान सरकारी नहीं बल्कि पट्टे की भूमि पर बने हैं। इन लोगों ने दावा किया कि 1965,1973,1988 और 1990 में नसबंदी की एवज व भूमिहीनों को पट्टे आवंटित किये गये थे। अब 40 साल बाद बिना वजह गांव के लोगों को परेशान किया जा रहा है। वहीं तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि किसी के पास जमीन से जुड़ा कागज है तो वह उपलब्ध कराये। अभी तक किसी ने कोई दस्तावेज नहीं दिया है।

भारत को जानो प्रतियोगिता का द्वितीय चरण आयोजित

भारत विकास परिषद की प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी। ● अमृत विचार

संवाददाता,चंदौसी

● दिव्यांशु-आशीष और आशीष-शांतनु ने किया टॉप

अमृत विचार : भारत विकास परिषद शाखा चंदौसी की ओर से गुरुवार को साहू झुन्नीलाल धर्मशाला में भारत को जानो सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का द्वितीय चरण आयोजित किया गया।

जूनियर वर्ग में नानक चंद आदर्श इंटर कॉलेज के दिव्यांशु और आशीष सिंह की टीम प्रथम, जगदीश सरन सर्राफ सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज के धैर्य वार्ष्णेय और श्रेयश तिवारी द्वितीय। रामप्यारी आर्य कन्या इंटर कॉलेज की छात्राएं तृप्ति उपाध्याय और लक्ष्मी तृतीय रहे। सीनियर वर्ग में जगदीश सरन सर्राफ सरस्वती शिशु मंदिर के आशीष पंचाल और शांतनु उपाध्याय प्रथम। चंदौसी इंटर कॉलेज के विनय कुमार सागर और अभिषेक यादव छितीय और नानक चंद आदर्श इंटर कॉलेज के निखिल कुमार और दीपक सिंह तृतीय रहे।

दोनों वर्ग की प्रथम स्थान प्राप्त टीमें अब 30 नवंबर को मुरादाबाद में होने वाली प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। प्रांतीय संयोजक डॉ. एसएस शर्मा, शाखा अध्यक्ष प्रभात कृष्णा,निर्णायक आशा बिसारिया, रमेश अधीर के अलावा शाखा सचिव विपिन कुमार,कोषाध्यक्ष संजीव शर्मा, महिला संयोजिका डॉ. सुमन गुप्ता, डॉ. जयशंकर दुबे, नरेश पाल यादव, रंजना देवी, शिवांगी और विनोद सिंह चौहान सहित अन्य मौजूद रहे।

तीन दिन बहजोई में रहेगी पासपोर्ट मोबाइल बैन

बहजोई,अमृत विचार: अब पासपोर्ट बनवाने के लिए बरेली के लिए दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। क्योंकि तीन दिन तक डीएम दफ्तर पर पासपोर्ट बन रहे हैं।

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय बरेली की ओर से पासपोर्ट बैन 26 से 28 नवंबर तक डीएम दफ्तर पर रहेगी। पासपोर्ट अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने पत्र जारी किया कि 40 ऑनलाइन अपॉइंटमेंट पासपोर्ट सेवा की वेबसाइट www.passportindia.gov.in पर रिलीज कर दिए गए हैं। संभल व आसपास के क्षेत्र के नागरिक जो पासपोर्ट बनवाने के लिए इच्छुक हैं वह अपना ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक करके पासपोर्ट मोबाइल बैन के जरिए पासपोर्ट सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। बरेली की दौड़ लगाने के बजाए यह सेवा बहजोई डीएम दफ्तर पर मिलेगी।

कल्कि महोत्सव में बनेगा 10 हजार श्रद्धालुओं के लिए पंडाल

कार्यालय संवाददाता,संभल/मनोटा

● 1 से 7 दिसंबर तक आयोजित होगा श्री कल्कि महोत्सव

अमृत विचार: संभल के ऐंचोड़ा कंबोह कल्कि धाम में 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक आयोजित होने वाले श्री कल्कि महोत्सव में इस बार श्री कल्कि कथा सहित कई विशेष आयोजन होंगे। श्रद्धालुओं के बैठने के लिए 10 हजार की क्षमता वाला पंडाल होगा जबकि साधु संतों सहित 5 हजार लोगों के ठहरने के लिए पंडाल लगेंगे।

श्री कल्कि धाम के प्रवक्ता पंकज चाहल ने बताया कि इस वर्ष महोत्सव की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि पहली बार श्री कल्कि कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा मर्मज्ञ स्वामी रामभद्राचार्य विश्व की प्रथम श्री कल्कि कथा का अमृत प्रवाह करेंगे, जो सभी धर्मप्रेमियों के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा। श्रद्धालुओं की अपार संख्या को देखते हुए अब तक का सबसे विशाल वाटरप्रूफ पंडाल तैयार कराया जा रहा है। जिसमें लगभग 10,000 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा देशभर से आने वाले भक्तों के ठहरने के लिए करीब 5,000 लोगों की क्षमता वाला अस्थाई टेंट नगर बसाया जा रहा है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कथा स्थल के निकट ही बड़े पार्किंग स्थल का चयन किया गया है। वहीं अति विशिष्ट अतिथियों की संभावित उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए एक हैलीपैड का निर्माण पूरा हो चुका है। जबकि दो अन्य हैलीपैड जल्द ही तैयार हो जाएंगे। श्री कल्कि धाम प्रचार समिति द्वारा प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न स्थानों पर बैठकें कर भक्तों को आमंत्रित किया जा रहा है।

पुलिस से अभद्रता करने वाला ईको चालक गिरफ्तार

बबराला, अमृत विचार: यातायात पुलिस से अभद्रता व घायल करने के आरोपी ईको वैन चालक भुवनेश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

19 नवंबर को बबराला के इंद्रा चौक पर ड्यूटी के दौरान तैनात दरोगा प्रमोद मान व हेड कांस्टेबल विकास यादव वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान ईको वाहन चालक भुवनेश ने लापरवाही से तेज गाड़ी चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनके पैर में चोट आई और वह घायल हो गए। आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की तथा जान से मारने की धमकी भी दी। मौके पर जमकर हंगामा हुआ था जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया था। थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

डीएम ने देखा एसआईआर का कार्य

● ग्रामीणों से किया संवाद, बीएलओ को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता,संभल/ओबरी

एसआईआर कार्यों का निरीक्षण कर जानकारी लेते डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया।

अमृत विचार: असमोली विकासखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बिलालपत और उच्च प्राथमिक विद्यालय ओबरी में गुरुवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने विशेष गहन पुनरीक्षण चौपाल आयोजित कर एसआईआर कार्यों का निरीक्षण कर मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रियाओं की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने एसआईआर को लेकर ग्रामीणों से भी संवाद किया।

दोनों गांव में जिलाधिकारी ने बीएलओ से एएसडी मतदाताओं, गणना प्रपत्रों के संग्रह और मतदाताओं के नामों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मौके पर मतदाता सूची का वाचन कर ग्रामीणों से नामों का सत्यापन भी कराया। इसके साथ ही डीएम ने परिवार रजिस्टर की जांच कर खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि परिवार रजिस्टर को प्रमाणित कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मतदाताओं के घर जाकर भी सत्यापन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ग्राम ओबरी में एसआईआर चौपाल के दौरान जिलाधिकारी ने गणना प्रपत्रों के संग्रह और एएसडी मतदाताओं संबंधी जानकारी प्राप्त की। डीएम ने बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा कि गणना प्रपत्रों को आधार से मिलान कर सत्यापित किया जाए। साथ ही मतदाताओं के रंगीन फोटोग्राफ लगाने और डिजिटलाइजेशन को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। एसडीएम संभल रामानुज, डिप्टी कलेक्टर निधि पटेल, खंड विकास अधिकारी प्रेमपाल सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार,बीएलओ, ग्राम सचिव, लेखपाल, ग्राम प्रधान, पूर्व प्रधान, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रोजगार सेवक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जुमे की नमाज के दौरान रही कड़ी सुरक्षा

● चार थानों की पुलिस के साथ आरआरएफ व पीएसी रही तैनात

कार्यालय संवाददाता,संभल

संभल में जामा मस्जिद के बाहर मुस्तैद पीएसी के जवान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: संभल में जुमे की नमाज को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। शहर के संवेदनशील माहौल को ध्यान में रखते हुए चार थानों की पुलिस के साथ आरआरएफ व पीएसी के जवानों की तैनाती के बीच जुमे की नमाज अदा की गई। सत्यव्रत पुलिस चौकी पर बनाए गए सीसीटीवी कंट्रोल रूम से पूरे इलाके की लगातार निगरानी की जाती रही।

संभल में जामा मस्जिद में सर्वे की कार्रवाई के दौरान हिंसा की घटना को 24 नवंबर को एक साल हो जायेगा। इसी के चलते पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जामा मस्जिद में शुक्रवार को दोपहर 1:40 बजे जुमे की नमाज अदा की गई। नमाज से पहले शहर में सतर्कता के साथ ही जामा मस्जिद के आसपास सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम रहे। एएसपी उत्तरी कुलदीप सिंह ने पुलिस फोर्स के साथ जामा मस्जिद क्षेत्र सहित पूरे शहर में पैदल मार्च किया। सीओ संभल आईपीएस आलोक भाटी और असमोली सीओ कुलदीप कुमार थाना पुलिस के साथ संवेदनशील इलाकों में गश्त करते रहे। जामा मस्जिद क्षेत्र में इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह और चौकी इंचार्ज आशीष तोमर भी तैनात रहे। नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग शांतिपूर्वक अपने घरों को लौट गए। जामा मस्जिद और आसपास के हिंसा प्रभावित क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग पुलिस-प्रशासन द्वारा लगातार की जाती रही। जामा मस्जिद से नमाज अदा कर बाहर निकले इमरान ने बताया कि जामा मस्जिद में करीब एक हजार से ज्यादा लोगों ने जुमे की नमाज अदा की। उन्होंने कहा कि भाईचारा बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है, इसलिए किसी को भी ऐसा बयान नहीं देना चाहिए जिससे माहौल खराब हो।

कश्मीरी सुरक्षा कर्मियों और कर्मचारियों का हो रहा सत्यापन

● जिले की विभिन्न फैक्ट्रियों और संस्थानों में 59 कश्मीरी मिले

संभल, अमृत विचार: दिल्ली ब्लास्ट में कश्मीर कनेक्शन सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश में जांच एजेंसिया व खुफिया सक्रिय है। संभल जिले में कश्मीरी मजदूरों और सुरक्षा कर्मियों का सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। अब तक जिले की विभिन्न फैक्ट्रियों और संस्थानों में 59 कश्मीरी मजदूर व सुरक्षाकर्मी कार्यरत मिले हैं।

संभल के चिमयावली क्षेत्र फ्रोजन मीट फैक्ट्री में सुरक्षा का काम जम्मू कश्मीर की टाइटल सिक्योरिटी कंपनी द्वारा संभालने की बात सामने आई है। इस कंपनी से जुड़े 39 सुरक्षा कर्मी व गार्ड तैनात हैं। सभी सुरक्षा गार्ड कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलों के निवासी बताए जा रहे हैं। बंद पड़ी फ्रोजन मीट फैक्ट्री में कश्मीर के पूंछ जिले का एक सुरक्षा कर्मचारी तैनात है। वहीं दूसरी बंद फ्रोजन फैक्ट्री में जम्मू कश्मीर के पुंछ जनपद के 4 सुरक्षा कर्मी तैनात होने की बात सामने आई है। खुफिया विभाग यहां काम कर रहे कश्मीरी मजदूरों और सुरक्षा कर्मचारियों का सत्यापन करने में जुटा है। जनपद के एक शुगर मिल में 15 कश्मीरी मजदूरों के काम करने की बात सामने आई है। मिल प्रबंधन ने उनकी जानकारी पुलिस को दे दी है। अभी कई और ऐसे संस्थान हो सकते हैं जहां कश्मीर के सुरक्षा कर्मचारियों व मजदूरों की तैनाती हो सकती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई एक सामान्य सुरक्षा प्रक्रिया के तहत की जा रही है।

सिटी डायरी

दुःख और कष्टों से मुक्ति ईश्वर की सेवा में निहित

चंदौसी, अमृत विचार : कैथल गेट स्थित श्री देवी गंगा मंदिर में जारी 17 दिवसीय श्री अन्नपूर्णा व्रत महोत्सव के तेरहवें दिन माता अन्नपूर्णा का वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पंचामृत अभिषेक किया गया। पंडित मनोज शर्मा एवं प्रवेश शर्मा ने विधिवत रूप से माता का स्नान कराकर भव्य श्रृंगार एवं पूजन संपन्न कराया। कथा व्यास पंडित भूदेव शंखधार ने कहा कि दुःख और कष्टों से मुक्ति ईश्वर की सेवा में निहित है। उन्होंने कहा कि युधिष्ठिर द्वारा भगवान श्रीकृष्ण से पूछे गए प्रश्न मनुष्य को दुख किस कर्म से मिलता है और सुख किस कर्म से, का समाधान भगवान ने अन्नपूर्णा माता की सेवा को श्रेष्ठ बताते हुए किया। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता जानकी और लक्ष्मण ने कठिन दिनों में भी धैर्य और धर्म का पालन किया। पूजा, शारदा, सरलारानी, साधना, दीपिका, बंसी बाबू, विजय, गोपाल, महादेवी, रीता, जावित्री, उषा, रचना, अग्रवाल, रामदेवी, कुमकुम, लक्ष्मी, जगदीप, कृष्णा, पुष्पा, सरोजिनी, रश्मि, लीला, बटी, निर्मला देवी, सर्वेश, नितिन, आरती, राजरानी, उर्मिला, शीला देवी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति के आवेदन समय से किए जाएं निस्तारित

बहजोई,अमृत विचार :डीएम ने जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों व छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना में जनपद की धीमी प्रगति कम होने पर नाराजगी व्यक्त की। विद्यालयों के प्रतिनिधि व नोडल अधिकारियों को प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम राजेंद्र पैंसिया ने महाविद्यालय विद्यालय तथा नोडल अधिकारियों से समीक्षा की। सीडीओ गोरखनाथ भट्ट ने कहा कि अन्य जनपदों की तुलना में जिले में अग्रसारण की गति बहुत धीमी है। जिससे रैंक नीचे जाने की आशंका बढ़ गई है। सीडीओ ने सभी प्रधानाचार्यों व नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया कि जितना भी डाटा लंबित है, उसे जांच के बाद अपनी लागिन आईडी से तत्काल आगे बढ़ाएं और इस कार्य को पूरी गंभीरता के साथ पूरा करें। डीएम ने कहा कि इस मामले में किसी प्रकार की लापरवाही न करें। डीआईओएस सर्वेश कुमार, समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, अधिकारी व विभिन्न विद्यालय तथा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण धुरी

संभल, अमृत विचार : एमजीएम कॉलेज में मिशन शक्ति के तहत सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश और एंटी रोमियो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एंटी रोमियो प्रभारी एसआई सुधीर कुमार ने कहा कि नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण धुरी माना जाता है। जब देश की प्रत्येक बेटी, बहन और माता सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त होगी, तभी भारत विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में मजबूती से स्थापित होगा। कार्यक्रम में शिवांगी, कनक, सपना सागर, प्रदीप यादव, नेहा, शिवानी, वंशिका कुमारी सहित लगभग 40 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विजयलक्ष्मी शर्मा ने कहा किसी छात्रा को किसी प्रकार की समस्या आती है, तो एंटी रोमियो टीम, महाविद्यालय की शिक्षिकाएं और 1090 की मदर एंजिल टीम हमेशा सहायता के लिए उपलब्ध रहेगी। डॉ. अनुभा गुप्ता, डॉ. अर्चना बंसल, डॉ. हुमा फातिमा, डॉ. जोहरा, महिला आरक्षी वर्षा रानी और एचजी रश्मि पाल उपस्थित रहीं।

ममता बनर्जी को हराना आसान नहीं: इकबाल महमूद

संभल, अमृत विचार : सपा विधायक इक़बाल महमूद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को हराना आसान नहीं है। वह धरती से जुड़ी, मेहनती और मजबूत नेता हैं। मोहल्ला मियां सराय स्थित आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में इकबाल महमूद ने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार को बदनाम करने के लिए गवर्नर, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री तक लगे हुए हैं। इक़बाल महमूद ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने हिंदुस्तान की नींव मजबूत की। आज कुछ लोग अपने नाम का ढोल पीटते हैं, जबकि उन्होंने किया क्या। उन्हें बना-बनाया सब मिल गया और अब बेचने-खाने में लगे हैं।

युवक ने ट्रेन से कटकर दी जान, नहीं हो सकी पहचान

जानकारी लेते जीआरपी और आरपीएफ के जवान। ● अमृत विचार

संभल/चंदौसी,अमृत विचार: शुक्रवार दोपहर एक युवक ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली।

बापूधाम मोतिहारी ट्रेन बिहार से आनंद विहार दिल्ली की ओर जा रही थी। तभी एक युवक अचानक फाटक की दिशा से दौड़ता हुआ आया और पटरी पर बैठ गया। ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जीआरपी और आरपीएफ मौके पर पहुंची और शव को ट्रैक से हटवाया। पुलिस ने तलाशी ली तो युवक के पास से कुछ रुपये मिले, लेकिन कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिला। जीआरपी थाना प्रभारी अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष है। उसने सफेद शर्ट और नेवी ब्लू पैंट पहन रखी थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पहचान के प्रयास जारी हैं और आसपास के सभी थानों में फोटो भेज दी गई है।

वैश्य समाज राष्ट्र निर्माण का आधार

● अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की बैठक में हुई संगठनात्मक चर्चा

संवाददाता,चंदौसी

पदाधिकारियों के साथ वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने संगठन के पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक बैठक कर वैश्य समाज की ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूमिका पर प्रकाश डाला।

अशोक अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज सदियों से सामाजिक चेतना, आर्थिक समर्पण और राष्ट्रनिर्माण का महत्वपूर्ण आधार रहा है। स्वतंत्रता के लिए समाज ने न केवल स्वयं युद्ध लड़ा बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों का सहयोग करते हुए आर्थिक योगदान दिया। उन्होंने बताया कि संकट और आपदा के समय वैश्य समाज हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का नारा समाज की मूल पहचान रही है। अग्रवाल ने कहा कि आज संगठन देशभर के वैश्य उपवर्गों को जोड़कर समाज के हित में कार्य कर रहा है।

आने वाले समय में वैश्य समाज राजनीतिक सक्रियता बढ़ाते हुए अपनी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करेगा, ताकि समाज के उत्थान और प्रगति को नई दिशा मिल सके।संचालन क्षेत्रीय महामंत्री गिरीश रतन ने किया।

युवा प्रदेश अध्यक्ष अमित वार्ष्णेय डीआर, अरुण अन्नू रतन, उमेश शौली, अर्चित अग्रवाल, नितिन रहोली, अमित मित्तल, ओमप्रकाश गोगी, तुषार वार्ष्णेय, अनुपम अग्रवाल, भारत अग्रवाल, सार्थक अग्रवाल, अवनेश कौशल, दीपक गुप्ता सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद, शनिवार, 22 नवंबर 2025 अमरोहा

सिटी ब्रीफ

रात में काटे 5 हरे-भरे आम के पेड़

हसनपुर,अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव रामपुर भूड़ की मढियों के निकट तहसील मार्ग पर स्थित पांच विशाल हरे-भरे आम के पेड़ों को माफियाओं ने रात में काट लिया। वन विभाग की नाक के नीचे अवैध कटान जारी है। अभी दो दिन पहले ही यहाँ से महज 200 मीटर की दूरी पर मुंसिफ कोर्ट के पास भी तीन पेड़ काट दिए गए थे। वन दरोगा पलटराम का कहना है कि मामले की जांच चल रही है और जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कक्षा 8 की छात्रा से दुष्कर्म

हसनपुर,अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में कक्षा 8 की छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में श्रीमद् भागवत कथा सुनकर छात्रा घर जा रही थी। आरोपी ने उसे दबोच लिया और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। मामला चार दिन पुराना बताया जा रहा है। लोक-लाज और डर के कारण शुरुआत में मामला दबा रहा, लेकिन अब यह पुलिस तक पहुंच गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस जांच कर रही है।

द विजन लाइब्रेरी का उद्घाटन

सैदनगली,अमृत विचार : नगर पंचायत सैद नगली में द विजन लाइब्रेरी का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री अभिनव कौशिक व प्रधानाचार्य फरमान हैदर ने किया। दानिश बाकरी, सुहैल हैदर, प्रधानाचार्य फरमान हैदर, बिट्टू उर्फ शोएब राजा, कुमैल असगर, सभासद फजले अब्बास, डॉक्टर शादाब अली, कुलदीप प्रधान, दयानंद चौधरी, दीपक त्यागी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे। अभिनव कौशिक ने कहा कि लाइब्रेरी युवाओं और छात्रों को बेहतर पढ़ाई का माहौल मुहैया कराएगी।

जवान को व्हाट्सएप लिंक भेजकर ठगा

बरेली, अमृत विचार : सेना के जवान को व्हाट्सएप लिंक भेजकर साइबर ठगी कर ली गई। अज्ञात नंबर से आए लिंक खोलने के बाद उसके खाते से पैसे कट गए। पीड़ित ने कैंट थाने में शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई है। 130 साटा रेजिमेंट निवासी विवेगनातन ने कैंट थाने में दी तहरीर में बताया कि 12 नवंबर की सुबह उनके व्हाट्सएप पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने एक लिंक भेजा। जैसे ही उन्होंने लिंक ओपन किया, उनके बैंक खाते से लगातार तीन ट्रांजेक्शन हो गए, जिसमें पहली बार में 73 हजार, दूसरी बार में 35 हजार और फिर 27 हजार रुपये कट गए।

शेखूपुर झकड़ी में बुखार का कहर, हर घर में मरीज

संक्रामक रोगों ने पसारे पांव, हर दूसरा ग्रामीण बुखार की चपेट में

- घरों में ही मरीजों को लगाई जा रही ड्रिप
- स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगा रहे ग्रामीण

संवाददाता,हसनपुर

घर में ही मरीजों को लगाई गई ड्रिप। ● अमृत विचार

चारपाई पर लेटा मरीज। ● अमृत विचार

अमृत विचार: क्षेत्र के एक गांव में बुखार के कहर से ग्रामीण हलकान हैं। घरों में ही मरीजों को ड्रिप चढ़ाई जा रही है।

हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव शेखूपुर झकड़ी में संक्रामक बीमारियों ने पैर पसार लिए हैं। पिछले एक महीने से गांव की लगभग आधी आबादी बुखार से ग्रस्त है। हर दूसरे घर में चारपाई पर मरीज लेटे हुए नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण गांव में गंदगी है। गांव की नालियां गन्दगी से अटी पड़ी है और गंदे पानी में मच्छर पनप रहे हैं। एक महीने से बुखार के प्रकोप के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की नींद नहीं टूटी है। अब तक गांव में न तो कोई मेडिकल कैंप लगाया गया है, न ही दवा का छिड़काव हुआ है। न ही कोई डॉक्टरों की टीम जांच के लिए पहुंची है। बीमार लोग निजी डॉक्टरों के पास जाने को मजबूर हैं। गांव में नीरज, प्रियांशी, अनूप ,सेबी ,कृष्णा, महेश, रामवीर मानवी राजेंद्र मनोज,देवराज, राजेंद्र, सरगम, दिव्या, रोशन, रचना, नीतू, धर्मवीर, हर्षित, दीपक, सोनू, बिरमो, हरबती ,दयावती, अंकित, रजनी, विक्रम, माया, होली, सूरजमुखी, पवित्र, गुरप्रीत, अभिषेक, धर्मवीर, महेंद्र ,रिंकू ,मनु ,छाया, कैलाश, खचेडू ,नन्ही, तनिष्क, सतपाल, कमलेश, काजल, करनपाल, रिंकी, बबीता, एकांत, चरनजीत, बबली आदि बुखार से पीड़ित हैं।

सभी मतदाता गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को दें

अमरोहा,अमृत विचार: जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम निधि गुप्ता वत्स ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। मतदाताओं से अपील करते हुए चुनावी प्रकिया में पारदर्शिता और सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु सभी मतदाता अपना गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा करा दें। ताकि उनका मताधिकार सुरक्षित रह सके। उन्होंने बताया कि गणना प्रपत्र के भरने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया ताकि सभी मतदाता आसानी से फॉर्म भर सकें। कहा कि यह मतदाता सूची के सत्यापन व सुधार की प्रक्रिया चल रही है। प्रथम चरण का कार्य 4 दिसम्बर तक पूर्ण होना है। यह सूचित किया जाता है कि यदि किसी मतदाता का एक से अधिक स्थान पर मतदाता सूची में नाम दर्ज है तो उसे एक से अधिक गणना प्रपत्र प्राप्त होंगे। इसके बाद नोडल अधिकारी ने संयुक्त जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक में स्थापित रैन वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट और नंदन वन में वृक्षारोपण किया निरीक्षण किया। वैज्ञानिक केंद्रीय भूमि जल बोर्ड रहमान, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, सहायक अभियंता लघु सिंचाई सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कबड्डी में बुरावली की टीम ने मारी बाजी

- बालक वर्ग दौड़ में गोलू एवं बालिका वर्ग में शिवी आए प्रथम

संवाददाता, हसनपुर

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को सैन्ट एंथोनी पब्लिक स्कूल रहरई के मैदान पर किया गया। आरंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार,जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह, कालेज के निदेशक राय मैथ्यू ने किया।

प्राथमिक स्तर बालक वर्ग 50 मीटर दौड़ में गौरव प्राथमिक विद्यालय छपना प्रथम व रोहित प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर द्वितीय स्थान पर रहा। 100 मीटर दौड़ में रवि प्राथमिक विद्यालय दूल्हेपुर अहीर प्रथम व सुनील संविलियन विद्यालय मरौरा द्वितीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ में प्रदीप प्राथमिक विद्यालय जीवपुर प्रथम व मोहित प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर अधेक द्वितीय स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में 50 मीटर दौड़ में दीपिका प्राथमिक विद्यालय दढियाल प्रथम व काजल प्राथमिक विद्यालय खैलिया की मढैय्या द्वितीय स्थान पर रही। 100 मीटर दौड़ में मंजू प्राथमिक विद्यालय रहरई प्रथम व सिदरा प्राथमिक विद्यालय शकरगढी द्वितीय स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ में काजल प्राथमिक विद्यालय खैलिया की मढैय्या प्रथम व मधु प्राथमिक विद्यालय रहरई द्वितीय स्थान पर रही। कबड्डी में संविलियन विद्यालय बुरावली की टीम प्रथम एवं संविलियन विद्यालय दढियाल की टीम द्वितीय स्थान पर रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह, जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार, जिला मंत्री एससी एसटी शिक्षक संघ जगवीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, पवन अग्रवाल,नरदेव सिंह,चन्द्रपाल सिंह, हेमराज कोहली, बिजेंद्र सिंह,ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, गौरव नागर, भाजपा नेता मयंक अग्रवाल, राघवेन्द्र सिंह, विरेन्द्र चौधरी, नौबहार सिंह,संदीप कुमार ,महताब उद्दीन,डा. राजेन्द्र प्रसाद,खेल प्रभारी गौतम सिंह,जयवीर सिंह, बिजेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार, संजय सिंह, संजीत यादव,सुधीर चंद कटारिया,अमित कुमार,प्रदीप कुमार,राहुल सागर आदि मौजूद रहे।

सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

- निर्माणाधीन 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं की भी समीक्षा

अमृत विचार: सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र ने कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम और जनपद में निर्माणाधीन 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की।

सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर फीड होने वाले समस्त आंकड़ों को समयबद्ध एवं सटीक रूप में अपडेट किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। विकास एवं निर्माण कार्यों को समय से पूरा कराया जाए। पूर्ण परियोजनाओं को सीएमआईएस पोर्टल पर भी अपलोड किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएं कार्य को प्राथमिकता दें और तेजी लाकर उसे पूर्ण करें। बैठक में जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, उप कृषि निदेशक राम प्रवेश, अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया आदि उपस्थित रहे।

अजब सिंह बने बसपा के मुरादाबाद जोन प्रभारी

हसनपुर, अमृत विचार: बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर अमरोहा की विधानसभा हसनपुर के गांव दीपपुर निवासी अजब सिंह एडवोकेट को जोन प्रभारी मुरादाबाद मंडल के पद पर मनोनीत किया। अजब सिंह एडवोकेट बहुजन समाज पार्टी के विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं। अजब सिंह ने कहा बहन जी ने जो अहम जिम्मेदारी मुझ पर विश्वास करके सौंपी है वह उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे और पार्टी को मजबूत करने में अपना अहम योगदान देंगे। 2027 में उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनेगी।

अजब सिंह।

पत्नी के हत्यारे पति को उम्रकैद, कोर्ट ने 50 हजार का जुर्माना लगाया

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- पत्नी को जहर खिलाकर हत्या करने का मामला

अमृत विचार : पत्नी को जहर खिलाकर हत्या करने के दोषी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 50 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया है।

यह घटना 27 अप्रैल 2022 को हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव मटैना की है। सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव तरारा निवासी किसान जसवंत सिंह ने 20 मई 2013 को अपनी बेटी मानवती की शादी गांव मटैना के रहने वाले बलराम के साथ की थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग मानवती को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। मायके से कार दिलाने का दबाव बनाते थे। प्रताड़ना के बीच मानवती ने दो बेटे और एक बेटी को जन्म दिया। विवाद के बीच दोनों पक्षों में कई बार पंचायतें भी हुईं लेकिन मामला नहीं निपटा। 27 अप्रैल 2022 को जसवंत सिंह अपने भाइयों के साथ मानवती को लेकर ससुराल पहुंचे और दामाद बलराम को समझाने का प्रयास किया लेकिन बलराम ने उनके सामने ही मानवती की पिटाई की। ग्रामीणों ने दोनों पक्षों को समझाकर विवाद निपटा दिया गया। इसके बाद जसवंत सिंह बेटी को सुसराल छोड़ लौट आए। उसी दिन शाम में करीब छह बजे बलराम ने मानवती को जहर खिला दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

मायके पक्ष के लोग जब मौके पर पहुंचे तो बलराम समेत अन्य ससुराल वाले घर से भाग चुके थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया तो रिपोर्ट में जहर के सेवन के बाद मुंह दबाकर हत्या की पुष्टि की। मामले में जसवंत सिंह ने बलराम समेत ससुराल पक्ष के सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बाद में पुलिस ने बलराम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था तभी से वह जेल में है। पुलिस ने विवेचना में छह आरोपियों के नाम निकालकर सिर्फ बलराम के खिलाफ हत्या की धाराओं में आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई एफटीसी प्रथम की अदालत में विचाराधीन थी। गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने पत्रावली व साक्ष्यों का गहनता से अवलोकन करते हुए मानवती की हत्या में पति बलराम को दोषी करार दिया था। शुक्रवार को अदालत ने सजा सुनाई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता संजीव चौधरी ने बताया कि दोषी बलराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

शहर की सड़कों की हालत जर्जर, चलना हो रहा दूभर

गजरौला,अमृत विचार: शहर की सड़कों की स्थित जर्जर बनी हुई है। नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्ला आजाद नगर में यह पता ही नहीं लगता है कि सड़क पर चल रहे हैं या गड्ढों में। रात मेंअक्सर हादसा होने का खतरा बना रहता हैं। बस्ती मार्ग की स्थिति काफी खराब है। सबसे ज्यादा परेशानी साइकिल सवार स्कूली बच्चों को उठानी पड़ती है। इन बच्चों की साइकिल का पहिया सड़क में बने गड्ढे में जाने पर गिरकर घायल हो जाते हैं। इसके बाद नगर पालिका प्रशासन द्वारा इन सड़कों को सुध नहीं ली जा रही है। जबकि लोग कई बार सड़कों को दुरुस्त कराने व निर्माण कराने की मांग कर चुके हैं। सबसे ज्यादा परेशानी रात को होती है। ईओ ललित आर्य ने बताया कि जल्दी की गड्ढों को भरवाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

नगर के मुख्य बाजार में जाम में घंटों फंसे रहे लोग

मेन बाजार में जाम में फंसे लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: नगर के मेन बाजार में घंटों जाम लगने के कारण लोग परेशान हुए। स्थानीय व्यापारियों द्वारा बड़ी मुश्किल से जाम को खुलवाया और यातायात चालू करवाया।

नगर वासियों को जाम की समस्या से निजात मिलती नजर नहीं आ रही है। शुक्रवार को नगर के मेंन बाजार जनकपुरी पर दोपहर बाद भीषण जाम लग गया। जिसके कारण घंटों राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लगातार व्यापारी संगठनों द्वारा जाम की समस्या से निजात दिलाने की मांग की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों द्वारा इस और कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा। व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के प्रदेश महामंत्री मुकेश गुप्ताने बताया कि पुलिस क्षेत्र अधिकारी से वार्ता की गई है उनके द्वारा जल्द निस्तारण करने का आश्वासन दिया गया है।

ऐथलेटिक्स में बच्चों का शानदार प्रदर्शन

- अधिकारियों ने विजेता बच्चों को किया पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

विजेताओं को पुरस्कृत करते अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भारतीय ऐथलेटिक्स महासंघ एवं जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वाधान में अंडर 14 एवं 16 आयु वर्ग की बालिकाओं के टेलेंट सर्च हेतु अस्मिता ऐथलेटिक्स लीग का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम मालीखेड़ा में किया गया।

प्रतियोगिता का आरंभ अंतरराष्ट्रीय ऐथलीट सुनीता दहिया क्षेत्राधिकारी मुरादाबाद नगर एवं मुख्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार के द्वारा किया गया। भाला फेंक में पलक ने प्रथम स्थान व आयुषी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, गोला फेंक में प्रियांशी ने प्रथम स्थान व सोनिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, चक्का फेंक में जूही ने प्रथम स्थान व नीति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, ऊंची कूद में शबाना ने प्रथम स्थान व प्रियंका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के माध्यम से जनपद एथलेटिक्स एसोसिएशन अमरोहा के महासचिव प्रभाश चंद त्यागी ने सभी बच्चों को कड़ी मेहनत के साथ खेलों में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। समापन अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा सभी विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संचालन ओलंपिक एसोसिएशन महासचिव डाक्टर एमपी शर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकांत त्यागी, डॉ वीरेंद्र सिंह, राजदीप सिंह, हरविंदर सिंह उर्फ विक्की, रणदीप सिंह, दुष्यंत कुमार ,ओमकारी गुर्जर,नितिन चौधरी, अमित कुमार, निहाल सक्सेना, आंचल, रिषिका, सचिन कुमार आदि उपस्थित रहे।

सिटी डायरी

संगठन विस्तार से लेकर तमाम मुद्दों पर की चर्चा

संवाददाता, हसनपुर, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन बीआरएसएस भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह अधाना के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन विस्तार से लेकर आपस में चले आ रहे मनमुटाव को दूर करते हुए जिला अध्यक्ष अमरोहा दीपक गुर्जर एवं प्रदेश प्रवक्ता निजाम प्रधान ने संगठन को मजबूती देने के साथ-साथ एकजुट होकर किसान व आवाम के हित में कार्य करने की बात कही। मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत राष्ट्रीय सेवक संघ (समन्वय अधिकारी) प्रो. विनोद नागर, राष्ट्रीय अध्यक्ष भाकियू (बीआरएसएस) अशोक कुमार अधाना, प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह अधाना, जिला अध्यक्ष अमरोहा दीपक गूर्जर, जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, प्रदेश प्रवक्ता निजाम प्रधान, जिला उपाध्यक्ष संभल मिंकू चौधरी, जिला अध्यक्ष बिजनौर पवन हर्षयाना, सोमपाल सिंह हर्षयाना, विशंभर प्रधान आदि लोग उपस्थित रहे।

साप्ताहिक खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हसनपुर,अमृत विचार : नगर के मुहल्ला होली चौक स्थित जीडी एकैडमी में साप्ताहिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी से लेकर यूकेजी के बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान दौड़, चम्मच दौड़, बलून दौड़, कुर्सी दौड़ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अंत में विजई बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने बताया कि समय-समय पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है जिससे बच्चों का शारीरिक विकास होता है।

स्पेशल बैक परीक्षा में फेल विद्यार्थियों को एक और मौका

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-25 की स्पेशल बैक परीक्षा में फेल छात्रों को एक और मौका दिया है। परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार के मुताबिक ऐसे छात्र जिन्होंने बैक परीक्षा का फार्म भरकर परीक्षा दी और फेल हो गए और जिन्होंने परीक्षा नहीं दी वह मुख्य परीक्षा वर्ष 2026 के स्नातक स्तर पर विषम सेमेस्टर में सिर्फ केवल पंचम सेमेस्टर और स्नातकोत्तर स्तर पर सिर्फ तृतीय सेमेस्टर बैक परीक्षा के आवेदन 22 नवंबर से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन भर सकेंगे। छात्रों को 27 नवंबर तक फार्म भरने होंगे और भरे हुए फार्म 28 नवंबर तक महाविद्यालय में जमा करने होंगे। महाविद्यालयों को भरे हुए फार्म 29 नवंबर तक ऑनलाइन जमा करने होंगे। स्नातक और स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर वर्ष मुख्य परीक्षा 2026 के फार्म भरने की तिथि अलग से जारी की जाएगी।

एसआईआर के बूथ स्तर पर कार्यों की समीक्षा की

संवाददाता, सैदनगली,अमृत विचार : नगर पंचायत सैदनगली कार्यालय में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत बूथों पर चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक में कार्य की प्रगति का जायजा लिया गया तथा शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए।अध्यक्षता क्षेत्रीय महामंत्री पश्चिमी उत्तर प्रदेश हरीश ठाकुर एवं जिला महामंत्री भाजपा अभिनव कौशिक ने की। नेताओं ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए अभियान को अंतिम तिथि से पूर्व पूर्ण करने का आह्वान किया। मण्डल अध्यक्ष उज्ञारी कल्याण सिंह सैनी, विधानसभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, विधानसभा प्रभारी हसनपुर शुभम जालान, सेक्टर संयोजक सुखा सिंह खड़कवंशी, विधानसभा सह-संयोजक हिमांशु त्यागी, सभासद अमित भाटी, भगवत खड़कवंशी, मेहरबान, जगपाल कटारिया, शेरपाल सिंह गुर्जर, नीटू भाटी, गजेंद्र भाटी, जगदीश सैनी, डॉ. रूमाल सिंह सैनी, कुलदीप, भूरे चौधरी, नरेश खड़कवंशी, अरुण भाटी, हिमांशु चौधरी, प्रशांत कश्यप आदि रहे।

वक्फ संपत्तियों को जल्द उम्मीद पोर्टल पर कराएं दर्ज

बरेली, अमृत विचार : दरगाह आला हजरत से वक्फ संपत्तियों को जल्द से जल्द उम्मीद पोर्टल पर दर्ज कराने की अपील की गई है। दरगाह के सज्जादानशीन अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) ने कहा कि वक्फ संपत्तियों को दर्ज करने की प्रक्रिया सरकार की ओर से उम्मीद पोर्टल पर चल रही है।

उन्होंने कहा कि जिन मुतावल्लियों या जिम्मेदारों ने अब तक इस पोर्टल पर अपनी वक्फ संपत्ति दर्ज नहीं कराई है वो 5 दिसंबर से पहले दर्ज करा लें। क्योंकि वक्फ संपत्तियां हमारे बुजुर्गों की निशानी हैं। इसकी हिफाजत और रखरखाव का जिम्मा भी हम सब का है। दरगाह से जुड़े नासिर कुरैशी ने बताया कि किसी मुतावल्ली को कहीं कोई दिक्कत आती है तो टीटीएस के फैज मंसूरी, इशरत नूरी, आलेनबी या दरगाह स्थित टीटीएस कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं।

नगर निकायों में आधुनिक मांस विक्रय व प्रसंस्करण ढांचा सीमित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) में भारतीय मीट विज्ञान संघ का 13 वां राष्ट्रीय सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन शुक्रवार को हुआ। मुख्य अतिथि सीआईआरजी मखदूम के निदेशक डॉ. मनीष कुमार चाटली ने मांस क्षेत्र में मौजूद चुनौतियों, अवसरों और आवश्यक सुधारों पर प्रकाश डाला। बताया कि देश में 3742 पंजीकृत और 89 स्वीकृत स्लॉटर हाउस होने के बावजूद गुणवत्ता, निगरानी और अवसंरचना की स्थिति अभी असमान है। भारत के सात लाख से अधिक गांवों और 10 लाख से अधिक नगर निकायों में आधुनिक मांस विक्रय और प्रसंस्करण ढांचा अत्यंत सीमित है।

संयुक्त निदेशक डॉ. एस. के. मेंदीरत्ता ने कहा कि पहले इस क्षेत्र में लड़कियों की भागीदारी कम देखने को मिलती थी, किंतु अब अधिकतम छात्राएं मांस विज्ञान के क्षेत्र में आगे आ रही हैं, जो सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। आने वाले पांच से दस साल में भारत को नए बाजारों में मांस निर्यात बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना होगा। डॉ. विकास पाठक ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे निरंतर सीखते रहें, उत्कृष्टता हासिल करें और मीट विज्ञान के उभरते अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं। डॉ. एआर सेन ने कहा कि सम्मेलन में प्राप्त सुझावों और संस्तुतियों को संबंधित मंत्रालयों को भेजा जाएगा। संचालन डॉ. गौरी जैरथ ने किया।

अपूर्ण विवरण होने पर भी जमा करें गणना प्रपत्र

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

- आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हुई ऑनलाइन सेवाएं
- सभी पार्टिया अपने बीएलए बूथों पर तैनात करें

अमृत विचार: अपर जिला निर्वाचन अधिकारी वान्या सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित शंकाओं और समस्याओं को विस्तार से सुना तथा उनका समाधान प्रस्तुत किया।

उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ स्तर अभिकर्ताओं की अनिवार्य तैनाती करें, ताकि बूथ स्तर अधिकारियों को सहयोग मिल सके और पुनरीक्षण कार्य में अपेक्षित प्रगति लाई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी मतदाता के पास संपूर्ण विवरण उपलब्ध नहीं है, तो वह अपना नाम, माता-पिता का नाम और मोबाइल नंबर भरकर प्रपत्र जमा कर सकता है। मसविदा प्रकाशन के बाद शेष अभिलेख प्रस्तुत कर प्रपत्र को पूरा किया जा सकता है। उन्होंने अपील की कि सभी मतदाता विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई ऑनलाइन सुविधाओं का उपयोग करें और अपने आवेदन पत्र स्वयं भी भरकर अपलोड करें, ताकि निर्वाचन से जुड़ी प्रक्रियाओं में गति आ सके।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली में अब अंतर्राष्ट्रीय मानक वाला ट्रैक

बरेली के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तैयारी के लिए स्पोर्टस स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण पूरा हो चुका है। ट्रैक का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिस पर 9.34 करोड़ रुपये की लागत आई है। 400 मीटर लंबे इस ट्रैक का निर्माण मार्च 2024 में शुरू हुआ था। ट्रैक एक विशेष प्रकार का कृत्रिम रूप से निर्मित रनिंग ट्रैक होता है, जिसे एथलीट्स के प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाता है। यह ट्रैक आमतौर पर रबर ग्रेन्यूल्स और पॉलीयुरेथेन की कई परतों से बना होता है, जो इसे लचीला, टिकाऊ और झटकों को अवशोषित करने योग्य बनाता है। यह सतह एथलीट्स को बेहतर ग्रिप, स्थिरता और गति प्रदान करती है, जिससे परफॉर्मेंस में सुधार होता है और चोट का खतरा कम होता है। किसी भी मौसम में उपयोग किया जा सकता है। मिट्टी या घास के ट्रैक की तुलना में अधिक टिकाऊ व सुविधाजनक होता है।

■ खिलाड़ियों को मिलेंगे ये लाभ

स्पोर्टस स्टेडियम में करीब 400 खिलाड़ी रोजाना प्रैक्टिस करते हैं। इसमें एथलेटिक्स, लॉग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, ट्रिपल जंप, शॉर्टपुट, जैबलिन और हर्डल रेस आदि की प्रैक्टिस करने वाले खिलाड़ियों को सिंथेटिक ट्रैक बनने से काफी फायदा मिलेगा। वह अपनी प्रैक्टिस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से करेंगे। साथ ही इनके खेल स्तर में भी सुधार होगा।

■ सिंथेटिक ट्रैक पर होने वाले गेम्स

एथलेटिक्स, लॉग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो, ट्रिपल जंप, शॉर्टपुट, जैबलिन, हर्डल रेस।

> आठ लेन वाला यह सिंथेटिक ट्रैक जनपद ही नहीं अपितु मंडल में सबसे शानदार होगा। अप्रैल 2025 में ही प्लेयर्स इस पर दौड़ना शुरू कर देंगे। राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी करेंगे। खिलाड़ियों के लिए यह ट्रैक सौगात होगी।
> – **जितेंद्र यादव**, आरएसओ स्पोर्टस स्टेडियम बरेली

कामयाबी की मिसाल हैं रिदम अब फोकस ओलंपिक पर

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है। पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है. ये कहावत तो आपने खूब सुनी होगी, लेकिन बरेली की पैरा एथलीट रिदम शर्मा ने इसे सच कर दिखाया। 18 साल की रिदम बचपन से न बोल सकती है और न सुन सकती है, फिर भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीत चुकी है। रिदम की कहानी सिर्फ पदकों की नहीं, बल्कि जज्बे, संघर्ष और प्रेरणा की कहानी है। उन्होंने साबित किया है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी असमर्थता सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती। रिदम ने उन लोगों के लिए मिसाल कायम की है जो दिव्यांग हैं। अब रिदम का एक ही सपना है ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाना। 2023 में इंदौर में हुई 35वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 200 मीटर, 100 और 400 मीटर दौड़ में पदक जीते। 2024 में अंतर्राष्ट्रीय गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर नाम रोशन किया। कुआला लंपुर मलेशिया में एशियाई डीफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर मिक्स रिले और 4&400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक, जबकि 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक अपने नाम कर इतिहास रच डाला। रिदम ने दो बार राज्य स्तर पर गोल्ड, दो बार राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड और एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीता।

■ रिदम बरेली के बड़ा बाजार इलाके की रहने वाली हैं। उनके पिता अनुकाम शर्मा प्राइवेट नौकरी करते हैं और मां पूनम शर्मा हाउस वाइफ हैं। दोनों ने मिलकर अपनी बेटी के सपने को उड़ान दी। रिदम लिप रीडिंग तकनीक से संवाद करती हैं और 12 साल की उम्र में उन्होंने तय कर लिया था कि वह एथलीट बनेंगी। रिदम के परिवार में एक बड़ी बहन अपूर्वा और छोटा भाई विनायक है।

■ मां पूनम शर्मा ने बताया कि रिदम को बचपन से ही टीवी पर खेल देखने का शौक था। चार से पाच साल की उम्र में रिदम ज्यादा कुछ समझ नहीं पाती थीं, लेकिन टीवी चैनल परिवार में कोई चेंज कर देता तो खुद अपने पसंद का स्पोर्ट चैनल लगा लेती थीं, इसके बाद पेरेंट्स को रिदम की रुचि के बारे में पता चला और सपोर्ट करने लगे।

■ जब रिदम पांच साल की थी तो पेरेंट्स यही सोचते थे कि थोड़ा समय और लगेगा फिर बेटी बोलने और सुनने लगेगी। मगर छह साल बीतने के बाद भी कोई रिस्पांस नहीं मिलता तो डाक्टर को दिखाया गया और पता चला कि वह सुन-बोल नहीं सकती। इलाज के लिए बरेली से लेकर दिल्ली तक गए, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते इलाज नहीं करा पाए।

■ 11वीं की छात्रा रिदम कड़ी मेहनत कर रही हैं। सुबह चार बजे रेलवे ग्राउंड में तैयारी के लिए जाती हैं। मदद कोच अजय कश्यप करते हैं। कालेज की तरफ से भी उन्हें एक घंटे की छूट दी गई है। खुद को फिट रखने के लिए रोजाना करीब 24 किलोमीटर साइकिल द्वारा अपने घर से रेलवे ग्राउंड तक आना-जाना करती हैं।

डोरी लाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय खेलों में कर चुका है मेजबानी

डोरी लाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम या क्षेत्रीय खेल स्टेडियम उत्तर प्रदेश के बरेली में स्थित एक बहुउद्देश्यीय स्टेडियम है। इस मैदान का उपयोग मुख्यत फुटबॉल, क्रिकेट, नेटबॉल, हैंडबॉल, बास्केटबॉल और अन्य खेलों के मैचों के आयोजन के लिए किया जाता है। इस स्टेडियम की स्थापना 1960 में हुई थी और इसने भारतीय महिला क्रिकेट टीम और श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के बीच अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी की है। 2015 में उत्तर प्रदेश सरकार ने पुरुष और महिला खिलाड़ियों दोनों के लिए 400 बिस्तरों वाले एक छात्रावास के निर्माण के साथ-साथ सीढ़ियों के निर्माण के माध्यम से स्टेडियम के कोर को अपग्रेड करने का निर्णय लिया था। अगस्त 2015 में स्टेडियम ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक स्थानीय टी 20 टूर्नामेंट में भारतीय ग्रामीण क्रिकेट लीग की मेजबानी की। स्टेडियम स्थानीय क्रिकेट टूर्नामेंट की भी मेजबानी की कर चुका है।

हॉकी के जादूगर की याद दिलाता है मेजर ध्यानचंद स्टेडियम

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम भी बरेली की शान है, जो हॉकी के जादूगर की याद दिलाता है। कैंट में स्थित यह स्टेडियम भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) का प्रशिक्षण केंद्र है। यह स्टेडियम विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसमें हॉकी और एथलेटिक्स शामिल हैं। हाल के वर्षों में, इसमें सुधार किए गए हैं, जैसे कि सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण शामिल है।

स्टेडियम के सेंट्रल इंचार्ज व एथलेटिक्स कोच संदीप मोहन चौधरी ने बताया कि जनवरी 2007 में 30 साल की लीस पर स्टेडियम लिया गया है। यह कैंटोमेंट बोर्ड से लिया था। इसमें हॉटी, एथलेटिक्स व सेपक टाकरा खेल शामिल है। खिलाड़ियों के लिए छात्रावास की सुविधा भी है। हर साल यहां खिलाड़ियों का चयन होता है। 10-18 साल के खिलाड़ियों के बीच- ट्रायल लिया जाता है। ट्रायल जनवरी व फरवरी में होते है। एसिस्टेंट अभिषेक कुश्वाह ने बताया कि यह स्टेडियम रीजनल सेंटर लखनऊ अंडर में आता है। सेपक टाकरा में खिलाड़ी बॉबी कुमार इंटरनेशन खिलाड़ी है। उनकी बिहार के पटना में पुलिस में दो माह पहले ही नौकरी लगी है। वहीं बिहार के जयवीर सिंह भी इंटरनेशन खिलाड़ी है। सेपक टॉकरा की कोच मीना ने बताया कि आवासीय योजना स्कीम के अंतर सेपक टाकरा के 18 खिलाड़ी, हॉकी के 20 और एथलेटिक्स के 17 खिलाड़ी है।

डरबन वर्ल्ड चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण और दो विश्व रिकॉर्ड

किसी भी ख्वाब को पूरा करने के लिए उम्र मायने नहीं रखती, बल्कि जज्बा और जुनून सबसे बड़ा हथियार होता है। इस कहावत को सच कर दिखाया है बरेली शहर के 75 वर्षीय भगवान बंसल ने, जो उम्र के उस पड़ाव पर खड़े हैं जहां अधिकतर लोग आराम और दवाइयों पर निर्भर हो जाते हैं, लेकिन भगवान बंसल इसके बिल्कुल उलट हैं। वह रोजाना वेट लिफ्टिंग और पावरलिफ्टिंग का अभ्यास करते हैं। अब तक दुनिया के मंच पर भारत का नाम बार-बार रोशन कर चुके हैं। भगवान बंसल ने साउथ अफ्रीका के डरबन में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने पांच स्वर्ण पदक जीतकर और दो विश्व रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। 5 से 9 नवंबर तक साउथ अफ्रीका के डरबन में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भगवान बंसल ने एक बार फिर अद्वितीय प्रदर्शन किया।

सेपक टाकरा लाए थे डॉ. सीरिया

यह खेल बरेली जिले में 1985 में आया। जिसका पूरा श्रेय स्वर्गीय डॉ. एसएम सीरिया को जाता है। यही प्रदेश में इस खेल के जनक हैं। उस समय मेरी उम्र 17 वर्ष थी। आज 57 साल के अंतराल में मैंने इस खेल में बहुत उतार चढ़ाव देखे। प्रदेश में सेपक टकरा लगभग 35 से 40 जिलों में खेला जाने लगा है। खेल के माध्यम से कई सरकारी नौकरियां मिलना, प्रदेश स्तरीय मान्यता और सभी सरकारी स्कूलों में इस खेल को खेला जाना ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। कई खिलाड़ी पोस्ट ऑफिस, इनकम टैक्स, पैरामिलिट्री फोर्स में इसी खेल के माध्यम से नौकरी कर रहे हैं।

खेल की स्थापना एसोसिएशन का गठन

उत्तर प्रदेश में सेपक टकरा खेल को संगठित रूप देने और इसे बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सेपक टकरा संघ की स्थापना 1986 में हुई थी।

संस्थापक : इस संघ की बुनियाद डॉ. एस. एम. सीरिया (Dr. S.M. Siriah) के मार्गदर्शन में रखी गई थी। उद्देश्य : इस संघ का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में इस खेल को जमीनी स्तर पर विकसित करना, विभिन्न जिलों में प्रचार-प्रसार करना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। उत्तर प्रदेश से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और कुछ ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, जैसे साउथ एशियन गेम्स और एशियन गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

हाल ही में हुई चैंपियनशिप

हाल ही में पुरुष व महिला इक्कीसवीं सीनियर सेपक टकरा चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। इससे पहले प्रथम प्रदेश स्तरीय चैंपियनशिप 1989 में बरेली कालेज के मैदान में खेली गई। इसमें भाग लेने वाले जिलों में लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, अमरोहा, पीलीभीत, बागपत, सीतापुर, बदायूं के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करके अपने जिले का नाम रोशन कर रहे हैं।

सेपक टकरा खेल की बुनियाद

सेपक टकरा एक प्राचीन और रोमांचक खेल है जिसे किक वॉलीबॉल भी कहा जाता है। यह खेल फुटबॉल और वॉलीबॉल का मिश्रण है, जिसमें खिलाड़ी बिना हाथ का उपयोग किए अपने पैर, सिर और शरीर का इस्तेमाल कर नेट के ऊपर से गेंद को विरोधी के पाले में गिराने की कोशिश करते हैं।

2000 में भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना

उत्तर प्रदेश में ही दो 2000 भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना साई सेन्टर बरेली में किया गया। इससे पहले सांई सेंटर बरेली बरेली कॉलेज में इस खेल का प्रशिक्षण चला रहा था। मगर यह खेल जो इस समय पूरे उत्तर प्रदेश में लोकप्रियता और ऊँचाइयों को छू रहा है इसका पूरा श्रेय बरेली बरेली कॉलेज के पूर्व क्रीड़ा अधिकारी स्वर्गीय डॉ. एसएम सीरिया को जाता है जो हमारे उत्तर प्रदेश सेपकटाकरा के जनक और भीष्म पितामाह है।

बरेली में नेशनल से इंटरनेशनल स्तर के तैयार हो रहे खिलाड़ी

सिविल लाइंस स्थित पुरानी जेल के पास स्मार्ट सिटी के तहत 11.23 करोड़ की लागत से रायफल क्लब खिलाड़ियों के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर बनाया गया है। यहां यूपी ही नहीं बल्कि कई राज्यों से खिलाड़ी शूटिंग सीखने आते है। कोच का कहना है कि न्यूज रायफल क्लब शुरु हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन खिलाड़ी जिस तरह प्रतिभाग कर रहे है देखकर लगता है कि बरेली को नए कई नेशनल और इंटरनेशल खिलाड़ी मिलने वाले है। रायफल क्लब में खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधा देने के लिए नई बिल्डिंग का निर्माण शुरू किया गया। प्रस्ताव बनाकर भेजा गया, जो 2019 में पास हुआ। इसमें कमिश्नर, डीएम और नगर आयुक्त की महत्वपूर्ण भूमिका रही। न्यू राइफल क्लब को स्मार्ट सिटी ने बनाकर पैसिफिक इंटरप्राइजेज फर्म के सुपुर्द किया। क्लब में इलेक्ट्रॉनिक टारगेट सिस्टम, साउंडप्रूफ रेंज की सुविधा दी गई है। क्लब का उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। क्लब के अधिकारियों ने बताया कि यह क्लब शहर के युवाओं में खेलों के प्रति रुचि जगाने के साथ-साथ उन्हें आत्मरक्षा, अनुशासन और फिटनेस की दिशा में प्रेरित करेगा। पैसिफिक इंटरप्राइजेज फर्म के मालिक आनंद विक्रम और नवल ने बताया कि क्लब में मेरठ, बनारस, राजस्थान समेत कई राज्यों और जनपदों से खिलाड़ी आते है।

इन खिलाड़ियों ने किया गोल्ड -सिल्वर पर कब्जा

यूपी स्टेट शार्ट गन प्रतियोगिता (12 बोर) जयपुर में 30 अगस्त से 7 सितंबर को हुई। इसमें मंतिशा फातमा ने गोल्ड, विराट नाथ चौबे ने दो सिल्वर, फुरखान अली ने सिल्वर, दानिश अहमद ने गोल्ड, सारा ने गोल्ड, मो हसन खां ने ब्रांच मेडल पर कब्जा किया था। वहीं नार्थ जोन की प्रतियोगिता दिल्ली में 25 अक्टूबर से लेकर 31 अक्टूबर को हुई। इसमें मंतिशा फातमा ने गोल्ड और दानिश ने सिल्वर पर कब्जा किया।

आडियो-वीडियो से लेकर लॉकर तक की सुविधा

न्यू रायफल क्लब में खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं का इंतजाम किया है। यहां मेडिकल रूप, आडियो-वीडियो, सीसीटीवी, बेसिक किट रखने के लिए लॉकर, जिम की सुविधा, दिव्यांगों के लिए लिफ्ट, कैफेटेरिया आदि सुविधाएं है। जिस कारण खिलाड़ियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

चाइना वार को देखते हुए खोले गए थे राइफल क्लब

राइफल क्लब के वरिष्ठ अधिकारी बताते है कि जब चाइना से युद्ध की संभावनाएं बन रही थी तब सेना को और मजबूत करने के लिए हर जिले में राइफल क्लब खोले गए थे। ताकि वक्त आने पर खिलाड़ी भारतीय सेना के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल सके। बरेली में राइफल क्लब की स्थापना 9 फरवरी 1962 में हुई थी।

50, 25 और 10 मीटर रेंज

खिलाड़ी सुविधाओं में अच्छा प्रदर्शन कर पाए इसके लिए स्मार्ट सिटी क्लब में खास इंतजाम किए है। फर्म के मालिक ने बताया कि यहां 10, 25 और 50 मीटर एयर पिस्टल की सुविधा है। यूपी में यह अकेली ऐसी रेंज है यहां सभी सुविधाएं है। खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जा रही है।

अमृत विचार

शनिवार, 22 नवंबर 2025

लोगों को हर तरह से सुंदर होना चाहिए- चेहरे में, पहनावे में, विचारों में और स्व अंतरतम में।
-एंटोन चैखव, रूसी लेखक

फिर नीतीश नेतृत्व

बिहार में बंपर बहुमत वाली ऐसी सरकार बनी है, जिसके मुख्यमंत्री के साथ दोनों उप मुख्यमंत्री और कतिपय मंत्री भी पुरानी ही सरकार से हैं। सत्ता का यह समीकरण परोक्षतः राजनीतिक स्थिरता का संदेश देता है, परंतु इसके पीछे जटिल सामरिक मजबूरियां छिपी हैं। युवा, ऊर्जावान चेहरे को आगे न लाने के पीछे यह तर्क दिया जा सकता है कि गठबंधन की राजनीति और जातीय-सामाजिक संतुलन की अनिवार्यता इसकी वजह बनी, लेकिन सही तो यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को रिपीट किए जाने का मतलब है कि भाजपा और जदयू- दोनों ही साझेदार अभी किसी नए चेहरे के प्रयोग का जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं।

सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा का अपना मुख्यमंत्री न देने का निर्णय रणनीतिक है। तत्काल नेतृत्व परिवर्तन से सामाजिक-राजनीतिक असंतुलन उत्पन्न होने का खतरा था, हालांकि नीतीश कुमार के 'अल्पकालिक मुख्यमंत्री' होने की चर्चा आम है। उनके स्वास्थ्य ने आशंका बढ़ाई है कि वे लंबी पारी नहीं खेलेंगे। राजनीतिक मजबूरियों के तहत उन्हें जिम्मेदारी तो मिली है, पर यह भी सच है कि भाजपा भविष्य में बिहार का नेतृत्व अपने हाथ में लेना चाहेगी। फिलहाल नीतीश उसके लिए एक 'ट्रांजिशनल फिगर' की तरह अधिक उपयोगी हैं। बिहार में पिछले डेढ़ दशक में सड़क, बिजली, कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में सुधार हुआ है, परंतु बेरोजगारी, पलायन, उद्योग, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति धीमी रही। राज्य आज भी निवेश आकर्षित करने में पिछड़ा है। 50 लाख करोड़ बाहरी निवेश का वादा राजनीतिक जुमला है। सुरक्षा, कौशल, आधारभूत ढांचे और प्रशासनिक दक्षता सुधारे बिना यह लक्ष्य आशावादी से अधिक अव्यावहारिक प्रतीत होता है। नीतीश कुमार के लंबे शासनकाल की उपलब्धियां मिश्रित रही हैं। उन्होंने बुनियादी शासन-व्यवस्था को स्थिर बनाया, परंतु उद्यम, उद्योग, उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों में बिहार अब भी देश के निचले पायदानों पर है। आने वाले दिनों में नई सरकार से उम्मीद रहेगी कि वह रोजगार, स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार, निवेश और उद्योग-संबंधी सुधारों पर गंभीरता से कार्य करे। कमजोर विपक्ष नयी सरकार के लिए फायदेमंद है। कम सवाल, कम निगरानी और बिना बाधा विधेयकों के पारित होने की सहूलियत, परंतु यह उतना ही खतरनाक भी है, क्योंकि जवाबदेही का दबाव घटने से शासन में ढिलाई की आशंका रहती है।

भाजपा और जदयू ने इस चुनाव में कई बड़े बड़े वादे किए हैं। बुनियादी ढांचा, रोजगार, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, निवेश, कौशल विकास, लेकिन इतिहास बताता है कि पिछली सरकार अपने अधिकाधिक वादों को पूरा नहीं कर पाई। इस कार्यकाल में वादों की पूर्ति की संभावना इसलिए कम है, क्योंकि गठबंधन की आंतरिक खींचतान और भविष्य की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पहले से ही दिखाई दे रही हैं। आने वाले वर्षों में भाजपा अधिक सीटों पर दावा ठोकने की तैयारी करेगी, जिससे सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ेगा। बिहार की जनता की अपेक्षाएं बहुत स्पष्ट हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित जीवन। प्रश्न है कि क्या यह रिपीट सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी?

एसआईआर पर विपक्ष खुद भी तो कुछ करे!

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव आयोग पर आरोप है कि वह सत्ता पक्ष के लिए यूपी विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव की बिसात बिछा रहा है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है, तब विपक्ष के लोग कहां हैं?

एसआईआर क्यों? इस सवाल का कोई मतलब नहीं। इस सवाल का भी कोई मतलब नहीं कि बिहार के बाद सिर्फ 12 राज्यों में ही एसआईआर क्यों? म्यांमार, जहां से सर्वाधिक रोहिंग्या घुसपैठ कर सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में विराजमान हैं, जैसा कि कहा जाता है, लेकिन म्यांमार के सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में एसआईआर की जरूरत चुनाव आयोग ने बिल्कुल नहीं महसूस की। यह तय है कि विपक्ष कितना भी चिल्ल-पों कर ले, यूपी में 2027 का विधानसभा चुनाव और 2029 में लोकसभा चुनाव एसआईआर के जरिए परिवर्तित वोटर लिस्ट से ही होना है।

एसआईआर की विसंगतियां कई हैं। जैसे- बीएलओ, जिन्हें एसआईआर फार्म घर घर पहुंचाने की जिम्मेदारी है, वह लगभग नहीं हो रहा है। जागरूक लोगों को बीएलओ को ढूंढकर एसआईआर फार्म लेना पड़ रहा है। राजस्थान से लेकर यूपी में ऐसे हजारों उदाहरण मौजूद हैं। यूपी के एक भाजपा विधायक के वायरल वीडियो पर यकीन करें, तो वह अपने लोगों से बहुत साफ शब्दों में कह रहे हैं कि विपक्षी वोटरों के नाम उड़ा दिए जाएं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के खिलाफ बड़ा आंदोलन चलाया, लेकिन क्या हुआ? किसने सुनी उनकी बात? उलटे 272 पूर्व जज और नौकरशाहों ने राहुल के खिलाफ चिट्ठी लिखकर विरोध जताया कि वे चुनाव आयोग जैसी 'पवित्र' संस्था को बदनाम कर रहे हैं। इन नौकरशाहों को ब्राजील की माडल का भारतीय वोटर लिस्ट में शामिल होकर कई जगहों पर मतदान करना गलत नहीं लगा और बिहार में बीच चुनाव सरकारी खजाने से लाखों महिलाओं को दस-दस हजार की इमदाद भी अचंभित नहीं किया।

जब दो पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, मौजूदा चुनाव आयोग को दिशाहीन बता रहे हैं, तब लोकसभा में बहुमत के आंकड़े के बराबर 272 पूर्व नौकरशाहों का राहुल के खिलाफ खुलकर आना हैरान करने वाला है। तो क्या पूर्व नौकरशाहों के खुला विरोध को राहुल के खिलाफ 'महाभियोग' माना जाए?

इधर चुनाव आयोग एसआईआ करा रहा है और उधर विपक्ष बैठकें करने में व्यस्त है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है, तब विपक्ष के लोग कहां हैं? बात केवल यूपी की करें, तो यहां आरोप लग रहे हैं कि एसआईआर एक पक्षीय चल रहा है। यह सब आसानी से होने क्यों दिया जा रहा है? सरकारी अमला तो सरकार के लोग होते हैं, वे वही करेंगे जो सरकार चाहेगी और यह आज की बात नहीं है। पहले भी सरकारें ऐसे ही करती रही हैं, लेकिन सत्ता में विराजमान राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं के समतुल्य विपक्षी दलों के लोग ऐसा क्यों नहीं कर पाते?

यूपी में प्रमुख विपक्षी दल सपा है। आगामी विधानसभा चुनाव में इसे सत्ता के लिए जंग करनी है, लेकिन ये पार्टी भी पूरे यूपी में कुछ जगहों को छोड़कर एसआईआर को लेकर शायद ही कहीं और दिख रही हो। हां, वाट्सऐप पर इनके ज्ञान की भरमार है। वे जानते हैं कि उनके कोर वोटर कौन हैं और इन्हीं वोटरों को सहेजने में वे विफल हो रहे हैं।

दूसरी पार्टी कांग्रेस है। यूपी के लिए फिलहाल इसकी बात ही क्या करना। इसी मुद्दे को लेकर हाल ही में उसकी दिल्ली में हाई लेवल की बैठक हुई। इस बैठक में जो भी निर्णय लिए गए हों, उसका धरातल पर उतरना आसान नहीं है। यूपी में कांग्रेस के अभी छः सांसद हैं। सपा के साथ मिलकर 17 सीटों पर लड़ी थी। हारी हुई सीटों पर भी कांग्रेस की स्थिति सम्मानजनक थी। विधानसभा में कांग्रेस के सिर्फ दो विधायक हैं। एसआईआर को लेकर ये दो विधायक कितना कुछ कर पाएंगे, बताने की जरूरत नहीं। यहां संगठन भी हवा-हवाई है।

जिला कमेटी को छोड़ दीजिए बाकी ब्लाक स्तर की कमेटियां कहने भर को हैं। प्रदेश भर में एसआईआर को लेकर इक्का-दुक्का जिला अध्यक्ष ही सक्रिय हैं। बाकी सब के सब सुषुप्तावस्था में हैं। न्याय पंचायत और बूथ स्तर पर इनका कुछ नहीं है। चुनाव आयोग ने व्यवस्था दी है कि सरकारी बीएलओ के अलावा राजनीतिक पार्टियां अपना बीएलओ भी नियुक्त कर सकती हैं, ताकि चुनाव आयोग पर वोट काटने और जोड़ने की तोहमत न लगे। कांग्रेस इसमें भी सुस्त है। एसआईआर को लेकर विपक्ष के लापरवाह व सुस्ती का फायदा सत्ता पक्ष के कार्यकर्ता खूब उठा रहे हैं। विपक्ष को सक्रिय होने से किसने रोका है? विपक्ष यह समझने की भूल कर रहा है कि यह सामान्य एसआईआर नहीं है। इस एसआईआर का 'मूल सिद्धांत' ही कुछ और है।

बिहार चुनाव में बुरी तरह पराजित कांग्रेस इस खुशफहमी में हो सकती है कि वहां सर्वाधिक 65 लाख वोटर आउट किए जाने के बाद भी उसे औसतन करीब 71 हजार वोट प्रति विधानसभा सीट हासिल हुए। वह भी तब जब ओवैसी से लेकर बसपा, जन सुराज, आम आदमी पार्टी सहित अन्य छोटी पार्टियां महागठबंधन को ही नुकसान पहुंचाने के लिए चुनाव मैदान में थीं। आखिर ये पार्टियां तो यूपी विधानसभा चुनाव में भी होंगी और लोकसभा चुनाव में भी। आखिर इनसे सिसायीस तौर पर निपटने का प्लान कांग्रेस के पास क्या है?

दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी ही पार्टी से सवाल किया कि बिना संगठन के हम क्या करें? धरातल पर कोई संगठन ही नहीं है। बैठक में निस्संदेह और लोगों ने भी ऐसा ही महसूस किया होगा। कांग्रेस वर्किंग कमिटी के सदस्यों पर गौर करें, तो वह पूरा का पूरा दक्षिण भारतीयों के कब्जे में है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी में करीब दो सौ सदस्य दक्षिण भारत से ही हैं। इसके अलावा ढेर सारे ऐसे लोग हैं, जो या तो भाजपा नेताओं से गलबहियां करते घूम रहे हैं या फिर बिना धरातल पर झांके कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता में वापसी का ख्वाब दिखा रहे।

आमने

अमीर घर में पैदा हुए राहुल गांधी को धरातल की जानकारी नहीं है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी देखी है, प्रधानमंत्री मोदी गरीब जनता का दुख-दर्द समझते हैं।

-पंडित मोहन लाल बड़ौली
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष
हरियाणा

सामने

अपने प्राइम मिनिस्टर को खुश करने की बात है। न राहुल गांधी का वह मुकाबला कर सकते हैं। जिस तरह से राहुल जी आम लोगों के साथ मिलते-जुलते हैं। लोगों के बीच में जाते हैं। माननीय प्रधानमंत्री तो कभी ऐसे नजर ही नहीं आए।

-कुमारी शैलजा
कांग्रेस सांसद

भारतः यूएन में स्थायी सदस्य का बढ़ा समर्थन

अमित नारायण
कानपुर

अमेरिका भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थक तो रहा है, लेकिन उसने कभी नहीं चाहा कि भारत को वीटो मिले। उम्मीद है कि उसका रुख भी अब सकारात्मक ही रहेगा।

1.40 अरब की आबादी वाले भारत को वीटो पॉवर के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थायी सदस्य बनाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। रूस और ब्रिटेन के बाद अब फ्रांस ने भी खुलकर भारत को वीटो पॉवर की शक्ति के साथ स्थायी सदस्य बनाने की मांग संयुक्त राष्ट्र संघ रिफॉर्म डिबेट में उठा दी है। इस बैठक में चीन ने भारत का विरोध न करके यह संकेत दे दिया है कि वह अब भारत के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसने खुलकर समर्थन नहीं किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति का ही असर है कि पहली बार चीन ने भारत का विरोध नहीं किया है। इससे यह उम्मीद की जा सकती है कि अब भारत की राह में कोई रोड़ा नहीं रह गया है, हालांकि चीन ने जापान के नाम का खुलकर विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन को स्थायी सदस्यता हासिल है। इन देशों के पास वीटो का अधिकार है, जबकि अस्थायी सदस्य दो-दो साल के लिए चुने जाते हैं। उनका चुनाव क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर किया जाता है।

परिषद की स्थापना को 80 साल हो चुके हैं। भारत समेत दुनिया के कई देश चाहते हैं कि इसके स्ट्रक्चर में बदलाव किया जाए और भारत समेत कुछ और देशों को वीटो की शक्ति के साथ स्थायी सदस्य बनाया जाए, लेकिन स्थायी सदस्य नहीं चाहते कि उनके बराबर कोई और देश खड़ा हो, इसलिए वे भारत को स्थायी सदस्य बनाना तो चाहते हैं, पर वीटो की शक्ति नहीं देना चाहते। चीन तो अब तक भारत के विरोध में ही रहा है। जब भी भारत का नाम आया, उसने पाकिस्तान को भी स्थायी सदस्य बनाने की मांग रखकर अड़ंगा लगाया, लेकिन ब्रिटेन और रूस के बाद अब फ्रांस का भारत को स्थायी सदस्य बनाने के साथ ही वीटो की शक्ति देने की मांग उठाना भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है।

भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके, इसके लिए जरूरी है कि उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाए। स्थायी सदस्य बनने का मतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में भारत का योगदान और बढ़ जाएगा। सुरक्षा परिषद में स्ट्रक्चर में बदलाव को लेकर चर्चा हो रही है। अगर इसमें सहमति बनती है, तो भारत स्थायी सदस्य बन जाएगा, वह भी वीटो पॉवर के साथ। फ्रांस ने कहा है कि वीटो पॉवर के साथ भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। भारत जनसंख्या के मामले में दुनिया का पहला सबसे बड़ा देश है। भारत का रुख साफ है। वह दो अफ्रीकी देशों को स्थायी सदस्यता दिलाना चाहते हैं। भारत के अलावा ब्राजील, जर्मनी और जापान को भी एक-एक सीट मिलनी चाहिए, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इन देशों की जिम्मेदारियां हैं।

चीन के स्थायी दूत ने बैठक में भारत का विरोध नहीं किया है, जो उसके भारत के प्रति बदलते नजरिए को दिखाता है। चीन ने सिर्फ जापान का विरोध किया और कहा कि जापान जिस तरीके से ताइवान के मुद्दे पर मुखर है, उससे यह साबित होता है कि जापान यूएन की स्थायी सदस्यता मांगने का कोई अधिकार नहीं रखता है। यदि जापान को स्थायी सदस्यता देने की कोशिश की गई, तो हम इसका खुलकर विरोध करेंगे। चीन के रुख से अब उम्मीद है कि भारत आसानी से स्थायी सदस्य बन जाएगा। हां, अमेरिका को भी इसके लिए तैयार करना होगा कि वह भी भारत को वीटो की शक्ति देने के लिए तैयार हो। उसे मनाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम तो करेगी ही, फ्रांस और ब्रिटेन भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन के लिए तैयार कर लेंगे, हालांकि अमेरिका भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का प्रबल समर्थक रहा है, लेकिन उसने भी कभी नहीं चाहा कि भारत को वीटो मिले, लेकिन उम्मीद है कि उसका रुख भी अब सकारात्मक रहेगा।

चीन की टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका से छिड़ी रार के बाद वह भारत के समर्थन में कई मुद्दों पर खुलकर आगे आया है। पाकिस्तान की अमेरिका से बढ़ती नजदीकी से चीन नाराज है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान का पर्दे के पीछे से साथ दिया था, लेकिन अचानक अमेरिका के पाले में पाकिस्तान के जाने से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी सकते में हैं। पाकिस्तान की धरती पर अमेरिका कई बड़े मिनरल्स का खनन करने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि वह पाकिस्तान में अपना सैन्य बेस भी बना सकता है। यदि ऐसा होता है तो चीन के लिए यह शुभ संकेत नहीं होगा। यही वजह है कि अब चीनी नेतृत्व धीरे-धीरे भारत के करीब आ रहा है और पाकिस्तान की नीतियों का समर्थन करने से बच रहा है।

सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के लिए उसके चार्टर में संसोधन करना होगा। भारत को सभी स्थायी सदस्यों का समर्थन लेने के साथ ही जनरल असेंबली में दो तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त करना होगा। फिलहाल परिषद में 193 देश सदस्य के रूप में हैं। इनमें से 145 देशों का समर्थन हर हाल में भारत को चाहिए। वैसे तुर्किए, पाकिस्तान, अजरबैजान को छोड़ दें, तो शायद ही कोई देश भारत के विरुद्ध खड़ा हो। हालांकि अजरबैजान के रुख में भी परिवर्तन आया है। वह भारत से धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

प्रसंगवश

असमानताः 'बेटा', तुम बहुत अच्छा कर रही हो!

"बेटा, तुम बहुत अच्छा कर रही हो!" यह वाक्य हमारे समाज और शिक्षा व्यवस्था में लगभग हर दिन सुनाई देता है। बच्ची जब कोई अच्छा काम करती है, तो शिक्षक, अभिभावक या रिश्तेदार उसे प्रोत्साहित करते हुए अक्सर "बेटा" कहकर सराहते हैं। यह सुनने में सामान्य लगता है, क्योंकि हमारे सामाजिक परिवेश में 'बेटा' शब्द सफलता और उत्कृष्टता का मानक बन चुका है, लेकिन क्या कभी किसी लड़के से कहा गया है, "बेटी, तुम बहुत अच्छा कर रहे हो"? शायद कभी नहीं और यदि कहा भी गया हो, तो लोग इसे मजाक में टाल देते हैं। यही हमारी भाषा में गहरे छिपा हुआ लैंगिक असमानता है, जो सुनाई तो देता है, पर चुभता नहीं।

भाषा और समाज का रिश्ता बहुत गहरा है। हमारी सोच, दृष्टि और संस्कारों को गढ़ने में भाषा की भूमिका निर्णायक होती है। हम जो बोलते हैं, वही हमारी मानसिकता और दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है और वही बच्चों की सोच का हिस्सा बन जाता है। जब भाषा में असमानता छिपी होती है, तो वह बच्चों की आत्म-छवि और आत्मविश्वास को भी असमान बना देती है। बचपन में बच्चे अपने बारे में वही मानने लगते हैं, जो वे बार-बार सुनते हैं। यदि किसी बच्ची को सराहने के लिए भी 'बेटा' कहना जरूरी समझा जाता है, तो इसका संदेश यही है कि उत्कृष्टता, साहस या नेतृत्व लड़का होने के गुण हैं। इससे अनजाने में बच्ची को यह महसूस होने लगता है कि 'बेटी' होना पर्याप्त नहीं है। उसे मूल्यवान बनने के लिए 'बेटा' कहलाना होगा। दूसरी ओर लड़के को 'बेटी' कहकर सराहना लगभग असंभव है। यही भेद-भाव बच्चों की पहचान और आत्मविश्वास पर गहरा असर छोड़ता है। शब्द केवल वाक्य नहीं होते, वे धारणाएं गढ़ते हैं।

सत्य प्रकाश नायक
एक्टिविस्ट

कक्षा में बैठी लड़कियां अनजाने ही इन वाक्यों से बाहर रह जाती हैं। यदि शिक्षक कहते 'कौन करेगा या करेगी?' तो भाषा में ही बराबरी की खिड़की खुल जाती। कुछ विद्यालयों में तो समूहों के नाम तक इस असमानता से प्रभावित होते हैं। कई स्कूलों में केवल पुरुष महापुरुषों गांधी, नेहरू, विवेकानंद, भगत सिंह के नाम पर समूह बनाए जाते हैं। प्रेरणादायक महिलाओं जैसे रानी लक्ष्मीबाई, रानी कमलापति, अवंतिबाई, कल्पना चावला, टेस्सी थॉमस, सुधा मूर्ति या अन्य महिला वैज्ञानिकों, खिलाड़ियों, लेखिकाओं के नाम शायद ही किसी को सूझते हों। जब बच्चों के सामने आदर्शों के रूप में केवल पुरुष चेहरे आते हैं, तो संदेश यह जाता है कि नेतृत्व और पराक्रम का चेहरा भी मात्र पुरुष ही है।

भाषा की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह संवाद का माध्यम होते हुए भी अनजाने ही जेंडर असमानता को ढोती रहती है। 'करेगा', 'लाएगा', 'नेता बना', 'मर्द बनो' जैसे वाक्य हमारे अवचेतन में पुरुष-प्रधान सोच को पुख्ता करते हैं। भाषा ऐसे विचारों को वैधता देती है, जिन्हें हम शायद सचेत रूप से नहीं मानते। पाठ्यपुस्तकों में भी इसी असमानता की झलक है। ज्यादातर उदाहरणों में 'रवि', 'सुमित', 'राजेश' विज्ञान प्रयोग करते, खेल जीतते या पुरस्कार पाते दिखते हैं, जबकि लड़कियों के हिस्से में 'रीना मां की मदद करती है' या 'सीमा गुड़िया से खेलती है', जैसे दृश्य आते हैं। इससे बच्चों के मन में यह धारणा मजबूत होती है कि सक्रियता और खोज लड़कों का क्षेत्र है, जबकि देखभाल और सहयोग लड़कियों का। रोजमर्रा की भाषा भी इस सोच को बढ़ाती है, 'लड़की होकर ऐसे बोलती है?', 'बेटी, घर का ध्यान रखो', 'बेटे, बाहर का काम तुम संभालो।' यहां शब्दों के जरिए भूमिकाएं बांट दी जाती हैं एक भीतर की, एक बाहर की।

सोशल फोरम

एक कामयाब इनसान की नाकाम दास्तान

यह व्यक्ति 1809 में जन्मा था। 1816 में, 7 साल की उम्र में, उसे काम करने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि उसका परिवार बेदखल किया जा रहा था। 1818 में, उसने अपनी मां को खो दिया। 1828 में, उसने अपनी बहन को खो दिया। 1831 में, उसने अपना पहला व्यवसाय शुरू किया और दिवालिया हो गया। 1832 में, उसने विधानसभा के चुनाव में हिस्सा लिया और हार गया।

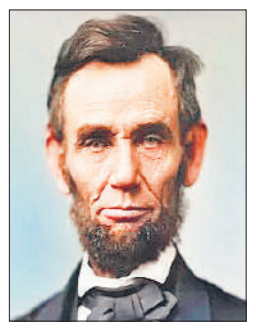

1833 में, उसने एक और व्यवसाय शुरू करने के लिए पैसे उधार लिए और फिर से दिवालिया हो गया। 1835 में, उसे एक अद्भुत महिला से प्रेम हुआ। वे दोनों सगाई करते हैं और वह महिला मर जाती है। 1836 में, वह अपने जीवन के अत्यंत अंधेरे दौर से गुजरा और गहरे अवसाद में चला गया। वह लगातार 6 महीने बिस्तर से उठा ही नहीं, लेकिन फिर वह उठा।

संजीव कुमार
शिक्षक

वह उठा और उसी साल 1836 में उसने फिर से विधानसभा के चुनाव लड़े और फिर हार गया। 1840 में, उसने चुनाव लड़ा और हार गया। 1842 में, वह उस महिला से मिला, जिसके साथ वह बूढ़ा होगा- उसकी पत्नी। वे प्रेम में पड़े, सगाई की, शादी की और उसने उसे चार बच्चे दिए, जिनमें से तीन को वे खो बैठे। 1843 में, उसने कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा और हार गया। 1845 में, उसने फिर से कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा और फिर हार गया।

1850 में, बेटा मर गया। 1854 में, उसने सीनेट का चुनाव लड़ा और हार गया। 1856 में, उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ा और सौ वोट भी हासिल नहीं कर सका। 1858 में, उसने फिर सीनेट के लिए चुनाव लड़ा और फिर हार गया और 1860 में, अब्राहम लिंकन संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए और उन्होंने दो अद्वितीय कार्यकाल पूरे किए, जिन्होंने उन्हें अमेरिकी इतिहास के सबसे सम्मानित राष्ट्रपतियों में से एक बना दिया।

हम केवल नायक को देखते हैं, लेकिन सफलता के पर्दे के पीछे की कठिनाइयां नहीं देखते। -फेसबुक वाल से

सामयिकी

हर दसवां भारतीय मधुमेह का शिकार

हाल ही में जारी अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह महासंघ (आईडीएफ) की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में 589 मिलियन वयस्क मधुमेह से पीड़ित हैं, जबकि 252 मिलियन लोग इस बात से बिल्कुल अनभिज्ञ हैं कि वे इस बीमारी की गिरफ्त में हैं। वहीं भारत में भी हर दसवां वयस्क डायबिटीज का रोगी है। ऐसे में मधुमेह यानी डायबिटीज अब केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि एक मौन महामारी बन चुकी है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि स्थिति पर तुरंत नियंत्रण नहीं पाया गया, तो 2050 तक भारत में मधुमेह रोगियों की संख्या 15.7 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती होगी।

आईडीएफ की रिपोर्ट के अनुसार, वयस्कों में मधुमेह की दर 11.1 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। मधुमेह केवल शुगर की समस्या नहीं, बल्कि यह शरीर के अन्य अंगों हृदय, किडनी, आंखों और मस्तिष्क पर गहरा असर डालती है। दुनिया के साथ भारत में भी स्थिति चिंताजनक है। देश में फिलहाल लगभग 89 मिलियन लोग डायबिटीज से जूझ रहे हैं, जबकि 50 फीसदी लोग ऐसे हैं, जिन्हें ये तक नहीं पता कि वे डायबिटीज से ग्रसित हैं।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

यह आंकड़ा तब और भयावह लगता है, जब यह जानने को मिलता है कि यह रोग अब बड़ों के साथ बच्चों और किशोरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में मधुमेह संबंधी स्वास्थ्य व्यय पहली बार एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से पार गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह जीवन भर साथ रहने वाली बीमारी है। एक बार इसकी चपेट में आने के बाद इसे नियंत्रित करना ही एकमात्र उपाय रह जाता है।

देश के कई राज्यों में हालात बेहतर नहीं हैं। गोवा में डायबिटीज की दर 26.4 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक है। पुडुचेरी 26.3 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। केरल 25.5 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। राजस्थान में इस वर्ष के अंत तक मधुमेह रोगियों की संख्या दस लाख तक पहुंचने का अनुमान है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में मधुमेह का प्रसार लगभग 10 प्रतिशत है, जबकि सिर्फ पिछले दस महीनों में छह लाख नए मामले सामने आए हैं। यह इस बात का संकेत है कि बीमारी कितनी तेजी से पैर पसार रही है।

उत्तर प्रदेश में यह दर 4.8 प्रतिशत है, लेकिन यह तेजी से बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में अब इस बीमारी की दर में कोई खास अंतर नहीं बचा है। यह धारणा पूरी तरह टूट चुकी है कि मधुमेह केवल शहरी जीवनशैली की देन है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, देश के केवल सात प्रतिशत मरीज अपनी बीमारी को लेकर गंभीर हैं और इसे नियंत्रण में रखने के लिए सभी चिकित्सकीय सलाहों का पालन करते हैं। बाकी 93 प्रतिशत मरीज या तो अपनी बीमारी को हल्के में लेते हैं या उसकी गंभीरता से अनजान रहते हैं। यही लापरवाही आगे चलकर गंभीर जटिलताओं को जन्म देती है।

मधुमेह के साथ हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक और किडनी फेल्योर जैसी समस्याएं जुड़ी रहती हैं। इस बीमारी से पीड़ित लोगों में साइलेंट हार्ट अटैक का खतरा कई गुना अधिक होता है। अनुसंधान बताते हैं कि जो व्यक्ति मधुमेह से मुक्त हैं, उनमें दिल का पहला दौरा पड़ने पर मरने की संभावना 20 प्रतिशत होती है, जबकि मधुमेह रोगियों में यह संभावना 80 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। अब मधुमेह केवल बुजुर्गों या मध्यम आयु वर्ग तक सीमित नहीं रहा। यह युवाओं और किशोरों तक पहुंच चुका है। 12 से 13 वर्ष के बच्चों में टाइप-2 डायबिटीज के मामले सामने आना बेहद चिंताजनक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

जीवन में संस्कारों से होती है व्यक्ति की पहचान

जीवन में अच्छे संस्कारों से अच्छे इंसान की पहचान की जाती है। दूसरी ओर हम यह कह सकते हैं कि अच्छे संस्कार बेहतर जीवन की नींव होते हैं। मानव जीवन में सबसे पहले दृश्य होने वाले भाव उसके संस्कार ही होते हैं। सरल शब्दों में कहें, तो संस्कार बिन मनुष्य पशु समान है। अच्छे बुरे का भेद हमें संस्कारों से ही पता चलता है। बच्चे जो कुछ भी सीखते हैं वे सब संस्कारों की श्रेणी में फलता फूलता है। अच्छे संस्कार बेहतर कल का निर्माण करने में सहायक होते हैं। वास्तविकता पर प्रकाश डाला जाए, तो हमें ज्ञात होगा कि हमारे हर एक कार्य पर संस्कारों की छवि झलकती है। फिर चाहे वह कार्य छोटा हो या बड़ा, हमारा हर आचरण हमारे संस्कारों को ही दर्शाता है। भला ऐसे कौन से माता–पिता होंगे, जो अपने बच्चों को अच्छे संस्कारों से हीन देखना चाहते होंगे?

शिवालिक अवस्थी
लेखक

बचपन से ही दें अच्छी परवरिश

हम बात तो यहां अच्छे संस्कारों की कर रहे हैं, लेकिन बचपन से ही अच्छे संस्कारों का समावेश कैसे किया जाए यह बात ध्यान देने योग्य है। आईए इस पर थोड़ा प्रकाश डालते हैं। बच्चों में अच्छे संस्कारों का सृजन माता-पिता द्वारा जीवन के शुरुआती दौर में ही कर देना चाहिए। बढ़ती उम्र के साथ बच्चों को हर एक संस्कार से रूबरू करवाना माता-पिता का कर्तव्य समझा जाता है। हर कार्य को सही ढंग से पूर्ण करना चाहिए, जिसके लिए बच्चों को अच्छे-बुरे की पहचान होना अनिवार्य हो जाता है। कौन सा कार्य अच्छा है और कौन सा कार्य बुरा है यह संस्कारों के अधीन ही समझा जाता है। सुबह उठते ही बच्चों द्वारा अपना बिस्तर समेटना, उनके संस्कार को दर्शाता है। दिनचर्या के कार्यों को सही ढंग से पूर्ण करना, संस्कारों की श्रेणी में आता है। भोजन कैसे ग्रहण किया जाता है यह भी संस्कारों में शामिल किया गया है।

अच्छे संस्कारों के कारण बच्चे अपने रोजमर्रा के कार्यों को सफलतापूर्वक करने में सक्षम बन जाते हैं। सही ढंग से भोजन ग्रहण करना सीख जाते हैं। बेहतर संस्कारों के कारण ही बच्चे, बड़ों का आदर सम्मान करना सीख जाते हैं। बच्चों को अच्छाई-बुराई का बोध भी अच्छे संस्कारों के कारण ही होता है। कौन सा कार्य करना उचित है और कौन सा अनुचित यह बच्चों को संस्कारों के ग्रहण करने से ज्ञात हो जाता है। आज के इस युग में कई जगह देखा जाता है कि बच्चों के जीवन से संस्कार लुप्त होते जा रहे हैं, जिस कारण बच्चों द्वारा कार्य करने के तरीके भी बदल चुके हैं। अब बच्चे बिना मोबाइल के भोजन तक ग्रहण नहीं करते हैं, जो सरासर गलत है। नतीजन भोजन पाचन क्रिया में कठिनता नजर आने लगी है। कई बच्चे तो एक ओर टीवी अथवा मोबाइल को देखने के लिए लेटे होते हैं, तो दूसरी ओर वह भोजन भी ग्रहण कर रहे होते हैं। अब इस क्रिया में बच्चों का पेट कैसे भरेगा और भोजन कैसे पचेगा यह समझ से परे है। नतीजन मोटापे या कुपोषण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

दूसरी ओर बच्चों में यदि संस्कार अच्छे होंगे, तो बच्चे भी बड़े-बुजुर्गों के साथ बैठकर आराम से भोजन ग्रहण करेंगे, जो जीवन में अति आवश्यक भी है। आजकल ज्यादातर बच्चों ने अपने से बड़ों के पांव छूकर आशीर्वाद लेने का महत्व भी खो दिया है। बच्चों को चाहिए कि वे रोज सुबह उठकर अपने माता-पिता के पांव छूकर स्कूल जाएं। स्कूल में अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया जाए। अथवा घर में कोई मेहमान आए, तो उसके भी पांव छूकर आशीर्वाद लिया जाए। यह क्रियाएं नैतिक संस्कारों की श्रेणी में आती हैं, जिनका प्रभाव जीवन भर रहता है। जीवन में स्वछता को अपनाना भी संस्कार माना गया है। इसलिए बच्चों को स्वछता का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। स्वछता के अलावा सुबह जल्दी उठना, रात को जल्दी सोना भी बच्चों के विशेष संस्कारों में सम्मिलित होना चाहिए। स्कूल की बात करें, तो बच्चों को अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करना चाहिए। अपने गुरु के कहे शब्दों को ध्यानपूर्वक ग्रहण करना चाहिए। स्कूल के नियमों का पालन करना चाहिए और नियमों का पालन वही विद्यार्थी कर सकता है, जिसके भीतर संस्कारों का बीज अंकुरित किया जा चुका हो।

मोबाइल से बच्चों को दूर रखें

आज के समय में बच्चों में संस्कार मानो लुप्त होते जा रहे हैं। बच्चे चिड़चिड़ेपन का शिकार होते जा रहे हैं। बच्चे घर में आए मेहमानों से मिलने को कतराते हैं। अकेलेपन को ज्यादा पसंद करने लगे हैं। मोबाइल से ज्यादा लगाव लगाकर बैठे हैं। मानो बच्चों ने अपना बचपन ही बेच दिया हो। दुनिया की इस चकाचौंध में बच्चे अपना बचपन खो बैठे हैं। अब जरूरत है, तो बच्चों के खोए हुए बचपन को लौटाने की, जिसमें संस्कार अपनी विशिष्ट भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों में ऐसे संस्कार निहित होने चाहिए, जिनसे वह जीवन का मूल मकसद समझ सकें। माता-पिता और गुरु यह तीन ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जो बच्चों में संस्कारों का निर्माण करने में सक्षम होते हैं। बच्चों के जीवन की नींव इन्हीं तीन स्तंभों पर टिकी होती है। बाहर हर बच्चा अक्सर वैसा ही व्यवहार करता है जैसा वह घर के वातावरण से सीखता है, इसलिए विशेष रूप से माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों में संस्कारों की ऐसी पैदावार करें, जो जीवनपर्यंत बच्चों के लिए फलदायक साबित हो।

...फिर जिले में कभी तैनाती नहीं ली

आपबीती

बात है वर्ष 1986 की, जिला बुलंदशहर में सीओ अनूप की तैनाती के तीन महीने में कप्तान साहब ने मेरे कार्यक्षेत्र के पांच थानों में फेरबदल करते हुए दो छोटे थाने हटाकर दो बड़े थाने पकड़ा दिए। अब अलीगढ़ सीमा से मुरादाबाद (अब अमरोहा जिला) सीमा तक गंगा किनारे का बड़ा इलाका पुलिसिंग के लिए मिल गया। नए मिले थानों के बारे में ब्रीफ किया गया कि साल के शुरुआती ढाई महीने में ही डकैती के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं और मेरे इलाके में अपराध कमोबेश कंट्रोल में है। नए लड़के हैं, जाकर इस इलाके में कंट्रोल कीजिए। उसी शाम एक कोतवाली पर पंहुचकर उपनिरीक्षकों से अपराध के बारे में चर्चा की। इंस्पेक्टर को क्राइम कंट्रोल मे विफल रहने के कारण हरिद्वार कुंभ मेला ड्यूटी भेज दिया गया था। बचे थाना पर तीन–चार नए और तीन पुराने दारोगा।

पुरानों दारोगाओं में सीनियर इंचार्ज पी. पी. सिंह शांत स्वभाव के और दिनभर मेहनत करने वाले अफसर थे। दूसरे यादव जी थे, लिखा-पढ़ी में इतने माहिर कि तफ्तीश में कोई भी नतीजा लिख दें, उसमें कमी निकाल पाना आसान नहीं होता था। तीसरे खुर्शीद गौहर-50 से ऊपर की उम्र में सुंदर व शालीन व्यक्तित्व के मालिक, उतनी ही नफासत भरी बातचीत, मानो पश्चिमी उप्र में लखनऊ उतर आया हो। सेवा में नए होने के कारण पूरी गंभीरता से डकैतियों की रोकथाम की कार्ययोजना के बारे में पूछने पर जनाब खुर्शीद गौहर साहब ने लखनवी अंदाज में फरमाया- 'हुजूर! अब आप का हुक्म है, तो नहीं पड़ेंगी।' मेरी जिज्ञासा पर उन्होंने बतलाया- 'साहब! मेहनत से गश्त की जाएगी। मुखबिरान मामूर (सक्रिय) किए जाएंगे। माशाल्लाह! आप भी जवान हैं, रात भर इलाके में घूमते ही रहते हैं। डकैती की क्या मजाल, जो पड़ जाएगी।'

इसके बाद अगले दो-ढाई महीनों तक उन नए थानों में डकैती तो दूर, चोरी-नकबजनी पर भी मानो ब्रेक सा लग गया। मासिक क्राइम मीटिंग में कप्तान साहब जब कहते कि नया लड़का है, कैसे क्राइम कंट्रोल कर रखा है, तो सीना खुद-ब-खुद चौड़ा हो जाता। इस बीच मंडल के डीआईजी साहब भी शाबासी दे गए। कुछ ही दिन बाद उसी थाना क्षेत्र के एक उभरते युवा नेता अपने शस्त्र लाइसेंस के प्रार्थना पत्र पर संस्तुति कराने के सिलसिले में मिलने आए। मैं खाली बैठा था, सो बातचीत का सिलसिला निकल पड़ा। बातों-बातों में नेताजी ने उक्त थाने के कामकाज की तारीफ करते हुए जो कहा, उसने मेरे पैरों तले से जमीन हिला दी। उन्हीं के शब्दों में-'साब, जबसे आपने हमारे थाने को संभाला है, पुलिस इतनी मेहनत कर रही है कि पूछिऐ मत। पहले तो रात में निकलता ही नहीं था कोई। अभी हाल में फलाने गांव मे डाका पड़ा, इतनी मेहनत करी पुलिस ने और पिछले महीने ढिमके गांव में डकैती पड़ी, साब, कितनी मेहनत की पुलिस वालों ने। गजब का सुधार हुआ है, आप के आने से...' अब मुझे काटो तो खून नहीं। उन्हें विदाकर अपने बुजुर्ग पेशकार ओमप्रकाश सिंह तोमर को बुलाकर नेताजी की तारीफ के बारे में बतलाते हुए चिंता व्यक्त की। पेशकार बहुत अनुभवी थे। उन्होंने कहा कि कोई शिकायत तो नहीं आई है सर। ऊपर के अफसर भी कहां चाहते हैं कि क्राइम बढ़े। जब कोई शिकायत आएगी, तब कार्रवाई कर दीजिएगा।

मुझे परेशानी से उबरता न देखकर पेशकार साहब ने विभाग का रहस्य बतलाया कि सरकार से थानेदार तक कोई नहीं चाहता कि अपराध बढ़ता दिखाई दे। सब आंकड़ों का खेल है। अपराध के आंकड़े बढ़ने पर विपक्ष सरकार को घेर लेती है और सरकार अफसरों को। थानेदार लूट-डकैती नहीं लिखता है। अफसरों की नौकरी बचाने के लिए और चोरी-नकबजनी नहीं लिखता है, अपनी थानेदारी बचाने के लिए, लेकिन सच यह है कि डकैती न लिखने पर भी मौके पर सारी कार्रवाई का दिखावा करना पड़ता है, अपराधी भी पकड़े जाते हैं, बस उन्हें डकैती के बजाय डकैती की योजना बनाते हुए पुलिस मुठभेड़ में तमंचा आदि के साथ पकड़कर बंद कर दिया जाता है। फिर उनकी पिटाई कर इतनी दहशत भर दी जाती है कि वह महीनों जमानत नहीं कराते। अभी जो बदमाश मुठभेड़ में मारे गए हैं, वह सभी शातिर लुटेरे हैं। बाकी क्राइम कंट्रोल मिमिमाइजेशन (अपराध को हल्के धाराओं में दर्ज करना) और कंसीलमेंट (अपराध को बिल्कुल न लिखना) पर ही चल रहा है पूरे सूबे में। इसके बाद मेरे ज्ञान चक्षु खुल गए और मैंने कभी जिला पुलिस में तैनाती के लिए कोशिश नहीं की और नौकरी का बड़ा हिस्सा इंटेलिजेंस, विजिलेंस और सुरक्षा में बिताकर आज से साढ़े आठ साल पहले रिटायर हो गया।

-अरुण गुप्ता
पूर्व आईपीएस, उप्र

लव बर्ड्स

वो दोस्त जो जीवनसाथी बन गया

दोस्ती-एक ऐसा रिश्ता जो धीरे-धीरे जीवन की सबसे मजबूत नींव बन जाता है। कुछ ऐसा ही मेरे साथ भी हुआ। मुझे आज भी याद है, 2009 की बात है, जब मैं केमिस्ट्री की कोचिंग कर रही थी। हमारी क्लास में एक लड़का था, हमेशा शांत, विनम्र और पढ़ाई में अव्वल। वहीं मैं स्वभाव से काफी चंचल थी। हमारी कोचिंग के दिनों में हम दोनों के बीच लगभग कोई बातचीत नहीं होती थी। कोचिंग पूरी होने के बाद मैं बीएससी करने चली गई और वह भी अपनी पढ़ाई में व्यस्त हो गया। अचानक एक दिन हमारी मुलाकात हुई और वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। समय के साथ यह दोस्ती गहरी होती गई और हम अपनी छोटी-बड़ी सभी बातें एक-दूसरे से साझा करने लगे।

इसी दौरान मेरी बड़ी बहन, जिन्हें ब्रेन ट्यूमर था, उनका ऑपरेशन दिल्ली के एम्स में होना था। उस समय मेरे साथ केवल दो बहनें थीं-एक जो बीमार थीं और दूसरी जो मेरा सहारा बनी हुई थीं। वहां छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी हमें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह बात मैं अक्सर अपने दोस्त से साझा करती थी। शायद उसे महसूस हुआ कि हम वहां अकेले संघर्ष कर रहे हैं, इसलिए उसने अपने घर पर झूठ बोलकर दिल्ली पहुंचने का फैसला कर लिया। दिल्ली पहुंचकर उसने मेरी बड़ी बहन के साथ मिलकर सारा काम संभाल लिया। ऑपरेशन सफल रहा और मेरी बहन पूरी तरह ठीक हो गई। इस घटना के बाद हमारी दोस्ती और मजबूत हो गई। वह मेरे घर आने-जाने लगा और देखते ही देखते हमारे परिवार का एक अभिन्न हिस्सा बन गया। इसी बीच मेरे शादी के रिश्तों की बातचीत भी चल रही थी। घर में पापा की सबसे छोटी और सबकी लाडली होने के कारण सभी मेरे लिए बेहतर से बेहतर रिश्ता ढूंढने में लगे थे। लेकिन मेरे मन में लगातार एक डर था कि कहीं मेरा विवाह ऐसी जगह न हो जाए जहां मैं अपनी तरह से जीवन न जी सकूं। कई रिश्ते आते-जाते रहे, और मैं लगातार उलझन में डूबी रही। एक दिन, इसी उधेड़बुन में, मैंने अपने दोस्त से पूछा-"अगर तुम्हारे जीवन में कोई और नहीं है। तो क्या तुम मुझसे शादी करोगे?"

वह कुछ क्षणों के लिए सक्त रह गया। फिर बोला- "मुझे थोड़ा समय दो मैंने कभी इस बारे में सोचा ही नहीं।" मैंने उसका उत्तर पाने के लिए इंतजार किया। मगर हमारे बीच एक बड़ी बाधा थी-जाति। वह ठाकुर था और मैं कायस्थ। कई उतार-चढ़ाव आए, कई बार स्थितियां मुश्किल हुईं, लेकिन अंततः हमने हिम्मत दिखाई। मैंने अपने परिवार को और उसने अपने परिवार को इस रिश्ते के लिए मनाया। लंबी कोशिशों और अनेक भावनात्मक संघर्षों के बाद, 22 फरवरी 2022 को हमारी शादी धूमधाम से संपन्न हुई। आज भी हम पहले की तरह ही अच्छे दोस्त हैं। हमारी दोस्ती ही हमारा सबसे मजबूत रिश्ता है-वही दोस्ती जो सम्मान, भरोसे और साथ से पति-पत्नी के सुंदर बंधन में बदल गई।

-आशीष एवं नैंसी श्रीवास्तव, अयोध्या।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,231.92	26,068 .15
गिरावट	400 .76	124
प्रतिशत में	0 .47	0 .47

सोना 1,26,715.00
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,54,900
प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, शनिवार, 22 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

कॉम्बिनेशन मीटर बदलने को 11500 अर्बन क्रूजर हाइडर वापस मंगाईं

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपने मध्यम आकार की एसयूवी अर्बन क्रूजर हाइडर की 11,529 इकाइयों को डैशबोर्ड के एक हिस्से की जांच और बदलने के लिए वापस मंगा रही है। इन इकाइयों को वापस मंगाने का मकसद नौ दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनी 11,529 वाहनों में यदि 'कॉम्बिनेशन मीटर' में खराबी पाई जाती है, तो उसकी जांच करना और बदलना है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि अपने 'सबसे पहले ग्राहक' दृष्टिकोण और उच्चतम गुणवत्ता मानकों के प्रति प्रतिबद्धता के तहत कंपनी ग्राहकों की चिंताओं को तुरंत दूर करती रहेगी।

इजराइल के साथ एफटीए का रास्ता खुला

नई दिल्ली। भारत और इजराइल के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जल्द ही वार्ता शुरू होगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इजराइल के उद्योग एवं आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के बीच हुई एक बैठक में एफटीए पर बातचीत की दिशा तय करने के लिए दोनों मंत्रियों ने गुरुवार को एक टर्म ऑफ रिफ्रेंस (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए। इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर गए गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि अंतिम मुक्त व्यापार समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत को आसान बनाने की दिशा में टीओआर पहला जरूरी कदम है।

इंटरग्लोब एविएशन में 82 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी इंडिगो

मुंबई। घरेलू विमान कंपनी इंडिगो ने विमान अधिग्रहण के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंटरग्लोब एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड में 82 करोड़ डॉलर (करीब 7,270 करोड़ रुपये) के निवेश को शुक्रवार को मंजूरी दे दी है। यह निवेश शेयर और 0 .01 प्रतिशत गैर-संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजही शेयर (ओसीआरपीएस) के संयोजन के माध्यम से एक या एक से अधिक किस्तों में किया जाएगा।

रियल एस्टेट और इन्फ्रा निवेश ट्रस्टों में खुदरा निवेश बढ़ाने की जरूरत

सेबी प्रमुख ने कहा- बुनियादी ढांचा जरूरतों के लिए पैसे जुटाने का अनोखा अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहीन कांत पांडेय ने रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों (रिट्स) और बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्टों (इनविट्स) में खुदरा निवेश बढ़ाने की जरूरत पर बल देते हुए शुक्रवार को कहा कि ये दोनों तंत्र देश की बुनियादी ढांचा जरूरतों के लिए पैसे जुटाने का अनोखा अवसर प्रदान करते हैं।

भारत इनविट्स एसोसिएशन और इंडियन रिट्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए पांडेय ने बताया कि सेबी दोनों इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश बढ़ाने के उपाय कर रहा है। इसके लिए वह केंद्रीय वित्त मंत्रालय

● केंद्रीय वित्त मंत्रालय और राज्य सरकारों के साथ की जा रही चर्चा

और राज्य सरकारों के साथ भी चर्चा कर रहा है। उन्होंने एमएससीआई की तरह दूसरे सूचकांकों में इन्हें अधिक से अधिक शामिल करने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने कहा कि सरकार को परिसंपत्ति प्रबंधन की जिम्मेदारी निभाने की बजाय इनविट्स बनाकर उसके मौद्रीकरण को सरल बनाने पर विचार करना चाहिये। उन्होंने कहा कि भारत के पास रिट्स और इनविट्स मिलाकर एक लाख करोड़ डॉलर यानी लगभग 90 लाख करोड़ रुपये के निवेश तक पहुंचने की संभावना है।

वर्तमान में देश में पांच सूचीबद्ध रिट्स और 24 सूचीबद्ध इनविट्स हैं। इनके पास सम्मिलित रूप से 9.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश है। इसमें सात लाख करोड़ रुपये का निवेश इनविट्स के पास है। पांडेय के अनुसार आने वाले समय में देश में सड़क, परिवहन, शहरीकरण, ऊर्जा और विमानन क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। वैश्विक स्तर पर जहां सभी सूचीबद्ध रियल एस्टेट परिसंपत्तियों में 57 प्रतिशत रिट्स और इनविट्स का हिस्सा हैं, वहीं भारत में यह महज 12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि दोनों तंत्र देश में नये हैं और इन्हें बढ़ावा देने के उपाय किये जाने चाहिये।

सेबी ने पेंशन फंड नियामक और बीमा नियामकों से उनके द्वारा नियमित इकाइयों को इनविट्स और रिट्स में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। साथ ही कहा कि म्यूचुअल फंडों में अतिरिक्त तरलता पूल तैयार किया जायेगा ताकि इन दोनों तंत्रों में निवेश कर देश में बुनियादी ढांचे के लिए ज्यादा से ज्यादा पूंजी उपलब्ध करायी जा सके। उन्होंने खुदरा निवेशकों को इनविट्स और रिट्स में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि देश में सिर्फ 10 प्रतिशत निवेशक इनके बारे में जागरूक हैं। खुदरा निवेशकों को अन्य विकल्पों की तरह इन्हें एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में देखना चाहिये।

भारतीय उपमहाद्वीप के अध्ययन को 100 करोड़ देगा अडानी ग्रुप

अहमदाबाद। अडानी समूह भारतीय उपमहाद्वीप - विशेषकर भारत - के इतिहास, यहां की संस्कृति और विरासत के अध्ययन के लिए काम करने वाले विद्वानों और प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञों को 100 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगा। समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने शुक्रवार को अडानी वैश्विक इंडोलॉजी सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत नॉलेज ग्राफ बनाने और इंडोलॉजी मिशन में काम करने वाले विद्वानों और विशेषज्ञों के लिए वित्तीय प्रतिबद्धता की घोषणा की। कहा कि आने वाले समय में बच्चे अपने देश के बारे में जानने के लिए न तो किताबों के पन्ने पलटेंगे और न ही किसी जानकार के पास जायेंगे। वे एआई से और मशीन से पूछेंगे। वर्तमान समय में भारत के बारे में एआई पर जो भी उपलब्ध है वह देश को सही ढंग से परिभाषित नहीं करता और इसलिए भारत नॉलेज ग्राफ तैयार करने और इंडोलॉजी मिशन की जरूरत है।

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी सेंसेक्स 400 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजारों में दो दिनों से जारी तेजी पर शुक्रवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक, बीएसई सेंसेक्स 400 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी 124 अंक टूटा। कमजोर वैश्विक रुझानों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में गिरावट आई। तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 400.76 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,231.92 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 444.84 अंक तक फिसल गया था। पचास शेयर वाला एनएसई निफ्टी 124 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,068.15 पर बंद हुआ। पिछले दो सत्र में यह एक प्रतिशत यानी 282 अंक से अधिक चढ़कर 26,000 के पार पहुंच गया था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इटर्नल के शेयर में प्रमुख रूप से गिरावट आई। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और आईटीसी शामिल हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में उम्मीद से बेहतर गैर-कृषि वेतन आंकड़ों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कम कर दिया है। इससे वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा कमजोर हुई। एआई से संबंधित शेयरों में जरूरत से अधिक तेजी को लेकर चिंता ने भी वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। एशिया के अन्य बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई।

चार श्रम संहिता लागू की गईं मौजूदा श्रम कानून होंगे सरल

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चार श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा की। इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है। ये चार श्रम संहिताएं - वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं।

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब ये देश का कानून हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि श्रम नियमन को आधुनिक बनाकर, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ाकर तथा श्रम परिवेश को बदलते कार्य जगत के साथ जोड़कर यह कदम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत उद्योगों की नींव रखता है। बयान में कहा गया कि इससे आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधारों को गति मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि भारत के कई श्रम कानून आजादी से पहले और आजादी के शुरुआती दौर (1930 से 1950 के दशक तक) में बनाए गए थे। उस समय अर्थव्यवस्था और कार्य जगत बहुत अलग थे। बयान में आगे कहा गया कि अधिकांश बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने हाल के दशकों में अपने श्रम नियमन को समय के अनुसार बदला है, लेकिन भारत 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे हुए खंडित, जटिल और पुराने प्रावधानों के साथ काम रहा था।

एसएफआईओ के नोटिसों पर आसान सत्यापन के लिए होगा क्यूआर कोड

नई दिल्ली, एजेंसी। गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा जारी नोटिसों पर अब क्यूआर कोड का प्रावधान किया गया है जिसके माध्यम से आसानी से इनका सत्यापन किया जा सकेगा। कंपनीज एक्ट, 2013 के तहत गठित एसएफआईओ इस कानून की धारा 212 के तहत सौंपे गये गंभीर और बड़े कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की जांच करता है और उन पर केस चलाता है। जांच के दौरान, नियमों के मुताबिक नोटिस भी जारी किया जाता है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि एसएफआईओ ने समन अथवा नोटिस के गलत इस्तेमाल या नकल को रोकने के लिए प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया के स्तर पर सुरक्षात्मक उपाय किये हैं। एसएफआईओ द्वारा जारी किये गये नोटिस डिजिटली जेनरेट होते हैं और उनमें एक क्यूआर कोड और एक विशिष्ट दस्तावेज पहचान संख्या (डीआईएन) होता है। कुछ बेहद खास परिस्थितियों को छोड़कर एसएफआई के अधिकारियों को सिर्फ़ डिजिटल तरीके से जेनरेट नोटिस जारी करने का अधिकार है।

जंगली जानवरों और बाढ़ से फसल नुकसान भी अब पीएम फसल बीमा योजना के दायरे में

नागपुर, एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि जलभराव और जंगली जानवरों से फसल के नुकसान का मुआवजा अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत मिलेगा। नागपुर में 'एग्रोविजन इवेंट' में एक सभा को संबोधित करते हुए, चौहान ने कहा कि सरकार ने वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में अनाज का उत्पादन छह प्रतिशत बढ़ाने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि पिछले 10-11 सालों में कुल उत्पादन 44 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में, कोई यह अंदाजा नहीं लगा सकता कि कब बारिश होगी या कब सूखा पड़ सकता है।

चौहान ने कहा कि मैं किसानों को अच्छी खबर देना चाहता हूं... पीएमएफबीवाई,

● नागपुर में हुए एग्रोविजन इवेंट में केंद्रीय कृषि मंत्री ने शिवराज सिंह की घोषणा

जो फसल के नुकसान के लिए जोखिम से सुरक्षा और मुआवजा देती है, के दायरे में अब बाढ़ और जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान को भी शामिल किया जाएगा। चौहान ने कहा कि किसान लंबे समय से ऐसे प्रावधान नहीं होने की शिकायत कर रहे थे, और अब इस योजना के तहत इन नुकसानों की भरपाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत खेती के एक नए दौर में जा रहा है।

विचार से नवाचार की ओर, मशीनीकरण से विविधीकरण की ओर, एकीकरण से सिंचाई की ओर और उपग्रह से ड्रोन की ओर बढ़ रहा है। कृषि मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सिंचाई में स्वचालन, मंडियों के आधुनिकीकरण और खेतों के विविधीकरण जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है।

चौहान ने यह भी कहा कि सरकार ने जीन स्तर पर संसाधित (जीनोम एडिटिंग) तरीकों का इस्तेमाल करके दो तरह के अनाज सफलतापूर्वक उगाए हैं। उन्होंने दोहराया कि किसानों की आय दोगुनी करना सरकार और प्रधानमंत्री की प्राथमिकता है, जिसके लिए उत्पादन और मुनाफा बढ़ाना जरूरी है।

उन्होंने आईसीएआर के वैज्ञानिकों को किसानों की मांग पर आधारित शोध करने, प्रयोगशाला को जमीन से जोड़ने और अच्छी गुणवत्ता के बीज देने का काम सौंपा। इन क्षेत्रों में शोध पहले से ही चल रहा है।

राष्ट्रीय

भारत से हर घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने भुज में बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह को किया संबोधित, एसआईआर को लेकर तृणमूल पर किया कटाक्ष

भुज (गुजरात), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार देश से हर घुसपैठिये को बाहर निकाल देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। वह गुजरात के कच्छ जिले के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हीरक जयंती (61वें स्थापना दिवस) समारोह को संबोधित कर रहे थे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शाह की टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कड़े शब्दों में

भुज में बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे अमित शाह।

पत्र लिखे जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने (बनर्जी ने) इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने का अनुरोध किया था। शाह ने कहा, आज बीएसएफ देश की सभी सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में लगा हुआ है। घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी आवश्यक है। एसआईआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बताते हुए शाह ने कुछ राजनीतिक दलों पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सरकार के अभियान को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एसआईआर का विरोध कर रही हैं, क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। शाह ने कहा, मैं इस हीरक जयंती समारोह में बहुत स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम इस देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे। यह हमारा प्रण है। एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालना मोदी सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा, देश के किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा या देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, यह निर्णय केवल भारत के नागरिक ही कर सकते हैं। घुसपैठियों को हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित करने और हमारे लोकतांत्रिक निर्णयों को प्रभावित करने का कोई अधिकार नहीं है। गृह मंत्री ने कहा कि एसआईआर भारत के लोकतंत्र को सुरक्षित और शुद्ध करने की एक प्रक्रिया है और हर नागरिक को इसका पूरा समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं उन राजनीतिक दलों को भी आगाह करना चाहता हूं जो इन घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। बिहार चुनाव देश की जनता का जनादेश था। और यह जनादेश हमारे देश में घुसपैठियों की मौजूदगी के खिलाफ है।

सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से होंगे नक्सलमुक्त

उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों की बदौलत भारत बहुत जल्द नक्सली समस्या से मुक्त हो जाएगा। शाह ने कहा, हम 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल समस्या से हमेशा के लिए मुक्त करने और अपने आदिवासी भाइयों-बहनों के विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं। तिरुपति से पशुपति तक का पूरा कॉरिडोर सुरक्षित रहेगा और शेष भारत की तरह प्रगति करेगा। छत्तीसगढ़ में बीएसएफ ने 127 माओवादियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया है, 73 को गिरफ्तार किया है और 22 को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि न केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बल्कि पूरा देश बीएसएफ जवानों की बहादुरी और अनुकरणीय साहस को सलाम करता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि अब तक बीएसएफ के 2,013 बहादुर जवानों ने देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है।

आत्महत्या: छात्रा ने शिक्षक से पांच बार मांगी थी मदद

नई दिल्ली/जयपुर, एजेंसी

● सीबीएसई की एक जांच रिपोर्ट में सामने आया सच

सीबीएसई की एक जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि जयपुर के एक स्कूल आत्महत्या करने वाली चौथी कक्षा की छात्रा को उसकी कक्षा में 18 महीने से ज्यादा समय तक 'परेशान' किया गया तथा सहपाठी उसके खिलाफ 'बुरे शब्द' इस्तेमाल करते थे जबकि स्कूल अच्छा माहौल बनाए रखने में नाकाम रहा।

सीबीएसई ने जयपुर के नीरजा मोदी स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बोर्ड ने इस महीने की शुरुआत में स्कूल की इमारत से कूदकर जान देने वाली नौ वर्षीय लड़की की मौत की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट मिलने पर यह नोटिस जारी किया। इस बीच, राजस्थान पुलिस ने कहा है कि घटना के 'आपराधिक पक्ष' की जांच जारी है। जांच समिति ने स्कूल की तरफ से कई कमियों की ओर इशारा किया, जिसमें लड़की को लगातार परेशान किये जाने की ओर ध्यान दिलाया गया, और बताया गया कि उसके माता-पिता ने सबसे पहले जुलाई 2024 में शिक्षकों के सामने यह मुद्दा उठाया था।

समिति ने पाया कि कक्षा अध्यापक ने बच्ची की दिक्कतों के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की, तब भी जब लड़की अपनी जिदगी के आखिरी 45 मिनट में पांच बार शिक्षक के पास मदद मांगने गई। कक्षा चार की बच्ची ने एक नवंबर को स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी।

बिहार मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा भाजपा के सम्राट को मिला गृह विभाग

पटना, एजेंसी

● राज्य में पहली बार भाजपा के किसी नेता को सौंपा गया गृह विभाग

● इससे पहले नीतीश कुमार अपने पास ही रखते थे यह मंत्रालय

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा किया, जिसके तहत उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह विभाग का कार्यभार सौंपा गया है। बिहार में पहली बार भाजपा के किसी नेता को गृह विभाग दिया गया है।

एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार कुमार ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), कैबिनेट सचिवालय, निगरानी और चुनाव विभाग अपने पास रखे हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद बृहस्पतिवार को पटना के गांधी मैदान में कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके अलावा 26 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की। कुमार के मुख्यमंत्री रहते हुए यह पहला अवसर है जब उनके पास गृह विभाग नहीं होगा। इससे पहले उनके सभी कार्यकाल में यह विभाग उनके पास ही रहा है। भाजपा और कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) समेत विभिन्न दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में गृह विभाग को लेकर खींचतान चल रही थी। अब उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राज्य की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। कैबिनेट विभाग की अधिसूचना के अनुसार भाजपा से उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को भूमि एवं राजस्व विभाग और खान एवं भू-तत्व विभाग दिए गए हैं। मंगल पांडे को स्वास्थ्य विभाग और विधि, दिलीप जायसवाल को उद्योग विभाग, नितिन नवीन को पथ निर्माण और नगर विकास एवं आवास विभाग सौंपा गया है। इसके अलावा, रामकृपाल यादव को कृषि विभाग, संजय टाइगर को श्रम संसाधन विभाग, अरुण शंकर प्रसाद को पर्यटन विभाग तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

मंत्रियों में 24 में से 21 करोड़पति भाजपा की रमा सबसे रईस

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषित 24 मंत्रियों में से 21 यानी 88 प्रतिशत मंत्री करोड़पति हैं। यानी कैबिनेट में हर 10 में से 9 मंत्री करोड़पति हैं। एडीआर के अनुसार सभी 24 मंत्रियों की औसत घोषित संपत्ति 5.32 करोड़ है। औराई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की विधायक रमा निषाद कैबिनेट की सबसे संपन्न मंत्री हैं।

उन्होंने कुल 31.86 करोड़ की संपत्ति घोषित की है। यह संपत्ति मंत्रियों की सूची में दूसरे स्थान के मंत्री से लगभग तीन गुना अधिक है। दूसरे स्थान पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का है। लखीसराय विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित भाजपा के श्री सिन्हा ने कुल 11.62 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। वहीं तीसरे पायदान पर भी भाजपा की टिकट पर तारापुर विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित सम्राट चौधरी का कब्जा है।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कुल 11.34 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। दलवार गणना करें तो भाजपा के 13 में से 11 मंत्री करोड़पति हैं। जदयू के आठ विश्लेषित मंत्रियों में से आठों मंत्री करोड़पति हैं। हम और लोजपा (रा) के एक- एक मंत्री करोड़पति हैं।

एनआईए मुख्यालय में वकील से मिलने की याचिका नामंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विस्फोट

● हाईकोर्ट ने कहा- आरोपी के लिए कोई नई प्रक्रिया नहीं बनाई जा सकती

दिल्ली उच्च न्यायालय ने लालकिले के निकट धीमी गति से चलती कार में हुए विस्फोट मामले के सह-आरोपी जसीर बिलाल वानी की उस याचिका पर आदेश पारित करने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया, जिसमें एनआईए मुख्यालय में वकील से मुलाकात करने देने का अनुरोध किया गया था।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि आरोपी एनआईए मुख्यालय में अपने वकील से मुलाकात करने देने की अनुरोध याचिका को खारिज करने संबंधी निचली अदालत का कोई भी आदेश दिखाने में विफल रहा है। उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी कोई विशेष व्यक्ति नहीं है तथा अदालत में एक निश्चित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए और उसके लिए कोई नई प्रक्रिया नहीं बनाई जा सकती। न्यायाधीश ने कहा, आपको लगता है कि मैं अपनी प्रक्रिया स्वयं बनाऊंगा, मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह कोई विशेष प्रक्रिया नहीं है।

अदालत ने यह टिप्पणी उस वक्त की, जब वानी के वकील ने दावा किया कि निचली अदालत ने अर्जी को मौखिक रूप से खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, कोई मौखिक अस्वीकृति नहीं हो सकती। यदि आपके पास आदेश नहीं है, तो आप मेरे सामने क्यों हैं।

शव को फिर से दफनाने के लिए कब्र से निकालने की अनुमति नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

● मद्रास हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप में सुप्रीम कोर्ट का इन्कार कोविडकाल के दौरान हुई थी मौत

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें 2020 में कोविड महामारी के दौरान मृत एक व्यक्ति के शव को उसके पारिवारिक कब्रिस्तान में फिर से दफनाने के लिए कब्र से निकालने की अनुमति देने वाले आदेश को रद्द कर दिया गया था।

मद्रास उच्च न्यायालय की खंडपीठ के फैसले को चुनौती देने वाली मृत व्यक्ति की पत्नी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की शीर्ष अदालत की पीठ ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा कि महामारी के समय स्थिति अलग थी। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने पति की मृत्यु के चार साल बाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और कहा कि यदि वह इस तरह के अनुरोध को अनुमति देता है, तो इसी तरह के कई मामले सामने आएंगे। पीठ ने कहा कि हमें उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता।

जुलाई में मद्रास उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें अधिकारियों को मृतक की पत्नी को उसके शव को कब्र से निकालने और प्रोटेस्टेंट ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार उसके अवशेषों को उनके पैतृक स्थान पर पारिवारिक कब्रिस्तान में पुनः दफनाने की अनुमति देने का निर्देश दिया गया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

नाइजीरिया में स्कूल में घुसकर विद्यार्थियों का अपहरण किया

अबुजा। नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने शुक्रवार सुबह पश्चिमी प्रांत में स्थित एक कैथोलिक स्कूल पर धावा बोलकर कई विद्यार्थियों और कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब कुछ दिन पहले ही पड़ोसी राज्य में बंदूकधारियों ने 25 छात्राओं को अगवा कर लिया था। राज्य सरकार में सचिव अबुबकर उस्मान ने बताया कि यह हमला और अपहरण सेंट मैरी स्कूल में हुआ, जो अगवारा में स्थित है। हालांकि, उन्होंने अगवा किए गए विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की। स्थानीय टीवी चैनल 'अराइज टीवी' की खबर के मुताबिक, 52 विद्यार्थियों का अपहरण किया गया है। इस घटना की किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

ब्रिटेन ने स्विंडन में की नए ड्रोन उत्पादन केंद्र की शुरुआत

लंदन। ब्रिटेन ने दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के स्विंडन में एक नया ड्रोन उत्पादन केंद्र शुरू किया है। ब्रिटिश सरकार ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 40,000 वर्ग फुट में निर्मित इस संयंत्र का उद्घाटन रक्षा मंत्री अल कार्न्स ने किया है। यह जर्मनी के बाहर स्टार्क का पहला उत्पादन केन्द्र है। आने वाले महीनों में यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस मानवरहित ड्रोनों का निर्माण शुरू हो जाएगा। बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि ड्रोन यूक्रेन को दिए जाएंगे या नहीं, लेकिन कहा गया है कि यह सुविधा हजारों वर्टस लोइटरिंग गोला-बारूद का उत्पादन करेगी, जिसे यूक्रेन में पहले ही सफलतापूर्वक तैनात किया जा चुका है। स्टार्क यूके के प्रबंध निदेशक माइक आर्मस्ट्रांग ने कहा कि इस संयंत्र में निवेश का उद्देश्य ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय, यूक्रेन और अन्य यूरोपीय साझेदारों की सहायता करना है।

आईएस समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो में 89 लोगों की हत्या की

गोमा। इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोही समूह ने पूर्वी कांगो में कई गांवों पर हमला कर 89 लोगों की हत्या कर दी। देश में स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ने बताया, लुबेरो शहर से लगभग 60 किमी पश्चिम में स्थित ब्याम्बे गांव में 'एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस' ने शनिवार को एक अस्पताल में 17 लोगों की हत्या की। इनमें प्रसूति वार्ड में भर्ती 11 महिलाएं भी शामिल थीं। मिशन के कार्यवाहक प्रमुख ब्रूनो लेमारक्विस ने कहा, नागरिकों के खिलाफ की गई हिंसा, जिसमें चिकित्सा सुविधाओं में होने वाले हमले भी शामिल हैं, युद्ध अपराधों और अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघनों के दायरे में आ सकती है।

ईरान के पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल भारतीय संस्थाओं पर प्रतिबंध

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका ने आतंकी समूहों तक पैसा पहुंचने का लगाया आरोप

अमेरिका ने भारत की उन संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कहा कि इस व्यापार से मिलने वाली धनराशि तेहरान के क्षेत्रीय आतंकवादी समूहों को समर्थन देने और हथियार प्रणालियां खरीदने में उपयोग की जाती है, जो अमेरिका के लिए सीधा खतरा हैं।

अमेरिका के विदेश और वित्त मंत्रालयों ने उन 'शिपिंग नेटवर्क' पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरानी शासन की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को अवैध तेल बिक्री के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही उन एयरलाइंस और उनसे जुड़ी कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं, जो ईरान समर्थित आतंकी संगठनों को हथियार और आपूर्ति भेजती हैं। इस प्रतिबंध सूची में जिन भारतीय नागरिकों और कंपनियों को शामिल किया गया है उनमें जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैय्यद, जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैय्यद, महाराष्ट्र स्थित 'आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड' और पुणे स्थित 'टीआर6 पेट्रो इंडिया एलएलपी' शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह भारत, पनामा और सेशेल्स सहित कई देशों में स्थित कुल 17 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाज़ों को नामित कर रहा है जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं।

हर साल हजारों बच्चे लापता

बच्चों की गुमशुदगी के मामले में भारत की स्थिति बेहद गंभीर है। विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार भारत दुनिया के उन देशों में से एक है जहां बच्चों के लापता होने के मामले बहुत ज्यादा हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, हर घंटे लगभग 11 बच्चे लापता हो जाते हैं, और उनमें से कम से कम चार कभी नहीं मिलते। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि लापता होने वाले बच्चों में करीब 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं। बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी और यौन शोषण बच्चों के लापता होने के प्रमुख कारण हैं। सरकारी तौर किए जाने वाले प्रयास और पुलिस सिस्टम इसमें कमी लाने में नाकाम रहे हैं। हाल ही में भारत में लापता बच्चों की स्थिति पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी गहरी चिंता जताई है और केंद्र सरकार को इसमें कमी लाने और रोकने के लिए ठोस उपायों की अपेक्षा की है।

बच्चों की बढ़ती गुमशुदगी

लगातार बढ़ रहा है आंकड़ा

- रिकॉर्ड के अनुसार देश में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है, अनुमानित तौर पर हर साल करीब 96 हजार बच्चे लापता हो जाते हैं।
- लापता बच्चों में लड़कियों की संख्या लड़कों से काफी ज्यादा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 75% लापता बच्चे लड़कियां थीं।
- 2022 में, 76,069 बच्चों के अपहरण की सूचना मिली थी पुलिस की जांच के बाद और 33,650 लापता बच्चों को अपहरण का शिकार माना गया था।
- एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा लापता बच्चे होते हैं, केरल और हरियाणा की स्थिति इस मामले में बेहतर है।

ये हैं प्रमुख कारण

- सबसे बड़ा कारण निसंतान दंपतियों को बच्चों को बेचने के रूप में उभरा है। देश में गोद लेने की प्रक्रिया कठिन होना इसका कारण है।
- बाल तस्करी दूसरी गंभीर समस्या है, जिसके तहत बच्चों को यौन शोषण, जबरन श्रम और भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है।
- फिरौती के लिए अपहरण भी प्रमुख कारण है, कुछ सालों से इसमें हालांकि कमी आई है, लेकिन फिर भी लगातार ऐसी घटनाएं होती हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत

- संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल अनुमानित रूप से 4,60,000 बच्चों के लापता होने की सूचना मिलती है।
- जर्मनी के सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार हर साल लगभग 1,00,000 बच्चों के लापता होने की सूचना मिलती है।
- यूनाइटेड किंगडम में यह संख्या काफी ह, यहां हर साल 1,12,853 बच्च लापता होने की सूचना दर्ज होती है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उस रिपोर्ट पर चिंता जताई थी जिसमें कहा गया था कि भारत में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से गोद लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ लापता बच्चों के मामलों को संभालने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया था। जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है। देश में गोद लेने की प्रक्रिया जटिल है जो बच्चों की गुमशुदगी का प्रमुख कारण है। कोर्ट ने गृह मंत्रालय को लापता बच्चों को ट्रेस करने और ऐसे मामलों की जांच के लिए समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने को भी कहा था।

देश में हुई चर्चित घटनाएं

- निठारी कांड सबसे भयावह घटनाओं में से एक था, जिसमें नोएडा के निठारी इलाके में नाले से 17 बच्चों के कंकाल मिले थे।
- पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में 2017 में 291 बच्चों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी, जो 2018 में बढ़कर 474 हो गई थी।
- भोपाल में एक महिला ने ढाई वर्ष और तीन महीने की दो बच्चियों को बेचने के लिए अगवा किया था।

जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए बने न्यायसंगत वैश्विक परिवर्ती तंत्र

भारत ने कॉप 30 में की अमीर और गरीब देशों की क्षमतानुसार भूमिका की पैरवी

- अमीर देशों की ओर से लगाए जा रहे प्रतिबंधों की आलोचना की

बेलेम, एजेंसी

कॉप 30 सम्मेलन के विशेष सत्र को संबोधित करते पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव।

वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन कॉप 30 के समापन से पहले भारत ने समानता और सीबीडीआर-आरसी पर आधारित एक न्यायसंगत परिवर्ती तंत्र पर जोर दिया और साथ ही जलवायु संबंधी कदमों के परिप्रेक्ष्य में अमीर देशों की ओर से लगाए गए एकतरफा व्यापार प्रतिबंधों की कठोर आलोचना की।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, एकतरफा कार्रवाई विशेष रूप से व्यापार-प्रतिबंध जलवायु उपाय, समानता और न्याय के सिद्धांतों को कमजोर करते हैं तथा एक निष्पक्ष और न्यायसंगत परिवर्तन को बाधित करने वाले कदम के रूप में कार्य करते हैं। यादव ने कहा कि भारत इस तंत्र की स्थापना के साथ बेलेम में एक महत्वाकांक्षी परिणाम की आशा करता है ताकि संधि और पेरिस समझौते को क्रियान्वित करने में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर किया जा सके।

उन्होंने कहा, हमें अब एक सच्चे न्यायसंगत परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए समता और साझा लेकिन विभेदित उत्तरदायित्वों और संबंधित क्षमताओं (सीबीडीआर-आरसी) को क्रियान्वित करना होगा। पर्यावरण मंत्री बृहस्पतिवार को यूएई न्यायसंगत परिवर्तन कार्य कार्यक्रम (जेटीडब्ल्यूपी) के तहत 'न्यायसंगत परिवर्तन' विषय पर तीसरे वार्षिक उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भारत और 190 से अधिक देशों के वार्ताकार जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं। साथ ही अमीर और गरीब देशों की अलग-अलग क्षमताओं के आधार पर न्यायोचित परिवर्तन सुनिश्चित करने पर भी विचार कर रहे हैं।

यादव ने जेटीडब्ल्यूपी के ठोस परिणामों के बारे में कहा कि भारत अन्य विकासशील देशों के साथ मिलकर न्यायसंगत परिवर्तन तंत्र के निर्माण का दृढ़ता से समर्थन करता है। मंत्री ने कहा कि मौजूदा अंतराल को पाटने तथा व्यावहारिक समाधान निकालने के लिए ऐसी व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ के लिए, राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण तक किफायती और पर्याप्त पहुंच सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पीछे न छूटे।

दुनिया को मिलकर जलवायु संबंधी वित्त को बढ़ाने की जरूरत

बेलेम। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत जलवायु कार्रवाई के हिस्से के तौर पर घरेलू अनुकूलन के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वैश्विक खाई बढ़ने के चलते जलवायु अनुकूलन संबंधी वित्त को बढ़ाने की जरूरत है। यादव ने यह भी कहा कि जलवायु संबंधी वार्षिक शिखर सम्मेलन 'सीओपी 30' को एक साफ राजनीतिक संदेश देना चाहिए कि अनुकूलन कोई वैकल्पिक उपाय नहीं, बल्कि एक जरूरी निवेश है। उन्होंने जारी 'यूएन सीओपी 30' शिखर सम्मेलन में बृहस्पतिवार को अनुकूलन पर 'बाकू उच्चस्तरीय संवाद' में अपने संबोधन के दौरान कहा, वर्ष 2025 की अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट का अनुमान है कि विकासशील देशों को 2035 तक सालाना 310-365 अरब अमेरिकी डॉलर की जरूरत होगी, जबकि अभी केवल 26 अरब अमेरिकी डॉलर मिल रहे हैं। यादव ने चिंता जताई कि अगर मौजूदा रुझान जारी रहा तो सार्वजनिक अनुकूलन वित्त को 2019 के स्तर से दोगुना करके 2025 तक लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर करने का 'ग्लासगो जलवायु समझौते' का लक्ष्य शायद पूरा नहीं हो पाएगा।

यूक्रेन में अपार्टमेंट पर गिरा रूसी ग्लाइड बम, पांच की मौत

कीव। यूक्रेन के जापोरिज्जिया शहर के एक रिहाइशी इलाके में रूसी ग्लाइड बम हमले में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक किशोरी समेत दस लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले के बाद चार साल से जारी युद्ध को खत्म करने की अमेरिकी योजना के बारे में जानकारी सामने आने के बाद, बीती रात यह हमला हुआ। यूक्रेन के अधिकारी युद्ध खत्म करने के प्रस्तावों का अध्ययन कर रहे हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह आगामी दिनों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं। स्थानीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख इवान फेदोरोव के अनुसार जापोरिज्जिया में हुए शक्तिशाली ग्लाइड बम हमले में ऊंची-ऊंची रिहाइशी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके अलावा स्थानीय मार्केट को भी नुकसान पहुंचा है।

ओली समर्थकों और जेन जी की अब काठमांडू में भिड़ंत

काठमांडू, एजेंसी

- घायल युवाओं का ओली के खिलाफ धरना, मौतों का जिम्मेदार बताया

नेपाल के जेन जी युवा और अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल के समर्थकों की शुक्रवार को एक बार फिर राजधानी काठमांडू में भिड़ंत हो गई। कुछ ही दिन पहले ही उनके बीच झड़प के कारण बारा जिले में कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हालांकि स्थिति सामान्य होने के बाद बारा में शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लिया गया है।

जेन जी समूह के दर्जनों घायल युवकों ने शुक्रवार को काठमांडू के माइतीघर मंडला में पूर्व प्रधानमंत्री ओली के खिलाफ धरना दिया। वे आठ सितंबर को प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए ओली को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जिसमें 76 लोग मारे गए थे। शुक्रवार का प्रदर्शन निकटवर्ती बानेश्वर-बबरमहल क्षेत्र में सीपीएन-यूएमएल की रैली के बाद हुआ, जहां पार्टी प्रमुख ओली ने यूएमएल नेताओं और कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने के लिए 'नेशनल वोलेंटियर्स फोर्स' के गठन की घोषणा की।

यूएमएल कार्यकर्ताओं और जेन जी युवाओं, दोनों के कार्यक्रम लगभग एक ही स्थान पर और एक ही समय आयोजित किए गए थे तथा उनके बीच किसी भी टकराव को टालने के लिए बड़ी संख्या में दंगा रोधी पुलिसकर्मी तैनात किये गए थे। एक दिन पहले, जेन जी के युवाओं और ओली की पार्टी के सदस्यों के बीच झड़प में 10 लोग घायल हो गए, जिसके बाद तनाव फैल गया था। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हालांकि, शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लेने के बाद बारा ज़िले में जनजीवन पटरी पर लौट आया।

चुनावों से पहले सेना की तैनाती की सिफारिश

काठमांडू। नेपाल की कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और आगामी पांच मार्च, 2026 को होने वाले संसदीय चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए राष्ट्रीय मंत्रिमंडल में नेपाली सेना के जवानों को तैनात करने की सिफारिश की है। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिनिधि सभा के चुनावों से पहले गुरुवार को परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। एक बयान में, परिषद ने कहा कि सुरक्षा बलों की तैनाती की सिफारिश संविधान के अनुच्छेद 266(1) के अंतर्गत की गई है, जो निकाय को नेपाल सेना की लामबंदी एवं नियंत्रण का प्रस्ताव देने और राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा मामलों पर सलाह देने के लिए अधिकृत करता है। बैठक में कई अंतर्निहित संभावित सुरक्षा चुनौतियों की भी समीक्षा की गई।

बांग्लादेश: 5.7 तीव्रता का भूकंप, छह की मौत

ढाका, एजेंसी

अस्पताल में भर्ती कराए गए कई घायल।

- तमाम इमारतें हुईं जमींदोज, कई स्थानों पर लगी आग

बांग्लादेश में शुक्रवार को आए 5.7 तीव्रता के भूकंप के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के झटके राजधानी ढाका और कुछ अन्य हिस्सों में महसूस किए गए तथा इस दौरान कई इमारतों को नुकसान पहुंचा और कुछ जगहों पर आग लग गई, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

अधिकारियों ने बताया कि ढाका में तीन लोगों, जबकि नारायणगंज में एक व्यक्ति की मौत की सूचना है। वहीं, दो अन्य मौतें नरसिंगडी में हुईं, जहां भूकंप का केंद्र सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। स्थानीय मीडिया ने भूकंप के कारण देशभर में कम से कम 50 लोगों के घायल होने की खबर दी है। बांग्लादेश के मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10 बजकर 38 मिनट पर आया और इसका केंद्र ढाका के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नरसिंगडी में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। यह स्थान ढाका के अगरगांव क्षेत्र में भूकंपीय केंद्र से लगभग 13 किलोमीटर पूर्व में है।

ढाका के पुलिस उपायुक्त मलिक अहसान उद्दीन सामी ने अग्निशमन सेवा के हवाले से बताया कि पुराने ढाका के अरमानीटोला इलाके में पांच मंजिला इमारत की रेलिंग, बांस की मचान और मलबा गिरने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले इलाके में एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। सामी ने पुष्टि की कि मृतकों में एक मेडिकल छात्र शामिल है, जो मांस खरीदने के लिए अपनी मां के साथ वहां गया था।

व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलेंगे ममदानी

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क के निर्वाचित महापौर जोहरान ममदानी वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

ममदानी को चार नवंबर को न्यूयॉर्क शहर का महापौर निर्वाचित किया गया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, यह बहुत कुछ बताता है, कल व्हाइट हाउस में एक कम्युनिस्ट नेता आ रहे हैं, क्योंकि डेमोक्रेट पार्टी ने उसे देश के सबसे बड़े शहर के महापौर के रूप में चुना है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है और यह भी दर्शाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप किसी से भी मिलने और किसी से भी बात करने के लिए तैयार हैं और अमेरिका के हित में काम करने की कोशिश करते हैं।

विवादों में घिरी रहीं मेक्सिको की फातिमा बॉश के सिर सजा मिस यूनिवर्स का ताज

बैंकॉक। मेक्सिको की 25 वर्षीय फातिमा बॉश फर्नांडीज ने शुक्रवार को मिस यूनिवर्स 2025 का ताज अपने नाम किया। यह जीत उनके लिए नाटकीय रही, जो बैंकॉक में आयोजित इस लोकप्रिय सौंदर्य प्रतियोगिता के उतारचढ़ाव वाले 74वें संस्करण के दौरान एक मेजबान द्वारा सार्वजनिक बदसलूकी का उनके डटकर सामना करने के कारण चर्चा में रहीं।

इस प्रतियोगिता की उप विजेता थाईलैंड की 29 वर्षीय प्रवीनर सिंह रहीं जबकि तीसरा स्थान वेनेजुएला की 25 वर्षीय स्टेफनी एड्रिआना अबासाली नासिर ने हासिल किया। इस वर्ष की प्रतियोगिता का माहौल एक विवाद के कारण बिगड़ गया था, जिसकी शुरुआत मेक्सिको की प्रतिभागी बॉश को फटकारने से हुई। इस घटना ने बहिष्कार, नारीवादी एकजुटता और स्थानीय आयोजक की भावुक माफी जैसे नाटकीय मोड़ लिए। चार नवंबर को प्रतियोगिता के एक सत्र के दौरान थाईलैंड के राष्ट्रीय निदेशक नवात इट्सारागिसिल ने बॉश पर स्थानीय प्रचार गतिविधियों में भागीदारी के निर्देशों का पालन न करने का आरोप लगाया और उन्हें फटकार लगाई। जब बॉश ने अपना पक्ष रखने की कोशिश की तो उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को बुला लिया।

बॉश कमरे से बाहर चली गईं और उनके समर्थन में कई अन्य प्रतिभागी भी से बाहर निकल गईं, जिनमें मिस यूनिवर्स 2024 डेनमार्क की विक्टोरिया कायर थेलविग भी शामिल थीं। बॉश ने कहा, आपके निदेशक का व्यवहार सम्मानजनक नहीं था, उन्होंने मुझे मूर्ख कहा। अगर कोई चीज आपकी गरिमा छीनती है, तो आपको उससे हट जाना चाहिए। 'मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन' के अध्यक्ष और मेक्सिको के व्यवसायी राउल रोचा कांतू ने एक बयान में नवात के व्यवहार को सार्वजनिक उत्पीड़न और गंभीर दुर्व्यवहार बताया था।

थाईलैंड की प्रवीनर पहली, वेनेजुएला की स्टेफनी दूसरी उप विजेता

मिस यूनिवर्स चुनी गईं फातिमा बॉश।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 15.11 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

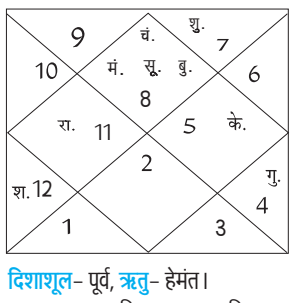

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 16.47 तक तत्पश्चात मूल।

मेष - आज अपने विचारों को दूसरों पर अध्यारोपित न करें। क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। आय के साधनों में कमी आ सकती है। आपके मन में अज्ञात भय उत्पन्न होगा। थायराइड से पीड़ित महिलाओं को स्वास्थ्य कष्ट हो सकता है।

वृष - आज पारिवारिक जीवन आनंद और उल्लास से भरपूर रहेगा। बिना मांगे किसी को सलाह न दें। प्राकृतिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। व्यापार में गति तीव्र होने के योग बन रहे हैं। प्रेमी जन के माध्यम से आपको उपहार मिल सकता है।

मिथुन - आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र कर सकते हैं। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों के लिए दिन थोड़ा उबाऊ है। पहले की गई मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। किसी से अधिक अपेक्षा न करें। विपरीत परिस्थितियों के बीच अपनी योग्यता को सिद्ध कर सकेंगे।

कर्क - आज दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। प्रेम संबंधों के बीच आयी गलतफहमियों को दूर करने के लिए दिन अच्छा है। व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

सिंह - आज कार्यक्षेत्र के माहौल में कुछ तनाव हो सकता है। परिजनों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। आपके अच्छे कार्यों की सराहना होने के बजाय लोग उनकी आलोचना कर सकते हैं। जल्दबाजी में किए गए कार्यों से नुकसान हो सकता है। समय का सदुपयोग करें।

कन्या - आज पारिवारिक रिश्तों में संवादहीनता के कारण समस्या हो सकती है। मित्रों के साथ कहीं घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है। भाई-बहनों की चिंता रहेगी। रक्तचाप के रोगियों को ठण्ड को लेकर विशेष सावधानी रखनी चाहिए। वरिष्ठ लोगों की अवहेलना न करें।

तुला - आज व्यापार में धन लाभ होगा। लेकिन आपको थोड़ी सावधानी भी बरतनी होगी। प्रबंधन से जुड़े लोगों के ऊपर काम का दबाव रहेगा। प्रेम संबंधों में तनाव हो सकता है। शाम के समय किसी समारोह के लिए निमंत्रण मिल सकता है।

वृश्चिक - आज आप रुके हुए कार्यों को निपटाने में व्यस्त रहेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। जीवनसाथी आपका मानसिक और आर्थिक रूप से काफी सहयोग करेगा। काम के प्रति सकारात्मक रवैया रखें। मित्रों के साथ आपके संबंध और मधुर होंगे।

धनु - आज आपके काम की लोग उपेक्षा कर सकते हैं। व्यर्थ के कार्यों में आपका धन बर्बाद होगा। आज आवश्यक न हो तो यात्रा न करें। आय की अपेक्षा आपके खर्चों में अधिकता रहेगी। सहकर्मियों से अपनी व्यक्तिगत बातें शेयर करना उचित नहीं है।

मकर - आज कार्यक्षेत्र की तनावयुक्त परिस्थितियों को हल करने में सफल होंगे। आपकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। नया काम शुरू करना हर दृष्टिकोण से उत्तम है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े प्रपोजल मिलने के योग बन रहे हैं।

कुंभ - आज अपने कार्य के प्रति निष्ठावान रहें। प्रेमी जन की भावनाओं का अनादर न करें। मन में वैराग्य के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा। जिन लोगों का स्वास्थ्य खराब था, उनके स्वास्थ्य में सुधार आयेगा।

मीन - आज आपकी दिनचर्या में सुधार आयेगा। धर्म-कर्म के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपका समय बीतेगा। दांपत्य संबंधों को गहरा और मजबूत करने के लिए रोमान्टिक डेट पर जा सकते हैं। बच्चों का मार्गदर्शन लगातार करते रहें।

सुडोकू-168

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

								4
			1					
		3						
				7				
							3	
	1			9				
						9		
					6			
		5						

सुडोकू - 167 का हल

1	2	3	5	9	7	6	4	8
8	6	7	3	1	4	2	9	5
9	4	5	8	6	2	3	1	7
3	7	4	1	2	5	8	6	9
2	8	9	7	4	6	5	3	1
5	1	6	9	8	3	7	2	4
4	5	8	6	3	9	1	7	2
6	9	1	2	7	8	4	5	3
7	3	2	4	5	1	9	8	6

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी मैदान पर और मैदान के बाहर, दोनों जगह भारतीय हॉकी की सबसे प्रेरणा देने वाली हस्तियों में से एक रही हैं। एक शानदार युवा टैलेंट से हमारे खेल के सबसे बेहतरीन लीडर्स में से एक बनने का उनका सफर सच में शानदार है।

-डॉ. दिलीप टिर्की

स्टेडियम

मुरादाबाद, शनिवार 22 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सूर्यकुमार मुंबई की टीम में शामिल

मुंबई। भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को मुंबई की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 26 नवंबर से शुरू हो रही है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर 17 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। स्क्वॉड में शिवम दुबे, सरफराज ख़ान, अजिंक्य रहाणे और आयुष म्हात्रे भी शामिल हैं। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज से पहले सूर्यकुमार की मुंबई टीम में वापसी हुई है। मुंबई इंडियंस के लिए इस आईपीएल में 717 रन बनाने और 167.91 की स्ट्राइक रेट के बावजूद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन नहीं बना पाए हैं।

बावुमा वनडे व मार्करम संभालेंगे टी-20 टीम की कमान

जोहान्सबर्ग। तेम्बा बावुमा को भारत के खिलाफ तीन मैचों की आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका का कप्तान नियुक्त किया गया, लेकिन प्रमुख तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा मौजूदा टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास सत्र के दौरान पसली में लगी चोट से उबरने में नाकाम रहने के बाद स्वदेश लौटेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज एडेन मार्करम की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी हो रही है। **एकदिवसीय टीम :** तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, रुबिन हरमन, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रियान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन। **टी-20 टीम :** एडेन मार्क्रम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

युवराज ने जीता इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स खिताब

डिगबोई (असम)। युवराज संधू ने लगातार दो प्लेऑफ हार के बाद शानदार वापसी की और शुक्रवार को डिगबोई गोल्फ लिंक्स में खेले गए मशहूर इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स, जो 1 करोड़ रुपये का इवेंट है, में सात-स्ट्रोक की जबरदस्त खिताबी जीत हासिल की। युवराज (65-69-66-69), जिन्होंने तीसरे राउंड के बाद छह-स्ट्रोक की शानदार बढ़त हासिल की थी, ने इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स के ऐतिहासिक 25वें एडिशन में चौथे राउंड में तीन-अंडर 69 का शानदार स्कोर बनाया और इस हफ़्ते का कुल स्कोर 19-अंडर 269 कर लिया। नतीजतन, चंडीगढ़ के 28 साल के इस खिलाड़ी ने इस सीजन की अपनी पांचवीं जीत हासिल की और पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में अपनी बढ़त और बढ़ा ली। लगातार चैंपियन रहे युवराज ने 15 लाख रुपये का विनिंग चेक हासिल किया, जिससे उनकी सीजन की कमाई 1,21,67,100 रुपये हो गई।

पांच विकेट लेने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (बीच में)। एजेंसी

एशेज टेस्ट : स्टार्क के कमाल के बाद स्टोक्स का धमाल

- पहले दिन गिरे 19 विकेट, इंग्लैंड की मजबूत वापसी

पर्थ, एजेंसी

एशेज टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को यहां तेज गेंदबाजों के दबदबे के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में महज 172 रन पर सिमटने के बाद कप्तान बेन स्टोक्स के पांच विकेट से इंग्लैंड ने मजबूत वापसी की। पांच मैचों की शृंखला का पहला दिन उम्मीदों पर खरा उतरा, जहां पर्थ स्टेडियम में 51,000 से अधिक दर्शकों के सामने 72 ओवर के खेल में 19 विकेट गिरे।

दिन का खेल खत्म होते समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर नौ विकेट पर 123 रन था और यह टीम पहली पारी में महज एक विकेट शेष रहते 49 रन पीछे है।

दिन का शुरुआती सत्र पूरी तरह से मिचेल स्टार्क के नाम रहा। उन्होंने नियमित कप्तान पैट कमिंस और दिग्गज जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 58 रन देकर सात विकेट लिए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र तक इंग्लैंड को ऑल आउट कर दिया। जोफ़ा आर्चर ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के पहले ही ओवर में विकेट लेकर दिखा दिया कि पांच तेज गेंदबाजों की मौजूदगी वाली इंग्लैंड की टीम भी इस मामले में कमजोर नहीं है। मैच में अभी चार दिन शेष और दोनों टीमों की पहली पारी लगभग खत्म हो चुकी है। इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने के बावजूद आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए 5.23 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए रक्षात्मक रुख अपनाना भारी पड़ गया क्योंकि टीम उस तेजी से रन नहीं बना सकी लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रही। दोनों टीमों के बल्लेबाजों को तेजी से उठती शॉर्ट-पिच गेंदों का सामना करना पड़ा ऑस्ट्रेलिया की पारी के 24वें ओवर में कैमरून ग्रीन को मार्क वुड की 147 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली बाउंसर ने चोटिल किया जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे स्टंप पर गिरते-गिरते बचे।

इंग्लैंड का आक्रमण उस तरह की खतरनाक गेंदबाजी कर रहा था जैसा ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज आमतौर पर मेहमान टीमों के खिलाफ करते हैं। इंग्लैंड ने पुछल्ले बल्लेबाजों ने पारी के आखिर में तेजी से विकेट गंवाये जिसका खामियाजा ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी उठाना पड़ा। ख्वाजा उस समय ड्रेसिंग रूम में मौजूद थे और चूंकि वह आठ मिनट से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहे थे ऐसे में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत करने की अनुमति नहीं दी गई। उनकी जगह लेने के लिए मार्नस लाबुशेन को ऊपरी क्रम में आना पड़ा। ख्वाजा को तीसरे नंबर पर भी बल्लेबाजी के नहीं आ पाये क्योंकि पदार्पण कर रहे जेक वेदरोल्ड को आर्चर ने पारी की दूसरी गेंद पर ही पगबाधा कर दिया।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	172/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	123/9

स्पिन पहेली को सुलझाकर शृंखला में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच आज से, गिल की अनुपस्थिति में पंत करेंगे कप्तानी

गुवाहाटी, एजेंसी

पहले टेस्ट मैच में स्पिनरों के सामने नतमस्तक होने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में स्पिन पहेली को सुलझाकर शृंखला बराबर करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत के लिए नेतृत्व की चुनौती बेहद चुनौतीपूर्ण होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए तो और भी कठिन परीक्षा आने वाली है, जिनके अक्सर उलझाने वाले फैसलों ने ड्रेसिंग रूम और थिंक टैंक को स्पष्टता के लिए जूझने पर मजबूर कर दिया है।

पिछले तीन दशकों से घरेलू मैदान पर खेलते हुए भारतीय टीमों की अजेय रहने की जो चमक रही है, वह वर्तमान टीम के सामने गायब हो गई है। यह पिछले कुछ वर्षों में पहला अवसर होगा जबकि भारतीय टीम घरेलू मैदान पर जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत नहीं करेगी। उसकी टीम कमजोर नजर आ रही है और क्रिकेट विशेषज्ञों के अनुसार यह अच्छी स्थिति नहीं है। अगर न्यूजीलैंड की स्पिन जोड़ी एजाज पटेल और मिशेल सैंटनर ने 2024 में भारत के घरेलू धरती पर अजेय रहने की धारणा को तार-तार कर दिया था तो साइमन हार्मर और उनके अन्य साथी युवा भारतीय टीम को और भी कमज़ोर बना रहे हैं।

स्पिनरों से निपटने की उचित तकनीक का अभाव स्पष्ट तौर पर नजर आ रहा है। इसका भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता पर काफी प्रभाव पड़ा है जिसने स्थिति को और बदतर बना दिया है। इन मुश्किल हालात में गिल की अनुपस्थिति में पंत कप्तानी संभालेंगे। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि लाल मिट्टी वाली बारसापारा की पिच पर उनकी बल्लेबाजी भी उनके फैसलों की तरह ही महत्वपूर्ण होगी। यह शुरू से ही स्पष्ट था कि गर्दन में अकड़न के कारण गिल दूसरे टेस्ट मैच में खेलने की दौड़ में नहीं थे, लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन और बीसीसीआई ने आखिर तक संशय बनाए रखा। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, 26 वर्षीय गिल आराम करने और स्वास्थ्य लाभ के लिए शहर से बाहर चले गए हैं। गिल की जगह लेने के लिए साई सुदर्शन सबसे संभावित उम्मीदवार लग रहे हैं, हालांकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या पिछले मैच की तरह ही वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर उतारा जाएगा, यह देखना अभी बाकी है।

गिल को टीम से रिलीज किया गया, जाएंगे मुंबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले शुक्रवार को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया। गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में टीम की अगुवाई करेंगे। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा शुभमन गिल को चोट की जांच के लिए मुंबई जाना होगा।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत।

समय पूर्वाह्न 9:00 बजे से

एकमात्र मैच में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं : ऋषभ पंत

गुवाहाटी : आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि एकमात्र टेस्ट में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं है लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच की कड़ी चुनौतियों के के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। इस मैच से पहले नियमित कप्तान शुभमन गिल को चोटिल होने के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था, जिसके बाद पंत को कप्तानी सौंपी गई। वह भारत के 38वें टेस्ट कप्तान होंगे। पंत ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा एक कप्तान के लिए एकमात्र मैच सबसे अच्छा विकल्प नहीं होता, लेकिन मैं बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का मुझे यह सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। जब भी आप अपने देश का नेतृत्व कर रहे होते हैं, तो यह सबसे गर्व का क्षण होता है। पंत से जब उनकी कप्तानी शैली के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह नए और पुराने का मिश्रण होगी।

टीम

भारत : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), केएल राहुल, यशस्वी जयसवाल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, देवदत्त पडिक्कल, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, जुबैर हमजा, साइमन हार्मर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरान मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

सगाई की अंगूठी दिखाते हुए डांस करतीं स्मृति मंधाना, साथ में राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, जेमिमा रोड्रिग्स और श्रेयंका पाटिल। एजेंसी

मंधाना ने संगीतकार मुच्छल के साथ सगाई की पुष्टि की

नई दिल्ली, एजेंसी

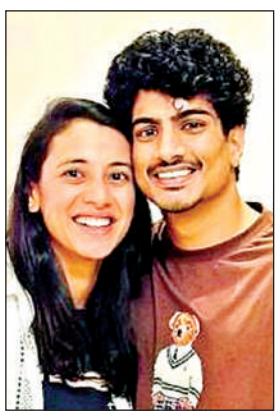

विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुच्छाल के साथ अपनी सगाई की घोषणा कर दी है जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस आक्रामक बल्लेबाज का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह भारतीय टीम की अपनी साथी खिलाड़ियों राधा यादव, जेमिमा रोड्रिग्स, श्रेयांका पाटिल और अरुंधति रेड्डी के साथ बॉलीवुड की फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई के गीत 'समझो हो ही गया' पर नृत्य कर रही हैं। इस दौरान वह मुस्कुराते हुए अपनी सगाई की अंगूठी को भी दिखा रही हैं। जेमिमा ने यह क्लिप इंस्टाग्राम पर साझा की है जिसे अभी तक 19 लाख से ज़्यादा लाइक्स और 12,000 से ज़्यादा कमेंट्स मिल चुके हैं।

मंधाना और मुच्छाल 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। प्रधानमंत्री ने दम्पति को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मंधाना की कवर ड्राइव की सुंदरता मुच्छाल की मधुर संगीतमय सिम्फनी के साथ एक अद्भुत साझेदारी बनाएगी। उन्होंने लिखा जीवन के हर मोड़ पर हाथ में हाथ डालकर चलते हुए, इस जोड़े को एक-दूसरे की मौजूदगी में शक्ति मिले और उनके दिल, दिमाग और आत्मा में सामंजस्य हो। उनके सपने आपस में गुंथें और साथ-साथ बढ़ें तथा उन्हें खुशी और गहरी समझ से भरे भविष्य की की तरफ ले जाएं।

मोदी ने कहा मैं कामना करता हूं कि स्मृति और पलाश विश्वास पर आधारित एक साझा जीवन का निर्माण करें, हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहें, प्यार के साथ जिम्मेदारियों को स्वीकार करें तथा एक दूसरे के मजबूत और कमजोर पक्षों के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा जब वे एक साथ एक नया, सुंदर जीवन शुरू करते हैं, तो स्मृति के कवर ड्राइव की सुंदरता पलाश की मधुर संगीतमय सिम्फनी से मिलकर एक अद्भुत साझेदारी बनाती है।

एशेज शृंखला देखकर ईर्ष्या हुई : तेम्बा बावुमा

गुवाहाटी। तेम्बा बावुमा को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज के शुक्रवार सुबह पर्थ में शुरू हुए मैच को देखकर ईर्ष्या हुई और उन्होंने हैरानी जताई कि पारंपरिक प्रारूप में मौजूदा विश्व चैंपियन होने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका को भारत के खिलाफ सिर्फ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने का मौका क्यों मिला। इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले बावुमा ने कहा कि दो मैच की वर्तमान शृंखला टेस्ट क्रिकेट की दो मजबूत टीमों के साथ सही

न्याय नहीं करती। बावुमा ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा हम आज सुबह एशेज देखने के लिए उठे। हमने उसे थोड़ी ईर्ष्या के साथ देखा, क्योंकि हम जानते थे कि वे पांच टेस्ट मैच खेल रहे हैं। वे एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस बात से खुश नहीं हैं कि विश्व चैंपियन होने के बावजूद उन्हें भारत के खिलाफ केवल दो टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलने के लिए मिल रही है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा उम्मीद है कि निकट भविष्य में हमें भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैच की सीरीज खेलने के लिए मिलेगी। भारत की टीम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार या पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलती रही है लेकिन अन्य टीमों के खिलाफ वह अक्सर दो मैच की श्रृंखला ही खेलती है।

अभ्यास सत्र के दौरान जुबैर हमजा (बाएं) और टोनी डी जोरजी।

सुपर ओवर में भारत ए की उम्मीदें तोड़कर बंगलादेश ए फाइनल में

राइजिंग स्टार्स 2025

दोहा, एजेंसी

भारत ए को बल्ले और गेंद से निराशाजनक प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा और राइजिंग स्टार्स एशिया कप के सेमीफाइनल में शुक्रवार को बांग्लादेश ए ने उसे सुपर ओवर में हरा दिया। बांग्लादेश ए का सामना अब पाकिस्तान शाहीस और श्रीलंका ए के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा। बांग्लादेश ए ने 20 ओवर में छह विकेट पर 194 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम का स्कोर भी बराबर रहा जिससे मैच सुपर ओवर तक खिंच गया। भारत ए ने सुपर ओवर में कप्तान जितेश शर्मा, आशुतोष शर्मा और रमनदीप सिंह को उतारने का अजीब फैसला लिया जबकि वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्य फॉर्म में थे। जितेश और आशुतोष को तेज गेंदबाज रिपोन मंडल ने सुपर ओवर में खाता खोलने का मौका दिए बिना आउट कर दिया। बांग्लादेश ने पहली गेंद पर यासिर अली का विकेट गंवाया लेकिन लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने अगली गेंद वाइड डाल दी जिससे बांग्लादेश को जीत मिली। इससे पहले भारत के लिये सूर्यवंशी ने 15 गेंद में 38 और आर्य ने 23 गेंद में 44 रन बनाए। भारत के 50 रन 19 गेंद में ही बन गए थे। सूर्यवंशी ने मंडल के पहले ओवर में 19 रन बनाये जिसमे दो छक्के और एक चौका शामिल था। इसके बाद आफ स्पिनर मेहराब हसन को लगातार दो छक्के जड़े।

मैच के दौरान भारत ए टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

गर्व की बात बोलीं- भारत सपने देखने वाले युवाओं से भरा है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम पक्का करें कि उनके सपने पूरे हों

पीटी उषा फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व स्प्रिंट क्वीन और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की मौजूदा अध्यक्ष पीटी उषा को भारतीय खेलों में उनके असाधारण योगदान और एथलीटों की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए शुक्रवार को फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

उषा, जिन्हें 'पय्योली एक्सप्रेस' के नाम से भी जाना जाता है, को यह सम्मान फिक्की टर्फ 2025 -15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट में दिया गया। उन्होंने कहा भारत सपने देखने वाले युवाओं से भरा है, और यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम पक्का करें कि उनके सपने मायने रखें। ग्लोबल पार्टनरशिप, खासकर ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ, और हर लेवल पर डिसिप्लिन्ड गवर्नेंस के साथ, हम चैंपियंस की एक नई पीढ़ी बना सकते हैं। इसी तरह एथलीट आगे बढ़ते हैं, और इसी तरह एक देश खेल के जरिए आगे बढ़ता है। यह समिट आज सुबह फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली में शुरू हुई, जिसमें सरकार, खेल, इंडस्ट्री और डिप्लोमेसी के लीडर्स एक साथ आए ताकि भारत की खेल में अगले दशक की तरक्की का खाका तैयार किया जा सके।

शुरुआती सेशन की शुरुआत फिक्की स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमैन और जीएमआर स्पोर्ट्स के प्रेसिडेंट पी. के. एसवी सागर के वेलकम एड्रेस से हुई, जिन्होंने पूरे स्पोर्टिंग इकोसिस्टम में कोलेबोरेशन की बढ़ती ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इस साल की थीम, इंडियन स्पोर्ट्स - ग्लोबल एक्सीलेंस का रास्ता बनाना, ने ग्लोबल एम्बिशन, इनोवेशन और कलेक्टिव एक्शन पर फोकस करने वाले एक दिन की दिशा तय की। पहले सेशन की एक खास बात फिक्की नॉलेज रिपोर्ट स्पोर्टिंग इंडिया राइजिंग' और स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन के लिए इंडिया-ऑस्ट्रेलिया स्ट्रैटेजी का रिलीज होना था, जो समिट में ग्लोबल पार्टनरशिप को मजबूत करने पर ज़ोर देने को दिखाता है। ऑस्ट्रेलिया को पार्टनर कंट्री के तौर पर देखते हुए, समिट ने हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम, कोचिंग, स्पोर्ट्स साइंस, इनोवेशन और लॉन्ग-टर्म टैलेंट पाथवे में बढ़ते मौकों को और मजबूत किया। भारत सरकार के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी, हरि रंजन राव ने अपने भाषण में कहा भारत की स्पोर्ट्स प्रोग्रेस एक प्रिंसिपल पर निर्भर करती है: एक एथलीट-फोकस्ड, कोच-लेड इकोसिस्टम जिसे हर स्टेकहोल्डर का सपोर्ट हो। सेंटर, स्टेट्स, इंडस्ट्री और फेडरेशन के बीच कोलैबोरेशन ज़रूरी है, और फिक्की टर्फ जैसे प्लेटफॉर्म उस अलाइनमेंट को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

भारतीय खेल तभी आगे बढ़ता है जब हम सब मिलकर आगे बढ़ते हैं। टैलेंट देश के हर कोने में मौजूद है, लेकिन मौका हर बच्चे तक पहुंचना चाहिए। हमारा फोकस एथलीट पर होना चाहिए: साफ रास्ते, मजबूत सिस्टम, सही चुनाव और साइंस, न्यूट्रिशन और मेंटल स्ट्रेंथ पर आधारित सपोर्ट।

-पीटी उषा

2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलने का यकीन

पीटी उषा को पूरा यकीन है कि भारत को 26 नवंबर को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिल जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को कहा हम कल ग्लास्गो रवाना हो रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि लोगों की उम्मीदें पूरी होंगी। दो तीन दिन इंतजर कर लें। पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन की सिफारिश की थी। ग्लास्गो में होने वाली बैठक में अंतिम मंजूरी मिलेगी। नाइजीरिया का अबुजा भी मेजबानी की दौड़ में है। राष्ट्रमंडल खेल को 2030 में सौ साल भी पूरे होने जा रहे हैं।